नई दिल्ली
रविवार, 9 जून, 2024
ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष,
तृतीया वर्ष : 28, अंक : 59
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 42
न्यून. 29

हरिभूमि

दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

चीन के विदेश मंत्रालय ने दी मोदी को बधाई, भारत ने भी दिया धन्यवाद

हरिभूमि ब्यूरो, नई दिल्ली। भारत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी चुनावी जीत पर बधाई देने के लिए शनिवार को चीन को धन्यवाद दिया और कहा कि वह पारस्परिक सम्मान, आपसी हित और पारस्परिक भावना के आधार पर द्विपक्षीय संबंधों को सामान्य बनाने के लिए प्रयास करना जारी रखेगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल की

टिप्पणी पूर्वी लद्दाख में वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर सीमा विवाद के चलते भारत और चीन के बीच संबंधों में ठहराव की पृष्ठभूमि में आई। जायसवाल ने चीनी विदेश मंत्रालय द्वारा 'एक्स' पर प्रधानमंत्री मोदी के लिए पोस्ट किए गए बधाई संदेश का जवाब दिया। उन्होंने 'एक्स' पर कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी चुनावी जीत पर बधाई देने के लिए धन्यवाद चीनी विदेश मंत्रालय। पारस्परिक सम्मान, आपसी हित और पारस्परिक भावना के आधार पर भारत-चीन संबंधों को सामान्य बनाने की दिशा में प्रयास जारी रखेंगे। भारत लगातार यह कहता रहा है कि समग्र संबंधों को सामान्य बनाने के लिए एलएसी पर शांति और स्थिरता महत्वपूर्ण है। चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने पांच जून को कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को चुनाव में जीत पर बधाई। हम स्वस्थ एवं स्थिर चीन-भारत संबंध की आशा करते हैं।

मालदीव, बांग्लादेश, श्रीलंका, नेपाल, भूटान, मॉरीशस और सेशेल्स जैसे सात देशों के राष्ट्राध्यक्षों ने स्वीकार किया भारत का निमंत्रण पत्र

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की अगुवाई वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) की सरकार का तीसरा शपथ ग्रहण समारोह रविवार 9 जून की शाम राष्ट्रपति भवन में आयोजित किया जाएगा। इसमें देश के पीएम के रूप में नरेंद्र मोदी और उनके मंत्रिमंडल के तमाम सहयोगी पुनः शपथ ग्रहण करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान जारी कर बताया कि मालदीव, ▶▶शेष पेज 5 पर

मोदी सरकार के तीसरे शपथ ग्रहण समारोह में आज शिरकत करेंगे मुइज्जू, हसीना, प्रचंड

सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अफीक भारत पहुंचे

बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना का स्वागत

राष्ट्रपति देंगी रात्रिभोज पीएम संग होंगी बैठकें

शपथ ग्रहण समारोह के बाद यह सभी राष्ट्राध्यक्ष राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रपति भवन में दिए जाने वाले विशेष रात्रिभोज के कार्यक्रम में भी शामिल होंगे। पीएम नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठकें व कुछ व्यक्तिगत शिष्टाचार मुलाकातें भी होंगी। जिनमें मुख्यरूप से भारत और संबंधित देशों के साझा हितों से जुड़े हुए मुद्दों के अलावा वर्तमान में बने हुए क्षेत्रीय और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर भी विचार विमर्श किए जाने की संभावना है।

मुइज्जू पर टिकी सबकी निगाहें, पहला विदेश दौरा

मंत्रालय के मुताबिक, शपथ ग्रहण समारोह में शामिल होने वाले राष्ट्राध्यक्षों में मालदीव के राष्ट्रपति डॉ. मोहम्मद मुइज्जू, श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे, बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना, नेपाल के पीएम पुष्प कमल दहल 'प्रचंड', मॉरीशस के पीएम प्रविंद कुमार जुगनुथ, सेशेल्स के उपराष्ट्रपति अहमद अफीक और भूटान के पीएम शेरिंग टोबगे शामिल हैं। लेकिन देश के सत्ता के गलियारों में सबसे ज्यादा चर्चा मालदीव के राष्ट्रपति ▶▶शेष पेज 5 पर

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

वंदे भारत में परोसे दिए गए कॉकरोच

इटारसी। जबलपुर से रानी कमलापति जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस के यात्री के भोजन में मरा

हुआ कॉकरोच मिला है। यात्री ने फोटो एक्स पर रेल सेवा, रेल मंत्रालय सहित उच्च अधिकारियों को पोस्ट कर दी। यात्री सादिक अली ने बताया कि वह शनिवार सुबह पिपरिया स्टेशन से रानीकमलापति की यात्रा करने के लिए वंदे भारत एक्सप्रेस में सवार हुए।

अनामिका पहली महिला हेलीकॉप्टर पायलट बनीं

नई दिल्ली। सब-लेफ्टिनेंट अनामिका बी राजीव तमिलनाडु के अराक्कोनम स्थित नौसैन्य

हवाई स्टेशन में पासिंग आउट परेड में प्रतिष्ठित 'गोल्डन विंग्स' प्राप्त करने के बाद भारतीय नौसेना की पहली महिला हेलीकॉप्टर पायलट बन गई हैं जो सी किंग्स, एएलएच ध्रुव, चेतक और एमएच-60आर सीहॉक्स हेलीकॉप्टर उड़ाएंगी।

नरेला में फैक्टरी में आग, तीन की मौत

नई दिल्ली। नरेला औद्योगिक क्षेत्र स्थित एक दाल फैक्टरी में शनिवार तड़के भीषण आग लग गई। आग

में फंसे नौ लोगों को रेस्क्यू कर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया। छह घायलों का इलाज सफदरजंग अस्पताल में चल रहा है। जांच में पता चला कि फैक्टरी में कच्ची मूंग दाल को गैस बर्नर पर भूना जाता था। पढ़े पेज 3 भी

आज शाम 7 बजकर 15 मिनट पर लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे नरेंद्र मोदी

संभावित मंत्रिमंडल पर मंथन जारी... मोदी ने चेताया-सांसद ब्रेकिंग न्यूज का शिकार न बनें

शपथ समारोह में अंतरराष्ट्रीय नेताओं सहित 9,000 अतिथि शामिल होंगे

समारोह में बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, भूटान, नेपाल, मॉरीशस सहित अन्य देश के शीर्ष नेता आएंगे

मोदी रचेंगे इतिहास

राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू रविवार की शाम को राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगी।

मोदी ने कहा कि ब्रेकिंग न्यूज से देश नहीं चलता है

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नरेंद्र मोदी की 3.0 सरकार का शपथ ग्रहण रविवार शाम 7.15 मिनट पर होगा। इस बार मोदी सरकार एनडीए के अपने सहयोगियों पर निर्भर रहेगी। इस बीच, शनिवार रात तक संभावित मंत्रिमंडल पर भाजपा के वरिष्ठ नेताओं जेपी नड्डा, अमित शाह व राजनाथ सिंह के बीच तो मंथन चलता ही रहा, सहयोगी दलों टीडीपी व जेडीयू के साथ भी विचार-विमर्श होता रहा। संभावित मंत्रियों के नाम मीडिया में आने के बाद मोदी ने एनडीए के सांसदों को चेताया कि वे ब्रेकिंग न्यूज के शिकार न हों।

ब्रेकिंग न्यूज से देश नहीं चलता है। उनका समझाना था कि टीवी या दूसरे माध्यमों में नाम आ जाने के बाद कोई अपेक्षा पालने से बेहतर है कि शीर्ष नेतृत्व के फैसले का इंतजार करें। वैसे, मोदी 3.0 कैबिनेट में किस पार्टी के कितने मंत्री रहेंगे? इसका फॉर्मूला लगभग बन गया है। शपथ समारोह में अंतरराष्ट्रीय नेताओं सहित 9,000 अतिथि शामिल होंगे। राष्ट्रपति रविवार की शाम को राष्ट्रपति भवन में प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के अन्य सदस्यों को पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाएंगी। शपथ ग्रहण समारोह में बांग्लादेश, श्रीलंका, मालदीव, भूटान, नेपाल, मॉरीशस सहित अन्य देश के शीर्ष नेताओं ▶▶शेष पेज 5 पर

भाजपा के ये नेता बन सकते हैं संभावित मंत्री...

राष्ट्रपति भवन में देर रात तक समारोह की तैयारियां चलती रहीं।

इनमें वीडी व शिवराज का नाम भी

राजनाथ सिंह, अमित शाह, जेपी नड्डा, नितिन गडकरी, एस जयशंकर, डॉ. महेश शर्मा, एसपी सिंह बघेल, अनुराग ठाकुर, पीयूष गोयल, मनसुख मंडाविया, नित्यानंद राय, अर्जुनराम मेघवाल, गजेंद्र सिंह शेखावत, राजीव प्रताप रूड़ी, वीडी शर्मा, शिवराज सिंह चौहान को मंत्री बनाया जा सकता है। इसके साथ ही ज्योतिरादित्य सिंधिया, वीरेंद्र कुमार खटीक, फग्गन सिंह कुलस्ते, रामवीर सिंह विधूड़ी/कमलजीत सहरावत, मनोहर लाल खट्टर, राव इंद्रजीत, भूपेंद्र यादव, डॉ. जितेन्द्र सिंह, वैजयंत पांडा, अपराजिता सारंगी, शांतनु ठाकुर, जस्टिस अभिजीत गांगुली, सुरेश गोपी, विप्लव देब, सर्वानंद सोनेवाल, हरदीप पुरी, विजयपाल तोमर, तापिर गांव, संजय बंडी/ जी किशन रेड्डी,/इटेला राजेंद्र, प्रह्लाद जोशी, शोभा करंदजले, पीसी मोहन, नारायण राणे, श्रीपद नाइक, डॉ. भोला सिंह और अनूप वाल्मीकि को भी मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने की संभावना है।

बिहार और यूपी के फॉर्मूले को समझें

बिहार से भारतीय जनता पार्टी के जितने सांसद मंत्री बनेंगे, उतने सांसद ही जदयू के भी मंत्री बनेंगे। जेडीयू और भाजपा अलग-अलग जातीय समीकरण के हिसाब से सांसदों के नाम को आगे बढ़ाएंगे। उत्तर प्रदेश से मोदी की टीम में इस बार क्षेत्रीय और सामाजिक समीकरण साधने के साथ ही नए और पुराने चेहरों में संतुलन बिठाने की चुनौती पार्टी नेतृत्व के सामने होगी। शाहजहांपुर के सासंद अरुण सागर की भी लॉटरी लग सकती है। महेंद्र नाथ पांडे के हारने के बाद ब्राह्मण चेहरे के रूप में जितिन प्रसाद, दिनेश शर्मा, महेश शर्मा और लक्ष्मीकांत वाजपेयी में से किसी एक को शामिल किया जा सकता है।

सहयोगी दलों के इन नेताओं को मिल सकती है जगह

आरएलडीः जयंत चौधरी, एलजेपी (रामविलास): चिराग पासवान, जेडीएसः कुमार स्वामी, टीडीपीः राम मोहन नायडू, के रविंद्र कुमार,इसके अलावा पवन कल्याण का भी नाम। एनसीपीः प्रफुल्ल पटेल, आजसूः चंद्र प्रकाश चौधरी, अपना दल सोनेलालः अनुप्रिया पटेल, जेडीयूः रामनाथ ठाकुर, दिलावर कामत, ललन सिंह और शिवसेना से श्रीकांत शिंदे/प्रताप राव जाधव/ श्रीरंग बारणे

सप्ताह भर के भीतर करेगी सिफारिशें, अभ्यर्थियों के परिणाम हो सकते हैं संशोधित

नीट-यूजी प्रवेश परीक्षा विवाद को लेकर गठित की गई उच्चस्तरीय समिति

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय पात्रता एवं प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) को लेकर मचे घमासान के बीच शनिवार को नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) के महानिदेशक सुबोध कुमार सिंह ने कहा कि इस प्रवेश परीक्षा में बड़े पैमाने पर कोई गड़बड़ी नहीं हुई है। परीक्षा में बैठे कुल करीब 23 लाख 33 हजार अभ्यर्थियों में से 1 हजार 563 के परिणामों की पुनः जांच करने के लिए भारतीय संघ लोकसेवा आयोग (यूपीएससी) के पूर्व अध्यक्ष की अध्यक्षता में एक चार सदस्यीय उच्च-स्तरीय समिति का गठन किया गया है। जो कि छात्रों का पक्ष लेते हुए अपनी जांच को एक सप्ताह में पूरा कर सिफारिशें सौंपेगी। जिसके आधार पर उचित कार्रवाई की जाएगी। इसमें आवश्यकता पड़ने पर अभ्यर्थियों के परिणाम संशोधित किए जा सकते हैं।

केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय मीडिया केंद्र (एनएमसी) में आयोजित किए गए एक संवाददाता सम्मेलन में एनटीए के महानिदेशक ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पूरे देश में इस परीक्षा की शुचिता के

साथ कोई समझौता नहीं किया गया, कोई पेपर लीक नहीं हुआ। परीक्षा प्रक्रिया पूरी तरह से पारदर्शी रही है। दरअसल नीट-यूजी प्रवेश परीक्षा का बीते चार जून को परिणाम जारी किया गया था। इसे लेकर कई अभ्यर्थियों ने गड़बड़ी का आरोप लगाते हुए कहा कि इसमें अंकों को बढ़ाया गया है। जिसकी वजह से 67 अभ्यर्थियों को पहला स्थान मिला है। इनमें से पांच एक ही केंद्र के हैं। दो टॉपर्स को क्रमशः 718, 719 अंक मिले। इनमें से कई के अंक संशोधित होने के बाद नेगेटिव (-20) में भी रहे हैं। नीट प्रवेश परीक्षा को लेकर पिछले कुछ वर्षों के इतिहास की तुलना में इस वर्ष केवल एक प्रश्न इस पूरे प्रकरण में प्रभावित हुआ है। 1,563 छात्रों में से 790 ने परीक्षा पास की है। इनका अंक प्रतिशत 50.54 फीसदी रहा।

जबकि कुल 23 लाख 33 हजार में से 13 लाख 16 हजार उत्तीर्ण हुए। जिनका अंक प्रतिशत 56 फीसदी रहा। क्षतिपूर्ति, से परीक्षा को उत्तीर्ण करने से जुड़े मानदंडों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों द्वारा पूछे गए विभिन्न प्रश्नों के जवाब में सिंह ने कहा कि एनटीए की परीक्षा प्रणाली पूरी तरह से पारदर्शी है। पिछले कुछ सालों की तुलना में केवल इस साल छह परीक्षा केंद्रों पर ज्यादा अंक देने, प्रश्नपत्र वितरित करने और ▶▶शेष पेज 5 पर

दिल्ली उच्च न्यायालय का फैसला

'डीपफेक' युग में व्यभिचार आरोप में तस्वीरों को साक्ष्य के तौर पर साबित करना होगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि 'डीपफेक' के युग में, पति या पत्नी द्वारा दूसरे साथी पर व्यभिचार का आरोप लगाते हुए पारिवारिक अदालत के समक्ष दाखिल की गई तस्वीरों को साक्ष्य के तौर पर साबित करना होगा। अदालत ने यह टिप्पणी एक व्यक्ति की उस दलील पर गौर करते हुए की जिसमें उसने अपनी पत्नी पर व्यभिचार संबंधी आरोप लगाए थे। उच्च न्यायालय ने पारिवारिक अदालत के आदेश को चुनौती देते हुए पति द्वारा दायर अपील खारिज कर दी। पारिवारिक

अदालत ने व्यक्ति को पत्नी और नाबालिग बेटी को 75 हजार रुपए का भरण-पोषण देने का निर्देश दिया था। जब याचिकाकर्ता के वकील ने अदालत का ध्यान व्यक्ति की पत्नी की कुछ तस्वीरों ▶▶शेष पेज 5 पर

सीडब्ल्यूसी में प्रस्ताव हुआ पारित

राहुल का 'नेता प्रतिपक्ष' बनना तय, वे बोले-सोचकर बताऊंगा

खरगे ने कहा कि जहां-जहां से राहुल की भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा गुजरी, वहां-वहां पार्टी की सीटें बढ़ी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राहुल गांधी का लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष बनना लगभग तय है। नतीजों के चार दिन बाद ही दिल्ली के अशोका होटल में कांग्रेस वर्किंग कमेटी (सीडब्ल्यूसी) की बैठक हुई। इसकी अध्यक्षता कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने की। बैठक में राहुल गांधी को विपक्ष का नेता बनाने की मांग की गई है। इसके लिए प्रस्ताव भी पास किया गया है। हालांकि, राहुल गांधी ने इस प्रस्ताव पर सोच-विचार के लिए समय मांगा है। बैठक में खरगे ने कहा कि जहां-जहां से राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा और भारत जोड़ो न्याय यात्रा गुजरी, वहां-वहां पार्टी की सीटें ▶▶शेष पेज 5 पर

कांग्रेस संसदीय दल की नेता चुनी गईं सोनिया

संसद के सेंट्रल हॉल में कांग्रेस संसदीय दल की बैठक में सोनिया गांधी को नेता चुना गया।

रामोजी ग्रुप के चेयरमैन चेरुकुरी रामोजी राव (87) का शनिवार की सुबह निधन

रामोजी राव की टोटल नेटवर्थ 2021 में करीब 4.5 अरब डॉलर यानी करीब 37,584 करोड़ रुपए आंकी गई थी

हॉलीवुड का भारत में 'देसी विकल्प' रामोजी राव ने ही दिया... उन्हें देश का कहा जाता था 'रुपर्ट मर्डोक'

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

मीडिया जगत के दिग्गज और रामोजी ग्रुप के चेयरमैन चेरुकुरी रामोजी राव (87) का शनिवार की सुबह निधन हो गया। 5 जून को उन्हें उच्च रक्तचाप और सांस लेने में तकलीफ के बाद हैदराबाद के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। रामोजी राव उम्र संबंधी बीमारियों से पीड़ित थे। डॉक्टरों ने उनके दिल में एक स्टेंट लगाया और उन्हें आईसीयू में वेंटिलेटर पर रखा था। रामोजी राव को कुछ साल पहले ▶▶शेष पेज 5 पर

रामोजी राव को कुछ साल पहले कोलन कैंसर भी था, लेकिन उन्होंने कैंसर को मात दे दी थी

राजकीय सम्मान के साथ अंतिम संस्कार आज

रामोजी राव का अंतिम संस्कार रविवार को रामोजी फिल्म सिटी के पास राजकीय सम्मान के साथ किया जाएगा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शोक व्यक्त किया और अधिकारियों को राजकीय सम्मान के साथ उनके अंतिम संस्कार की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। टीडीपी के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू ने रामोजी राव के निधन पर दुःख व्यक्त किया।

मोदी ने शोक व्यक्त किया

कार्यवाहक पीएम नरेंद्र मोदी ने रामोजी राव के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। मोदी ने कहा कि रामोजी राव एक दूरदर्शी व्यक्ति थे, जिन्होंने भारतीय मीडिया में क्रांति ला दी। उनके समृद्ध योगदान ने पत्रकारिता और फिल्म जगत पर अमिट छाप छोड़ी है। एक्स पर लिखा कि रामोजी राव गारू भारत के विकास के प्रति अत्यंत उत्साहित ▶▶शेष पेज 5 पर

खबर संक्षेप

मई महीने में दिल्ली वालों ने इस बार झेला सबसे ज्यादा प्रदूषण

नई दिल्ली। मई महीने में दिल्ली वालों ने दशकों में पड़ी सबसे ज्यादा गर्मी ही नहीं झेली बल्कि इस बार प्रदूषण भी बहुत ज्यादा सहना पड़ा। आंकड़ों के अनुसार मई के महीने में गत 2023 की तुलना में मई 2024 में प्रदूषण वाले दस राज्यों में दिल्ली छठे नंबर पर रही है। दिल्ली में पीएम 2.5 की सांद्रता 91 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज हुई। इस बारे में सेंटर फॉर रिसर्च आन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) के मासिक वायु गुणवत्ता स्नैपशॉट में, मई 2023 की तुलना में मई 2024 कहीं ज्यादा प्रदूषित था। जहां दिल्ली में पीएम 2.5 की सांद्रता 91 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर दर्ज की गई, जबकि दैनिक राष्ट्रीय मानक 60 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर और विश्व स्वास्थ्य संगठन के दैनिक दिशा निर्देश 15 माइक्रोग्राम प्रति घन मीटर हैं। दिल्ली में अक्टूबर से लेकर जनवरी महीने तक सबसे ज्यादा प्रदूषण का स्तर रहता है। क्योंकि इस दौरान दिल्ली सहित अन्य राज्यों में पराली जलाने की घटनाएं बेहिसाब बढ़ जाती है।

एबीवीपी की जेएनयू इकाई ने किया भाषा संगम 2.0 का आयोजन

नई दिल्ली। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय इकाई ने भाषा संगम 2.0 का भव्य आयोजन किया है। इस पहल का ध्येय है भाषा अनेक, भाव एक, जो अंतरराष्ट्रीय और भारतीय भाषाओं के विविधता और एकता को समर्पित है। भाषा संगम 2.0 के अंतर्गत 22 भाषाएं सिखाई जाएंगी जिसमे संस्कृत,तमिल और असमी समेत 9 भारतीय और जर्मन, फ्रेंच और स्पेनिश समेत 13 विदेशी भाषाएं है, जिसमें भारत के 80 सुप्रसिद्ध शिक्षक और जानकार अपनी विशेषज्ञता प्रदान करेंगे, जिससे प्रतिभागियों को वैश्विक भाषा कौशल में भी महारत हासिल हो सके। यह कार्यशाला किसी भी उम्र के छात्र/छात्राओं और लोगों के लिए खुली है। इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को कार्यशाला के प्रमाणपत्र (से पुरस्कृत किया जाएगा, जिससे उनके भाषा ज्ञान को औपचारिक मान्यता मिलेगी।

आईपी यूनिवर्सिटी के पहले एडमिशन फेयर का आयोजन रहा सफल

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी ने नए सत्र के विभिन्न प्रोग्राम के आवेदकों एवं संभावित आवेदकों के दाखिले से जुड़ी उलझनों को सुलझाने के लिए आज द्वारका कैम्पस में पहले एडमिशन फेयर का आयोजन किया था। यह आयोजन सफल रहा। एक सत्र में आयोजित इस कार्यक्रम में तक़रीबन एक हज़ार आवेदकों एवं संभावित आवेदकों ने भाग लिया। यूनिवर्सिटी के आवेदकों एवं संभावित आवेदकों के लिए एक ही जगह पर दाखिला प्रक्रिया के बारे में जानने- समझने का यह एक अच्छा अवसर था। इस एडमिशन फेयर में इस यूनिवर्सिटी के नए सत्र से जुड़े प्रोग्राम के आवेदकों एवं संभावित आवेदकों ने आकर दाखिले से जुड़े ढेर सारे सवालों का विस्तार से जवाब पाया। इसमें आए हुए आवेदकों एवं संभावित आवेदकों के प्रश्नों का उत्तर देने के लिए यूनिवर्सिटी के एडमिशन ब्रांच की पूरी टीम वहाँ उपस्थित थी।

1050 क्यूसेक के बजाय दिल्ली तक पहुंच रहा मात्र 840 क्यूसेक पानी

हरियाणा ने मुनक नहर में पानी नहीं बढ़ाया तो सातों जल शोधन संयंत्र होंगे प्रभावित : आतिशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की जल मंत्री ने लगातार दूसरे दिन भी हरियाणा सरकार पर दिल्ली में कम पानी छोड़ने का आरोप लगाया और कहा कि अगर आज सुबह हरियाणा ने मुनक नहर में पानी नहीं बढ़ाया तो दिल्ली के सातों जल शोधन संयंत्र प्रभावित हो होंगे और दिल्ली की जलापूर्ति ठप हो सकती है। वहीं आतिशी ने शनिवार को बवाना स्थित मुनक नहर के 2 उप-नहरों का दौरा किया जिसके जरिए मुनक नहर से हरियाणा, दिल्ली को उसके हिस्से का पानी मिलता है। यहां निरीक्षण के दौरान जल मंत्री आतिशी ने पाया कि पिछले 7 दिनों से लगातार हरियाणा कम मात्रा में पानी भेज रहा है। सामान्यता हरियाणा रोजाना मुनक नहर के जरिए दिल्ली के लिए 1050 क्यूसेक पानी भेजता है लेकिन अभी इसकी मात्रा गिरकर 840 क्यूसेक तक पहुंच चुकी है। प्रैसवार्ता में आतिशी ने कहा कि मुनक नहर से अगर दिल्ली को उसके हिस्से का पानी कम मिलेगा तो इसका असर दिल्ली के सातों वाटर ट्रीटमेंट प्लांट पर पड़ेगा और पानी के उत्पादन में कमी आएगी।

हरियाणा से कम छोड़ा जा रहा है पानी : जलमंत्री

जलमंत्री आतिशी ने कहा कि हरियाणा से पिछले एक सप्ताह से कम पानी छोड़ा जा रहा है। हरियाणा और दिल्ली के समझौते के अनुसार हरियाणा को रोजाना 1050 क्यूसेक पानी मुनक नहर के जरिए दिल्ली के लिए छोड़ना होता है। और पिछले 5 साल के डेटा के अनुसार गर्मी के मौसम में गर्मी के कारण इसमें से 1040 से 990 क्यूसेक पानी दिल्ली तक पहुंचता है। जिसे दिल्ली में बवाना कॉन्टैक्ट प्वाइंट पर फ्लो मीटर के जरिए मापा जाता है। उन्होंने बताया कि 2 जून को नहर में 848 क्यूसेक, 3 जून को 898 क्यूसेक, 4 जून को 850 क्यूसेक, फिर 856 क्यूसेक और कल 7 जून को मात्र 840 क्यूसेक पानी पहुंचा।

उन्होंने कहा कि हरियाणा से अगर सही मात्रा में दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं मिला तो शहर में अगले कुछ दिनों में पानी की समस्या और भी गंभीर हो जाएगी। इसलिए भीषण गर्मी में दिल्ली के लोगों को परेशान करने के लिए हरियाणा सरकार घटिया राजनीति करना बंद करे और दिल्ली को उसके हिस्से का पानी दे। गौरतलब है कि दिल्ली घरेलू उपयोग के पानी के लिए पूरी तरह यमुना पर निर्भर है। दिल्ली के 7 जल शोधन संयंत्र से दिल्ली के घरों में पानी पहुंचता है। इन वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में पानी बजीराबाद बैराज और मुनक नहर की दो उप-नहरे सीएलसी और डीएसबी से आता है। इन दोनों उप-नहरों से दिल्ली के सातों वाटर ट्रीटमेंट प्लांट में पानी जाता है।

- हरियाणा से कम मिलते पानी के मद्देनजर जल मंत्री आतिशी ने मुनक नहर के बवाना एंट्री प्वाइंट का किया निरीक्षण

लगातार घट रहा है वजीराबाद जल शोधन संयंत्र में पानी

जल मंत्री आतिशी ने कहा कि एक तरफ वजीराबाद में पानी का स्तर लगातार घट रहा है, वहां पानी 669 फीट पर पहुंच गया है तो वही दूसरी तरफ़ मुनक नहर के जरिए आने वाले पानी की मात्रा भी हरियाणा सरकार द्वारा लगातार कम की जा रही है। उन्होंने कहा कि ये दिल्ली के इतिहास में पहले कभी नहीं हुआ है जब मुनक नहर से दिल्ली में 1000 क्यूसेक से कम पानी आया हो। लेकिन कल ये मात्रा मात्र 840 क्यूसेक रह गई। यानि हरियाणा पर्याप्त मात्रा में मुनक नहर में पानी नहीं छोड़ा जा रहा है।

आतिशी ने हरियाणा से दिल्ली के हिस्से का पानी छोड़ने का किया आग्रह

आतिशी ने हरियाणा सरकार से आग्रह किया है कि दिल्ली की लोगों के साथ घटिया राजनीति करना बंद करे और दिल्ली को उसके हिस्से का 1050 क्यूसेक पानी दें। साथ ही अपर यमुना रिवर बोर्ड इसकी मॉनिटरिंग करें। साथ ही केंद्र सरकार इस मामले पर ध्यान दे और दिल्ली को दिल्ली के हक का पानी दिलवाए।

हिमाचल से 48 घंटे में दिल्ली पहुंचता है पानी, आतिशी ने 12 घंटे में ही मचा दिया शोर : बिधूड़ी

नई दिल्ली। दक्षिण दिल्ली से नवनिर्वाचित सांसद और दिल्ली विधानसभा में नेता विपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने शनिवार को कहा हिमाचल से 48 घंटे में पानी दिल्ली पहुंचता है लेकिन जल मंत्री आतिशी ने 12 घंटे में ही शोर मचा दिया है। बिधूड़ी ने कहा कि लोकसभा चुनावों में वोट की चोट पड़ने के बावजूद आम आदमी पार्टी के नेताओं के रवैये में कोई सुधार नहीं हुआ। वे दिल्ली में पानी की समस्या पर जनता को गुमराह करने के लिए अब भी लगातार झूठ बोल रहे हैं। चुनावों में अपनी विश्वसनीयता खोने के बाद भी वे बाज नहीं आ रहे। बिधूड़ी ने कहा कि जल मंत्री आतिशी लगातार झूठ बोल रही हैं कि हरियाणा द्वारा दिल्ली के हिस्से का पानी नहीं छोड़ा जा रहा जबकि हरियाणा सरकार की ओर से सुप्रीम कोर्ट में भी यह साबित कर दिया गया है कि वह दिल्ली को समझौते के अनुसार लगातार पानी दे रही है। इसीलिए सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली सरकार की इस मांग को खारिज कर दिया कि हरियाणा सरकार को कहा जाए कि वह दिल्ली को अतिरिक्त पानी दे। सुप्रीम कोर्ट में हिमाचल प्रदेश ने दिल्ली को 127 क्यूसेक पानी देने की घोषणा की। हैरानी की बात यह है कि आतिशी ने फिर से 2 जून के यमुना के लेवल के आधार पर यह झूठा आरोप लगाया कि हरियाणा पानी नहीं छोड़ रहा। सुप्रीम कोर्ट का फैसला 6 जून को आया था और वहां से भी पानी 8 जून तक पहुंचने की उम्मीद थी। इसके बावजूद आतिशी ने जानबूझ कर फिर ओछी राजनीति करते हुए झूठे आरोप दाग दिए। बिधूड़ी ने कहा कि सच्चाई यह भी है कि हिमाचल प्रदेश से दिल्ली पानी पहुंचने के बाद भी दिल्ली की जनता की प्यास नहीं बुझ सकती क्योंकि उस पार्टी को ट्रीट करने का इंतजाम ही दिल्ली सरकार ने नहीं किया। पिछले दस सालों में एक भी वाटर ट्रीटमेंट प्लांट न लगाए जाने के कारण दिल्ली में जल संशोधित करने की क्षमता 900 एमजीडी तक सिमटी हुई है और सारे प्लांट पूरी क्षमता से काम कर रहे हैं। इसलिए दिल्ली सरकार के निकम्मेपन के कारण ही दिल्ली की जनता प्यासी है। वैसे भी, दिल्ली में सभी प्लांट्स में गाद की सफाई दस सालों से न होने से सप्लाई नहीं हो पा रही।

भाजपा ने दिल्ली पेयजल संकट को लेकर विधानसभा का विशेष सत्र बुलवाने की उठाई मांग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शनिवार को शहर में व्याप्त पेयजल संकट पर चर्चा को लेकर दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष से एक विशेष सत्र बुलवाने की मांग की तथा इस संकट के लिए आम आदमी पार्टी सरकार के 'कुप्रबंधन' को जिम्मेदार ठहराया। दिल्ली विधानसभा में भाजपा के मुख्य सचेतक अजय महावर ने विधानसभा अध्यक्ष रामनिवास गोयल को पत्र लिखकर कहा कि भीषण गर्मी के बीच पूरी दिल्ली पानी की किल्लत से जूझ रही है और सरकार की कुव्यवस्था के कारण जनता बदहाल है। महावर ने अपने पत्र में कहा कि आप से अनुरोध किया जाता है कि दिल्ली विधानसभा का विशेष सत्र बुलवाया जाए तथा इस संकट का हल निकाला जाए एवं दिल्ली सरकार एवं दिल्ली जल बोर्ड के कुप्रबंधन के कारण पैदा हुए इस संकट से लोगों को राहत मुहैया करायी जाए। उन्होंने दावा किया कि विगत में कुछ विशेष सत्र अनावश्यक मुद्दों पर चर्चा के लिए बुलाये गये थे। वहीं भाजपा दिल्ली इकाई प्रमुख वीरेंद्र सचदेव ने भी विशेष सत्र बुलवाने पर जोर दिया है। भाजपा कहना है कि दिल्ली जहां एक ओर भारी जल संकट के दौर से गुजर रही है वहीं दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने शहर को यमुना का पानी नहीं देने के लिए हरियाणा को दोषी ठहराया है। गुरुवार को उच्चतम न्यायालय ने कहा कि दिल्ली में पेयजल संकट अस्तित्व से जुड़ी समस्या बन गई है। न्यायालय ने हिमाचल प्रदेश सरकार को 137 क्यूसेक अधिशेष पानी दिल्ली और हरियाणा को जारी करने का निर्देश दिया ताकि यमुना नहीं का जल प्रवाह सुचारू बना रहे। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा था कि पानी पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए।

कई दिनों बाद घटी जल शोधन मात्रा, स्थिति और करेगी परेशान

नई दिल्ली। गत दिनों की तुलना में शनिवार को दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) द्वारा संचालित संयंत्रों में जल शोधन की मात्रा करीब 4 एमजीडी घट गई है। दिल्ली में जल संकट बना हुआ है, हालात यह है कि चाणक्य पुरी व साकेत जैसे पॉश क्षेत्रों में पानी की कमी दर्ज हो रही है। जबकि जे जे क्लस्टर व अनधिकृत कालोनियों में पहले से ही जल संकट से लोग त्राहिमाम त्राहिमाम कर रहे है। डीजेबी के एक्शन प्लान से जुड़े एक आला अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार तक हो रहे 1002.89 एमजीडी पानी की तुलना में शनिवार को घटकर 998.91 रह गई। जिससे करीब 4 एमजीडी जल शोधन कम हुआ है। हालांकि अब भी यह संयंत्रों की तय क्षमता 956 एमजीडी से ज्यादा है। अधिकारी के अनुसार गत करीब सप्ताह भर से ज्यादा से इन संयंत्रों में एक हजार एमजीडी से ज्यादा जल शोधन हो रहा था। अधिकारी ने बताया कि हिमाचल से छोड़ा गया पानी हरियाणा होते हुए कल शाम तक दिल्ली पहुंच सकता है। उसके बाद जलापूर्ति व शोधन में और अधिक बढ़ोत्तरी होगी। अधिकारी की मानें तो डीजेबी पूरी तरह से लोगों को साफ सुथरा पीने का पानी पहुंचाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रहा है। पाइप लाइन के अलावा टैंकरों द्वारा लोगों तक पानी पहुंचाने में लगा है।

नीट परीक्षा में घोटाले के लिए केंद्र सरकार जिम्मेदार, सुप्रीम कोर्ट करें जांच : आप

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) ने नीट 2024 परीक्षा में सामने आए घोटाला के लिए भाजपा की केंद्र सरकार को जिम्मेदार बताया है और सुप्रीम कोर्ट से इसकी जांच कराने की अपील की है। 'आप' के वरिष्ठ नेता जस्मीन शाह ने कहा कि नीट परीक्षा के पेपर लीक होने और रिजल्ट में पाई गई अनियमितताएं देश के युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ है। आप सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में एसआईटी से इस घोटाले की जांच कराने और दोषियों को सख्त सजा देने की मांग करती है। उन्होंने कहा कि चौकाने वाली बात ये है कि बिहार, गुजरात और हरियाणा समेत भाजपा व एनडीए शासित राज्यों में ही गड़बड़ी सामने आई है। हरियाणा के झज्जर सेंटर से टॉप 100 में कई छात्र शामिल हैं और ये छात्र दूसरे राज्यों के रहने वाले हैं। नीट परीक्षा में पहली बार एक साथ 67 छात्रों ने टॉप किया है और सबको 720 में से 720 नंबर मिले, जबकि अभी तक दो-तीन छात्र ही टॉपर हुआ करते थे।

पार्षदों की बैठक में संगठन को और मजबूत करने का आप ने लिया निर्णय

नई दिल्ली। लोकसभा चुनाव के नतीजों और भविष्य की रणनीति को लेकर शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) के सभी पार्षदों की बैठक हुई। चुनाव के बाद यह पहली बैठक है, जिसमें पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने चुनाव के परिणामों को लेकर समीक्षा की। एमसीडी प्रभारी दुर्गेश पाठक ने बैठक को लेकर कहा कि आप ने अपने संगठन को जमीनी स्तर पर और मजबूत करने का निर्णय लिया है। साथ ही, पार्टी दिल्ली की जनता के साथ मिलकर संविधान और लोकतंत्र की लड़ाई जारी रखेगी। उन्होंने कहा कि देश की जनता ने मोदी जी की सरकार जरूर बनाई है, लेकिन उनका घमंड पूरी तरह से चूर हो गया है। मोदी सरकार दिल्ली के साथ लगातार अन्याय कर रही है। अब हमें उम्मीद है कि पीएम मोदी मिले जनादेश से सबक लेंगे और दिल्ली के लोगों के छीने गए अधिकार वापस करेंगे।

पारा दो डिग्री लुढ़का, दिल्लीवालों को झेलनी पड़ सकती है धूल भरी आंधी की मार

नई दिल्ली। भीषण गर्मी से मिली राहत शनिवार को भी जारी रही। लेकिन जल्द ही अब दिल्ली वालों को धूलभरी आंधी व भीषण गर्मी की मार झेलनी पड़ सकती है। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार शनिवार को दिल्ली के आसमान पर छाए बादलों ने भीषण गर्मी से राहत देने में मदद की। पारा भी करीब दो डिग्री लुढ़क कर 41.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य से 1 डिग्री ज्यादा है। जबकि न्यूनतम तापमान 30.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ जो इस मौसम के सामान्य से 2 डिग्री ज्यादा है। दिल्ली में कहीं भी पारा 43 डिग्री से अधिक दर्ज नहीं हुआ। आईएमडी ने बताया कि दिल्ली एनसीआर के इलाकों में सोमवार, मंगलवार और बुधवार को लू चलने की प्रबल संभावना बन रही है। इसको लेकर यलो अलर्ट जारी किया गया है। हालांकि अगले 24 घंटे के दौरान धूल भरी आंधी के साथ हल्की बारिश का पूर्वानुमान भी जताया है।

पूर्ण वित्त पोषित 12 कॉलेजों में भी स्थायी सहायक प्रोफेसर की नियुक्ति की प्रक्रिया हो शुरू : फोरम

नई दिल्ली। फोरम ऑफ एकेडेमिक्स फॉर सोशल जस्टिस ने दिल्ली विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर योगेश सिंह को पत्र लिखकर मांग की है कि दिल्ली सरकार से पूर्ण वित्त पोषित 12 कॉलेजों में भी सहायक प्रोफेसर के पदों पर जल्द से जल्द स्थायी नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू कराए ताकि विश्वविद्यालय से एडहॉकइज्म (तदर्थवाद) समाप्त हो और इन कॉलेजों के शिक्षकों में भी स्थायित्व हो। फोरम ने कहा कि दिल्ली सरकार से पूर्ण वित्त पोषित 12 कॉलेजों में अभी तक चार कॉलेज दीनदयाल उपाध्याय कॉलेज, आचार्य नरेंद्रदेव कॉलेज, भाष्कराचार्य कॉलेज ऑफ एप्लाइड साइंस व अदिति महाविद्यालय ने अपने यहां सहायक प्रोफेसर के पदों के विज्ञापन निकाले है बाकी 8 कॉलेजों ने अभी तक शिक्षकों के पदों को भरने संबंधी विज्ञापन न निकाले जाने के कारण वहां पढ़ा रहे एडहॉक टीचर्स में गहरा रोष व्याप्त है। उनका कहना है कि वे पिछले एक दशक से पढ़ा रहे हैं और दिल्ली विश्वविद्यालय के अधिकांश कॉलेजों में 80 फीसदी शिक्षकों के पद भरे जा चुके है लेकिन दिल्ली सरकार ने अभी तक अपने यहां स्थायी सहायक प्रोफेसर के पदों पर नियुक्ति की प्रक्रिया शुरू नहीं की।

डिपो बंद करने के बहाने बेरोजगार करने का लगाया आरोप

क्लस्टर बस कर्मचारियों ने किया प्रदर्शन

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

क्लस्टर बस के कर्मचारियों को डिपो बंद करने के नाम पर निकालने के आरोप लगे है। क्लस्टर बस के कर्मचारी यमुनापार के कई डिपो के बाहर प्रदर्शन कर रहे है। इस मुददे का डीटीसी कर्मचारी एकता यूनियन के अध्यक्ष ललित चौधरी और महामंत्री मनोज शर्मा ने पूरजोर विरोध करते हुए इसे तानाशाही करार दिया है। उन्होंने कहा कि 7 क्लस्टर डिपो में 976 बस बंद कर दी गई है जिनको 19 तारीख को पूर्ण रूप से खत्म कर दिया जाएगा। इन 976 बसों में कई हजार कर्मचारी कार्यरत थे जिनको तत्काल प्रभाव से बेरोजगार किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि एक तरफ तो आम आदमी पार्टी की केजरीवाल सरकार प्रत्येक आम आदमी के साथ खड़ी होने का दावा करती है। वहीं दूसरी तरफ आप युवाओं को बेरोजगार करने में जुटी है। केजरीवाल सरकार रोजगार देने के नाम पर केवल मजाक बना रही है। उन्होंने कहा कि पहले बसों में लगे हजारों सिविल डिफेंस कर्मियों को हटाया, अन्य विभागों में छंटनी की और अब क्लस्टर कर्मियों को बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। उन्होंने आरोप लगाए कि केजरीवाल सरकार अधिकांश सरकारी महकमों को धीरे-धीरे निजीकरण कर रही है। युवाओं को बेरोजगार करने के लिए नई-नई नीतियां अपनाई जा रही हैं। पहले डीटीसी बस सेवा को रणनीति के तहत कम करके क्लस्टर स्कीम को लाया गया। क्लस्टर सेवा में ड्राइवर कंडक्टर प्राइवेट भर्ती किए और दावा किया गया कि 60 प्रतिशत क्लस्टर बसें होगी। जबकि दिल्ली में 40 प्रतिशत डीटीसी की बस होगी। उन्होंने कहा कि लेकिन अब दिल्ली सरकार क्लस्टर स्कीम को खत्म कर इलेक्ट्रिक बसें लाई है। इसमें ड्राइवर प्राइवेट रखे गए ताकि डीटीसी के ड्राइवर बेरोजगार किये जा सके।

शनिवार तड़के हादसे में आधा दर्जन घायल, 16 गाड़ियों ने पाया आग पर काबू

नरेला: दाल फैक्ट्री में लगी आग, तीन लोगों की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी के नरेला औद्योगिक क्षेत्र में एक खाद्य प्रसंस्करण इकाई में शनिवार तड़के आग लगने के बाद विस्फोट होने से तीन श्रमिकों की मौत हो गई जबकि छह अन्य घायल हो गए। दिल्ली पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस ने बताया कि तड़के तीन बजकर 35 मिनट पर सूचना मिली कि मूंग दाल का प्रसंस्करण करने वाली श्याम कृपा फूड्स प्राइवेट लिमिटेड के कारखाने में आग लग गई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि आग कारखाने में फैल गई और कुछ श्रमिक उसमें फंस गए। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि दमकल की 14 गाड़ियों को मौके पर भेजा गया और दोपहर तक आग पर पूरी तरह से काबू पा लिया गया। उन्होंने बताया कि कारखाने की इमारत से नौ लोगों को बचाया गया और उन्हें नरेला के सत्यवादी राजा हरिश्चंद्र अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस अधिकारी ने बताया कि अस्पताल के चिकित्सकों ने इनमें से तीन लोगों श्याम (24), राम सिंह (30) और बीरपाल (42) को मृत घोषित कर दिया, जबकि अन्य का इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि घायलों में शामिल पुष्पेन्द्र (26), आकाश (19), मोहित कुमार (21), रवि कुमार (19), मोनू (25) और लालू (32) का सफदरजंग अस्पताल में इलाज हो रहा है।

कंप्रेसर गर्म होने से हुआ विस्फोट

पुलिस अधिकारी ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि एक पाइपलाइन से गैस का रिसाव होने के चलते आग लगी। मूंग दाल भूनने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले चूल्हे को इस पाइपलाइन के जरिये गैस की आपूर्ति की जाती है। उन्होंने बताया कि आग फैलने के कारण कंप्रेसर गर्म हो गया, जिससे उसमें विस्फोट हो गया। विस्फोट इतना शक्तिशाली था कि कारखाने में एक कमरे की दीवार ढह गयी। पीड़ितों के परिवारों के सदस्यों ने आरोप लगाया कि वे आठ घंटे की पाली के बजाय 12 घंटे काम करते थे, और उन्हें उनके अनुभव के आधार पर 12,000 से 20,000 रुपये प्रति माह मिलते थे। इस कारखाने में करीब 20 कर्मचारी काम करते थे।

परिजनों ने जताया गम

उत्तर प्रदेश के औरैया के रहने वाले राम सिंह के परिवार में उनकी पत्नी और छह साल की एक बेटी है। राम सिंह के रिश्तेदार अवधेश सिंह ने कहा कि परिवार अपने पैतृक गांव में रहता है और पूरी तरह से उन पर निर्भर था। वह महीने में करीब 14,000 रुपये कमाते थे। अब उनके परिवार का ध्यान कौन रखेगा? बीरपाल के बेटे आकाश ने कहा कि वह परिवार का खर्च उठाने में पिता की मदद करने के लिए टैक्सी चलाया करता था। आकाश ने कहा कि मेरा एक छोटा भाई और दो बहनें हैं। वे सभी पढ़ाई कर रहे हैं। मुझे नहीं पता कि अब हम कैसे परिवार का खर्च उठाएंगे। बीरपाल उत्तर प्रदेश के मैनपुरी के रहने वाले थे, लेकिन कारखाने में ही रहते थे। उनका परिवार पश्चिमी दिल्ली के नांगलोई इलाके में रहता है। आकाश ने बताया कि उनके पिता महीने में एक या दो बार उनसे मिलने घर आते थे। श्याम के रिश्तेदार भोला ने कहा कि वह इमारत की पहली मंजिल पर अन्य श्रमिकों के साथ रहता था और भूतल पर काम करता था, जहां सभी मशीनें रखी हुई थीं। हादसे के समय श्याम रात्रिपाली में काम कर रहा था। श्याम उत्तर प्रदेश के कन्नौज का रहने वाला था। पुलिस के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि कारखाने के मालिकों की पहचान रोहिणी निवासी अंकित गुप्ता और विनय गुप्ता के रूप में हुई है। कारखाने से संबंधित दस्तावेज उपलब्ध कराने में विफल रहने पर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह कारखाने 2010 से संचालित थी। बाहरी उत्तरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त रवि कुमार सिंह ने कहा कि इस हादसे के सिलसिले में भारतीय दंड संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि कारखाने के मालिक अग्नि अनापत्ति प्रमाण पत्र प्रस्तुत करने में विफल रहे और ऐसा प्रतीत होता है कि यह उचित सुरक्षा उपायों के बिना चल रही थी।

शाहीन बाग इलाके में चार रेस्त्रां में लगी भीषण आग, पांच दुकानें भी चपेट में आई

शनिवार शाम शाहीन बाग इलाके में भीषण आग लग गई। इसकी शुरुआत बिजली के तारों से हुई, जिसने कुछ ही देर में चार बड़े रेस्त्रां को अपनी चपेट में ले लिया। इन रेस्टोरेंट में ज्वलनशील पदार्थ के अलावा एलपीजी सिलेंडर रखे थे, जो एक-एक फटे तो भगदड़ मच गई। यहां करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। इस घटना में किसी के घायल होने की सूचना नहीं है। मौके पर अभी कूलिंग का काम जारी है। दिल्ली अग्निशमन सेवा के निदेशक अतुल गर्ग ने बताया शाम पांच बजकर 44 मिनट पर इस घटना की सूचना मिली। बताया गया शाहीन बाग के 40 फुटा रोड पर एक रेस्तरां के बाहर बिजली के तार में आग लग गई है। जब तक दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंचीं तब तक कई इमारत आग की चपेट में आ चुकी थीं। मौके पर कुल बीस गाड़ियों ने पहुंच आग पर काबू पाया। वहीं पुलिस का कहना है शाहीन बाग में मशहूर फूड स्ट्रीट 40 फुटा रोड पर जायका और जेहरा रेस्टोरेंट में आग लगी थी। आग ने चार इमारतों को अपनी चपेट में लिया। आग के समय किसी भी रेस्टोरेंट में ग्राहक मौजूद नहीं थे। वहां उस वक्त खाना बनाने की तैयारी चल रही थी। जो स्टाफ था, वो समय रहते बाहर निकल आया। आग की चपेट में चार रेस्टोरेंट और पांच दुकान आई हैं। आग को बढ़ता देख आसपास की बीस इमारतों को पहले ही खाली करवा लिया गया था। कुछ लोग दावा कर रहे हैं बिजली के खंभे में चिंगारी निकलने व एसी में शार्ट सर्किट के बाद आग लगी थी। आग के सही कारणों का पता लगाने के लिए मौके पर जांच जारी है।

बीच सड़क चाकू और चापड़ से वार कर युवक की हत्या

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

नरेला औद्योगिक क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक युवक की बीच सड़क पर चाकू और चापड़ से वारकर हत्या कर दी गई। वारदात को करीब आधा दर्जन लड़कों ने अंजाम दिया। मृतक का नाम सैफ शेख (24) बताया गया है। बताया जाता है कि जब युवक पर हमला किया जा रहा था तब वहां कई लोग मौजूद थे लेकिन सभी तमाशबीन बने रहे कोई भी युवक की जान बचाने के लिए आगे आने की हिम्मत नहीं जुटा सका। पुलिस जल्द हमलावरों की गिरफ्तारी की बात कह रही है।

डीसीपी रवि कुमार सिंह के अनुसार सैफ जेजे कॉलोनी, बवाना में परिवार के साथ रहता था। परिवार में पत्नी शबनम, तीन साल की बेटी, दो भाई और दो बहन हैं। सैफ जामा मस्जिद एरिया में फल विक्रता था। बीती रात वह खाना खाकर टहलने के लिए घर से बाहर निकल गया। डी ब्लॉक में उसे कुछ लड़कों ने घेर लिया और चाकू व चापड़ से हमला कर दिया। उस पर लगभग एक दर्जन वार किए गए। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए माचॅरी भिजवाया है। मृतक के पेट, सीने, गर्दन और शरीर के दूसरे हिस्सों पर वार किए गए थे। इस हमले में सैफ के पेट की आंतें तक बाहर निकल आई थी। पुलिस का दावा है कि सभी आरोपियों की पहचान कर ली गई है। उन्हें जल्द पकड़ लिया जाएगा। सूत्रों का कहना है कि इनका कुछ दिन पहले सैफ से पार्टी के दौरान झगड़ा हुआ था। यह वारदात उसी झगड़े का नतीजा है।

सराय रोहिल्ला : महिला दोस्त से दुर्व्यवहार करने वाले बुजुर्ग को चाकू मारने वाला गिरफ्तार

नई दिल्ली। सराय रोहिल्ला में बुजुर्ग मालिक द्वारा महिला दोस्त से दुर्व्यवहार करना एक युवक को बर्दाश्त नहीं हुआ। उसने बदला लेने के लिए बुजुर्ग के घर पहुंच उन पर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में बुजुर्ग गंभीर रुप से घायल हो गए। उन्हें इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने केस में आरोपी अमित उर्फ अजय (42) को अरेस्ट कर लिया है। डीसीपी मनोज कुमार मीना के अनुसार जीवन माला अस्पताल, न्यू रोहतक रोड से इस घटना की सूचना मिली। बताया गया कि शास्त्री नगर निवासी कांति प्रकाश गर्ग (70) नामक बुजुर्ग को जख्मी हालत में भर्ती कराया गया है। पुलिस पहले अस्पताल और फिर उनके घर पहुंची जहां खून के धब्बे मिले। बयान में गर्ग ने बताया कि एक अनजान व्यक्ति उनके घर पर आया और बिना किसी वजह के उनके पेट पर चाकू मार फरार हो गया। उसने लूट या चोरी का कोई प्रयास भी नहीं किया। घटना को लेकर सराय रोहिल्ला थाने में हत्या की कोशिश का मामला दर्ज किया गया। पुलिस ने घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे चैक किए। आरोपी ने करनाल रोड पहुंच अपना हेलमेट उतार दिया था, जिस कारण उसकी पहचान हो पाई और उसे 6 जून को शास्त्री नगर एरिया से पकड़ लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी ने बताया कि उसकी एक महिला दोस्त गर्ग के घर काम करती है। अक्सर छोटी मोटी गलतियों पर उसके साथ दुर्व्यवहार करता था। यह बात जब उसे पता चली तो उसने बदला लेने के लिए इस वारदात को अंजाम दिया था।

खबर संक्षेप

मालकिन और उसके दोस्त पर पिटाई का आरोप

नई दिल्ली। वसंतकुंज साउथ इलाके में सैलरी मांगने पर नौकर के साथ मारपीट करने और बंधक बनाने का मामला प्रकाश में आया। पिटाई का आरोप मालकिन व उसके दोस्त पर है। शिकायत पर पुलिस ने संबंधित धाराओं के तहत केस दर्ज कर दोनों आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। पुलिस के मुताबिक सात जून को मालिक द्वारा नौकर की पिटाई के संबंध में एक पीसीआर कॉल मिली थी। पुलिस परमेश्वरी अस्पताल पहुंची जहां घायल शैदुल (24) मिला। जयहिंद कैंप मसूदपुर के रहने वाले शैदुल ने बताया कि वह डी 6 कावेरी अपार्टमेंट में कुत्तों की देखभाल करता है। बीमार होने की वजह से वह दो दिन से काम पर नहीं गया था। शुक्रवार को जब वह अपना काम पर पहुंचा और वेतन की मांग मालकिन प्रीति हांडा से तो वह बिफर गई। उस वक्त वह दोस्त निखिल के साथ मौजूद थी। जैसे ही उसने वेतन की मांग की तो उसके साथ न केवल दुर्व्यवहार किया गया बल्कि मारपीट कर घर में बंधक भी बना लिया गया। उनकी पत्नी ने किसी तरह रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन की मदद से उसे रेसक्यू कराया। शनिवार को संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर दोनों आरोपियों को अरेस्ट कर लिया। पीड़ित का आरोपियों के नशे में होने का भी आरोप है।

55 लाख की हेरोइन के साथ दो सप्लायर गिरफ्तार

नई दिल्ली। अपराध शाखा द्वारा अंतर्राष्ट्रीय ड्रग्स कार्टेल का भंडाफोड़ किया है। ड्रग सिंडिकेट के दो विदेशी नागरिक गिरफ्तार किये गये हैं। इनसे अच्छी गुणवत्ता वाली हेरोइन बरामद हुई है। इसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत 55 लाख रुपये आंकी गई है। डीसीपी सतीश कुमार के अनुसार हेरोइन तस्करों की गिरफ्तारी के लिये मैदानगढ़ी में जाल बिछाया गया था। इनके नाम आर्मिड और सलीफ है। दोनों नाइजीरिया के रहने वाले हैं। आरोपी व्यक्तियों के पास से ना ही वैध पासपोर्ट था और न ही वीजा। दोनों अवैध रूप से भारत में रह रहे थे।

चिड़ियाघर में किया जा रहा महत्वपूर्ण परिवर्तन

नई दिल्ली। दिल्ली के राष्ट्रीय प्राणी उद्यान में महत्वपूर्ण परिवर्तन किया जा रहा, जिसका उद्देश्य जंतुओं की नयी प्रजातियों के लिए व्यवस्था करना है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। दिल्ली चिड़ियाघर के नाम से लोकप्रिय यह प्राणी उद्यान ऐतिहासिक पुराने किले के पीछे 176 एकड़ क्षेत्र में स्थित है और 1952 में इसकी स्थापना हुई थी। राष्ट्रीय प्राणी उद्यान के निदेशक संजीव कुमार ने कहा, इस समय काफी कार्य किया जा रहा है। हम उन परियोजनाओं पर काम कर रहे हैं जो चिड़ियाघर को बेहतर बनाएंगी। कुमार ने कहा कि हम आगंतुकों की सुविधा के लिए भी व्यवस्था कर रहे हैं और जानवरों के रहने की जगह को बेहतर बना रहे हैं। हम चिड़ियाघर में नए उपकरण लगाएंगे और कुछ पुराने उपकरणों की मरम्मत करेंगे। अधिकारी ने कहा कि चिड़ियाघर में जंतुओं की कुछ नई प्रजातियों को लाने की योजना बनाई जा रही है लेकिन ऐसा होने से पहले आवश्यक व्यवस्था करनी होगी।

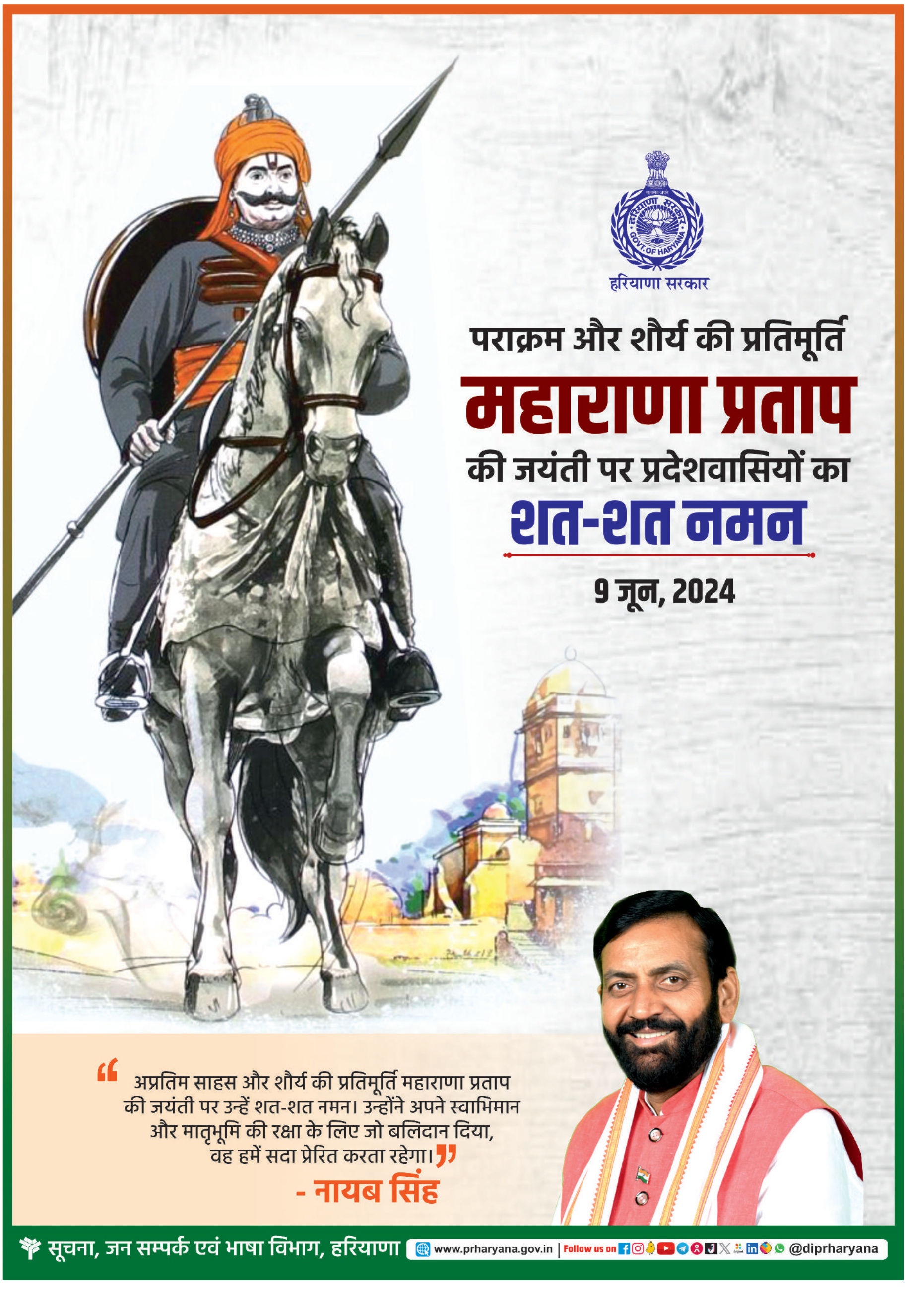

अमीपुर निवासियों ने विधायक राजेश नागर से की राहत की मांग

तिगांव विधानसभा क्षेत्र के गांव सिढौला में चल रही पैमाइश से अमीपुर के रहवासियों पर उजड़ने का खतरा बढ़ा

तिगांव विधानसभा क्षेत्र में आने वाले गांव सिढौला में रिहायशी, पंचायती व अन्य जमीनों की पैमाइश का काम शुरू हुआ तो यहां पंचायत की जमीन पर 100 से अधिक वर्षों से रह रहे अमीपुर के निवासियों पर उजडने का खतरा बढ़ गया है।

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

तिगांव विधानसभा क्षेत्र में आने वाले गांव सिढौला में रिहायशी, पंचायती व अन्य जमीनों की पैमाइश का काम शुरू हुआ तो यहां पंचायत की जमीन पर 100 से अधिक वर्षों से रह रहे अमीपुर के निवासियों पर उजडने का खतरा बढ़ गया है। जिससे राहत की मांग को लेकर यह लोग विधायक राजेश नागर के पास पहुंचे और सरकार से राहत दिलाने की मांग की। गांव अमीपुर की सरदारी ने विधायक राजेश नागर को बताया कि वह लोग कई पीढियों से देश की आजादी से पूर्व से यहां गांव सिढौला में रहते हैं। उनके गांव यमुना के कटाव में आने के बाद अंग्रेज प्रशासन ने उनके यहां रहने की व्यवस्था की थी लेकिन अब गांव सिढौला की जमीनों की पैमाइश के बाद उनके उजडने की आशंका बढ़ रही है। जिसे दूर करवाया जाए।

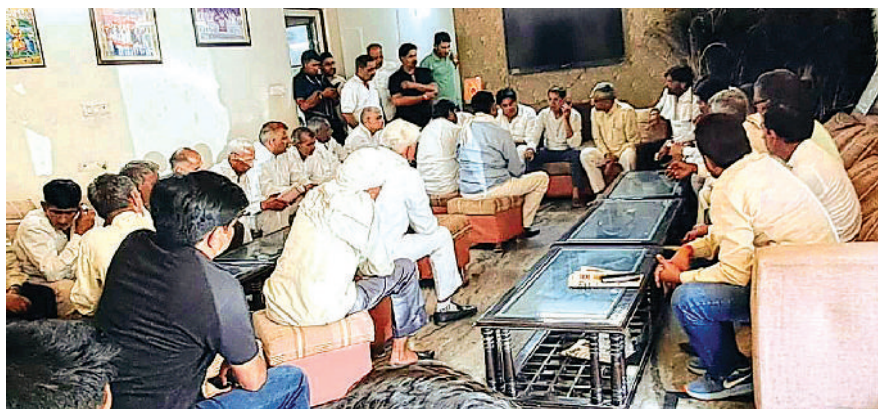

भाजपा सरकार घर, सुरक्षा दिलाने की दिशा में सक्रिय

विधायक राजेश नागर ने कहा कि वह इस मसले को लेकर पहले से सजग हैं और पहले भी इस बारे में सरकार के मुखिया से बात कर चुके हैं। उन्होंने बताया कि वह अंग्रेजी शासन के समय से ही यमुना कटाव में बह चुके गांवों के इस मामले की जानकारी रखते हैं और इसे सुलझवाने के लिए भी सजग हैं। नागर ने कहा कि उनका पूरा प्रयास होगा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के सामने इस बात को पुनः रखकर सभी को राहत दिलवाएं। नागर ने कहा कि भाजपा सरकार सभी को घर, काम, स्वास्थ्य सुविधा और सुरक्षा दिलाने की दिशा में सक्रियता से काम कर रही है। मैं अधिकतम संभव प्रयास करूंगा। इस अवसर पर देविंद्र पाल सरपंच, वेदपाल सरपंच, धर्मवीर सरपंच, सुभाष सरपंच, तेजी प्रधान, नन्दू पंडित, संदीप भाटी पार्षद, सुनील भाटी चेयरमैन, प्रकाश भाटी, जयचंद हवलदार, मवासी, राजेंद्र बाठला, बीर सिंह भाटी, रमेश नागर, छत्तरपाल बीडीसी, दिनेश भाटी व अन्य प्रमुख व्यक्ति मौजूद रहे।

खबर संक्षेप

बड़खल झील में मिला युवक का शव

फरीदाबाद। बड़खल झील में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। वह ऑफिस के लिए निकला था और रास्ते में मेट्रो स्टेशन पर किसी

परिचित को छोड़ना था। शाम को परिजनों के पास उसके झील में डूबने की खबर पहुंची। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है। परिजन हत्या का संदेह जता रहे हैं। मृतक की पहचान बिल्लौच के रहने वाले गुंजन के तौर पर हुई है।

लापता 32 वर्षीय महिला परिजनों के हवाले

फरीदाबाद। अपराध शाखा कैट की टीम ने घर से लापता महिला को तलाश कर परिजनों के हवाले किया है। गुमशुदा महिला जनवरी माह में बिना बताए घर से निकल गई थी। महिला के संबंध में थाना खेड़ी पुल में परिजनों ने शिकायत दी थी। जिस पर कार्रवाई करते हुए पुलिस महिला को कल्याण महाराष्ट्र से तलाश कर फरीदाबाद ले आई।

ब्यूटीशियन को बदमाशों ने मारी दी गोली

गुरुग्राम । द्वारका एक्सप्रेसवे पर पर सेक्टर-102 के नजदीक स्कूटी से जा रही एक ब्यूटीशियन को

गोली मारने का मामला सामने आया है। वारदात देर रात को हुई जब स्कूटी पर सवार होकर ब्यूटीशियन जा रही थी। बाइक से जा रहे दो युवकों ने वारदात को अंजाम दिया और फरार हो गए। मौके पर मौजूद कैब चालकों ने यह घटनाक्रम देखा और घायल को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है।

चोरी की वारदात को अंजाम देने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-85 की टीम ने चोरी के मुकदमें में आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी

अकबर अली को अपराध शाखा टीम ने कबाडे के गोदाम नीमका गांव एरिया से गिरफ्तार किया है। दरसअल आरोपी ने सेक्टर-77 एरिया में निर्माण का काम चल रहे, मकान से शटरिंग की 30 लोहे की प्लेट चोरी करने की वारदात को अंजाम दिया था। जिसका मुकदमा दर्ज है।

गांजा बेचने वाली महिला को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। अपराध शाखा सेक्टर-56 की टीम ने गांजा तस्करी करने वाली महिला को गिरफ्तार किया है। आरोपी

रवीना को अपराध शाखा टीम ने राजीव कॉलोनी सेक्टर-56 से गांजा बेचते हुए काबू किया है। आरोपी की तलाशी लेने पर 310 ग्राम गांजा बरामद हुआ है। उसके खिलाफ थाना सेक्टर-58 में नशा तस्करी की धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी महिला को गिरफ्तार किया गया है।

ट्रायल के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह जनता को करेंगे समर्पित

शिक्षा मंत्री ने स्थानीय नागरिकों से नवनिर्मित 66 केवी सब स्टेशन का बटन दबाकर करवाई शुरुआत

बड़खल विधान सभा क्षेत्र में बिजली की किल्लत को देखते हुए चार नए सबस्टेशन बनाने की मांग रखी गई थी। जिसको स्वीकार करते हुए पूर्व सीएम मनोहर लाल ने बड़खल विधानसभा क्षेत्र में चार नए सबस्टेशन बनाने की मंजूरी दी थी।

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

हरियाणा प्रदेश की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने स्थानीय नागरिकों से नवनिर्मित 66 केवी सब स्टेशन का बटन दबाकर लोकार्पण कराया है।

इस अवसर पर हरियाणा की शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने बताया कि 7 जून 2015 को बडख़ल विधानसभा क्षेत्र के बौद्ध विहार पार्क में हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल के प्रथम आगमन पर आयोजित प्रगति रैली में उन्होंने अपने मांग पत्र में बडख़ल विधान सभा क्षेत्र में बिजली की किल्लत को देखते हुए चार नए सबस्टेशन बनाने की मांग रखी थी।

जिसको स्वीकार करते हुए पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बडख़ल विधानसभा क्षेत्र में चार नए सबस्टेशन जिसमें सेक्टर-46, 21 डी, ग्रीन फील्ड कॉलोनी एवं सूरजकुंड में 66 केवी के चार नए सबस्टेशन बनाने की स्वकृति प्रदान करते हुए अधिकारियो को निर्देश जारी किए थे।

शिक्षा मंत्री सीमा त्रिखा ने स्थानीय सांसद कृष्णपाल गुर्जर का सहयोग के लिए धन्यवाद व्यक्त करते हुए कहा कि सेक्टर.46 के सबस्टेशन का निर्माण पूरा होने के साथ ही यह सब स्टेशन शनिवार से ही जनता को समर्पित कर दिया गया था। इसी क्रम में सेक्टर-21 डी स्थित नवनिर्मित सबस्टेशन को ट्रायल के तौर पर अगले एक महीने के लिए चालू कर दिया गया है।

खास बातें

- 22 करोड़ 50 लाख की लागत से निर्मित सबस्टेशन
- बड़खल में बिजली आपूर्ति की कमी नहीं रहेगी

बिजली कट से मुक्ति दिलाने सांसद कृष्णपाल गुर्जर ने किया सहयोग

इस अवसर पर मुख्य रूप से सतेंद्र पांडेय, कर्मवीर बैंसला, जेपी शर्मा, संजय शुक्ला, राकेश खन्ना, विशाल सचदेवा, पंकज सिवाल, शालिनी मंगला, अशोक नेहरा, गजराज नागर, विनोद मलिक, सुभाष चंद्र सरीन, मुरारी लाल गर्ग, सुशील सेतिया, कपिल शर्मा, हरीश गोला, दिनेश चौहान, सुदर्शन गांधी, मनोज पांडे, मुकेश सोनी, हरियाणा विद्युत प्रसारण निगम के अधीक्षण अभियन्ता अतुल अग्रवाल, कार्यकारी अभियंता दीपक गर्ग, सब डिविजनल अभियंता जसप्रीत गुलाटी, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम से अधीक्षक अभियंता नरेश कक्कड़, कार्यकारी अभियंता कुलविंदर सिंह, सबडिविजनल अभियंता अद्यानन्द तिवारी एवं राहुल उपस्थित थे।

बार-बार बिजली कट से मिलेगी निजात

शिक्षा मंत्री ने बताया कि लगभग 22 करोड़ 50 लाख की लागत से निर्मित सबस्टेशन को एक महीने ट्रायल के बाद मुख्यमंत्री नायब सिंह जनता को समर्पित करेंगे।उन्होंने आगे बताया कि इस नवनिर्मित सबस्टेशन के बनने से एनएच-1, 2, 3, 4, 5, गांव बड़ख़ल, अनखीर, एसजीएम नगर, सेक्टर-21 ए, बी, सी, डी, सेक्टर-48, सेक्टर-46, गांधी कॉलोनी, फतेहपुर चंदीला आदि क्षेत्रों को लाभ मिलेगा। इस नवनिर्मित सबस्टेशन के चालू होने के पश्चात बडख़ल विधानसभा क्षेत्र में बिजली आपूर्ति में सुधार होने के साथ ही बार-बार लगने वाले बिजली कटों से भी निजात मिलेगी। सीमा त्रिखा ने बताया कि इस नए सब स्टेशन के साथ ही ग्रीनफील्ड कॉलोनी और सूरजकुंड क्षेत्र में बनने वाले सबस्टेशनों का निर्माण कार्य बहुत तेजी से चल रहा है। इन दोनों सब स्टेशनों के पूर्ण होने के साथ ही बडख़ल विधानसभा में बिजली आपूर्ति की कोई कमी नहीं रहेगी।

प्राधिकरण की ओर से विशेष अभियान

अवैध निर्माण पर रोक के साथ चेतावनी, जीडीए ने बोर्ड लगवाए

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स की अवैध निर्माण पर सख्ती के बाद विशेषधिकारी कनिका कौशिक ने जोन एक व दो का औचक निरीक्षण किया और अवैध निर्माण रुकवाए। इतना ही नहीं उन्होंने साइट पर चेतावनी बोर्ड भी लगवाए।

बोर्ड में लिखा गया कि इन कॉलोनियों में भूखण्ड/भवन क्रय-विक्रय न करें

प्रवर्तन प्रभारी कनिका कौशिक ने प्रवर्तन जोन-1 व 2 में उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 के अन्तर्गत अवैध निर्माण पर अंकुश लगाने के लिए निगरानी रखे जाने के क्रम में निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान प्रवर्तन जोन-1 के अन्तर्गत ग्राम-मोरटा व मोरटी के विभिन्न खसरों में अवैध रूप से निर्मित की जा रही कॉलोनियों में मौके पर निर्माण कार्य बन्द पाया गया। साथ ही एक दो जगह रुकवाया भी। जनसामान्य को जागरूक/सचेत किए जाने के उददेश्य से अवैध निर्माण स्थलों पर चेतावनी बोर्ड भी लगवा दिया गया। बोर्ड में लिखा गया कि इन कॉलोनियों में भूखण्ड/भवन क्रय-विक्रय न करें एवं उक्त कॉलोनियां पूर्ण रूप से अवैध हैं तथा इनमें विकसित सड़क, पार्क, भवन आदि का प्राधिकरण द्वारा विशेष अभियान चलाकर ध्वस्तीकरण की कार्यवाही की जायेगी।

मानचित्र स्वीकृत के अनुसार ही करें निर्माण

उन्होंने निर्देश दिए कि स्थल पर कोई अवैध निर्माण न होने पाए। निर्माणकर्ता/विकासकर्ता गाजियाबाद विकास प्राधिकरण क्षेत्रान्तर्गत भूमि पर विधिवत मानचित्र स्वीकृत के अनुसार ही निर्माण करे, जो प्राधिकरण द्वारा लगातार अवैध निर्माण के विरूद्ध विधिसम्मत कार्यवाहियां जारी रहेंगी। इसके साथ ही आम जनमानस को भी सचेत किया कि किसी भी वादग्रस्त विवादित निर्माण में भूखण्डों/भवनों का क्रय-विक्रय न करें। जीडीए ने इन्दिरापुरम योजनान्तर्गत कई नालों एवं सीवर सफाई का कार्य कराया गया। जिसमें मुख्यतः वैभवखण्ड के नजदीक बंद पड़े नाले की सफाई कराकर नाले को पुनः संचालित किया गया तथा अन्य स्थलों पर भी नाले एवं सीवर सफाई का कार्य कराया गया। इसके इल अतिक्ति साया गोल्ड अपार्टमेन्ट के पास स्थित सीवर लाइन का निरीक्षण किया गया।

पुलिस ने जाम खुलवाने का किया प्रयास

करंट से किसान की मौत,गुस्साए ग्रामीणों ने किया सड़क जाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ गाजियाबाद

ट्रॉनिका सिटी थाना क्षेत्र मंडोला गांव में खेत से घर आ रहे युवक को करंट लगने के कारण देवेन्द्र उर्फ पानू उम्र 50वर्ष पुत्र जमीत की मौत हो गई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने बागपत लोनी मार्ग को जाम कर दिया। आंदोलन कर रहे लोग मुआवजे के साथ ही जर्जर तार को बदलने की मांग कर रहे थे। लोनी एसडीएम निखिल चक्रवर्ती एसीपी अंकुर विहार भास्कर वर्मा एसीपी लोनी सूर्यबली मौर्य दलबल के साथ वहां पहुंचे और जाम हटाने का प्रयास किया। लेकिन वे लोग नहीं माने।

अधिकारियों के आश्वासन के बाद जाम खुला

सड़क जाम कर रहे लोग विद्युत विभाग के अधिकारीयों को बुलाने की मांग पर अड़े रहे। अधिकारियों के आश्वासन के बाद जाम हटाया गया। लेकिन कुछ देर के बाद पुनः भारी संख्या में ग्रामीण मार्ग पर पहुंचे दोनों तरफ से मार्ग जाम कर दिया। ग्रामीणों का कहना था कि अधिकारियो की लापरवाही व जर्जर तार के कारण ही बराबर घटना घटती रहती है।

दोस्त ने कहा -टास्क पूरा किया

पाकिस्तान से आया कॉल और युवक ने लगा ली फांसी, पत्नी गई थीं मायके

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

डबुआ थाना अंतर्गत गांव नवादा से एक हैरतअंगेज मामला सामने आया है। यहां पर

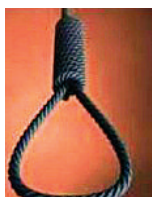

एक 35 वर्षीय युवक ने पाकिस्तान से आए व्हाट्सएप नंबर पर बात करते समय फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। उसका शव नवादा गांव स्थित अपने घर में लटकता मिला। पुलिस मामले में छानबीन कर रही है। अमित ने बताया कि नवादा गांव निवासी अरुण उसका दोस्त था। उसकी पत्नी दो बेटियों को लेकर छुट्टियां मनाने मायके गई थी। अरुण व्हाट्सएप कॉलिंग पर बात किया करता था, लेकिन कभी उसने किसी को नहीं बताया कि वह किससे बात करता था। अमित ने बताया की बीती रात भी अरुण लगभग 11 बजे उसके ऑफिस से ही निकला था।

मोबाइल से चैट डिलीट

अमित ने बताया कि बीती रात हुए वॉट्सऐप पर पहले के चैट अरुण के मोबाइल से डिलीट पाए गए हैं। सुबह लगभग 4 बजे के आस पास जब अरुण की मां ने उसके कमरे में देखा तो वह फंदे पर लटका हुआ था। इसके बाद उन्होंने आस पास के लोगों को इसकी सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बादशाह खान सिविल अस्पताल की मोर्चरी में भिजवा दिया। वहीं अमित ने बताया कि घटना की सूचना उसे भी मिली थी।

सफाईकर्मी से आरोपी से मोबाइल नं. हासिल किया था

हनी ट्रैप के मामले में अपराध शाखा ऊंचा गांव की टीम ने महिला आरोपी को किया गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ फरीदाबाद

अपराध शाखा उंचा गांव की टीम ने हनी ट्रैप के मामले में महिला आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस प्रवक्ता ने मामले में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि फरीदाबाद निवासी शिकायतकर्ता दिनेश ने अपनी शिकायत में बताया कि वह लखानी शो रूम में बतौर सहायक के पद पर पिछले 10 सालों से कार्य कर रहा हूं। शिकायतकर्ता लखानी कंपनी के द्वारा विश्वास नगर नई दिल्ली में खोले गए शो रूम ओपनिंग की जिम्मेदारी कंपनी द्वारा शिकायतकर्ता को दी गई थी। वहां सफाई कर्मी से आरोपी महिला ने शिकायतकर्ता का नंबर लिया। जिसके बाद वर्ष 2019 जनवरी माह में दिल्ली निवासी आरोपी महिला के शिकायतकर्ता पर फोन आने लगे। जिसके बाद आरोपी महिला ने शिकायतकर्ता से मिलने की इच्छा जताई और वह एस्कोर्ट मुजेसर मैट्रो स्टेशन फरीदाबाद आ गई।

महिला ने शिकायतकर्ता से पैसे की मांग की थी

उसके बाद आरोपी महिला शिकायतकर्ता को होटल में ले गई, दोनों कमरे में चले गए और आरोपी महिला ने कमरे में जाकर शिकायतकर्ता से अवैध संबंध बनाने के लिए कहा और शिकायतर्ता के मना करने पर आरोपी महिला ने कहा कि वह शोर मचाएगी और पुलिस को बुलाएगी और उसके खिलाफ दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराएगी। आरोपी महिला ने शिकायतकर्ता से पैसे की मांग की। जिसके लिए करीब 5-6 लाख रुपए अभी तक ऐंठ चुकी है। अभी हाल में आरोपी महिला ने 3.5 लाख रुपए की मांग की थी। अभी आरोपी महिला पैसे लेने के लिए फरीदाबाद आई थी। जो महिला शिकायतकर्ता से 50000 रुपए लेने के लिए आई थी। जिसको मौके एस्कोर्ट मुजेसर मैट्रो स्टेशन से काबू कर अपराध शाखा टीम ने 50000 रुपए बरामद किए है। आरोपी महिला को पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है।

गुरु केएन दक्षिणमूर्ति की याद में आयोजित रिदम्स ऑफ रेवरेंस में भरतनाट्यम की प्रस्तुति

हरिभूमि न्यूज ⏭ गुरुग्राम

गुरु केएन दक्षिणमूर्ति की याद में आयाम के विद्यार्थियों ने मंडी हाउस स्थित एलटीजी सभागार में 'रिदम्स ऑफ रेवरेंस' कार्यक्रम का आयोजन किया। जिसमें भरतनाट्यम की सुंदर प्रस्तुतियां हुई, जिसे आयाम की वर्तमान गुरु सिंधु मिश्रा ने कोरियोग्राफ किया। गुरु सिंधु मिश्रा ने बताया कि यह कार्यक्रम आयाम के विद्यार्थियों के माता-पिता को भी समर्पित है। जिनका अटूट समर्थन और प्रोत्साहन हमें नई ऊंचाइयों को छूने के लिए प्रेरित करता है।

गुरु की पूजा राग बाउली से हुई शुरुआत

कार्यक्रम की शरुआत भगवान श्री गणेश की पुष्पांजलि से हुई। इसमें देवों में प्रथम पूज्य श्रीगणेश और गुरु की पूजा राग बाउली एवं ताल में की गई। जिसे मंच पर उषा चौहान, नंदिनी नाग, निधि जोशी, चार्वी जोशी, सोनल, त्रिसरोटा, हनीशा दुआ, रूपा कुमारी, रिद्धिमा सैनी, वैशाली, अचिंता रॉय, अनन्या बिस्वास ने सुंदर नृत्य के जरिये लयबद्ध किया। उनका साथ देने के लिए जी एलंगोवन ने गायन के अलावे संगीत भी दिया। फिर राग तलंग में अरुंधति चक्रवर्ती गुरु स्तुति के जरिये मीरा का चित्रण किया, जो अपने आराध्य भगवान श्रीकृष्ण से एक गुरु की मांग कर रही हैं जो उसे शाश्वत श्रीकृष्ण तक पहुंचने का मार्ग प्रशस्त करेगा। इसके बाद तनुषा त्यागी, अरुंधति चक्रवर्ती एवं ऐशाने भार्गव ने राग नट्टई और ताल चतुस्र जाति में अलारिप्पु (खिलता हआ फूल) पर नृत्य की प्रस्तुति दी।

दर्शकों ने माता सीता व भगवान राम का प्रथम मिलन देखा

फिर आयाम के कुशल नर्तकों ने तुलसीदासकृत रामचरित मानस के प्रभु श्रीराम चंद्र पर एक भजन के जरिए राग सिंधु भैरवी एवं आदि ताल पर भरतनाट्यम की सुंदर प्रस्तुति दी। दर्शक अभी रामचंद्र को याद ही कर रहे थे कि अरुणाचल राय द्वारा रचित एवं राग भैरवी तथा ताल आदि में पद यारो इवर यारो (वह कौन है) पर गायन एवं नृत्य की प्रस्तुति हुई, जिसमें दर्शकों ने माता सीता एवं भगवान का राम का प्रथम मिलन देखा। इसके बाद दर्शकों को व्यास तीर्थ सुधा रघुरामन द्वारा रचित एवं राग यमन कल्याणी तथा ताल मिश्रा चप्पू पर आधारित पद कृष्णा नी बेगाने बारो (कृष्णा! जल्दी आओ) पर नृत्य देखने को मिला, जिसमें माता यशोदा के मन में श्रीकृष्ण की रक्षा की चिंता को बड़े मधुर भाव में दर्शाया गया कि माता यशोदा उन श्रीकृष्ण की चिंता कर रही हैं, जो संपूर्ण चराचर जगत के रक्षक हैं। इसके बाद श्रुति वर्मा एवं रिया गुप्ता ने राग वसंत तथा ताल खंड चप्पू पर शिव के आनंदमय नृत्य नतनम आदिनार पर मनोभावन प्रस्तुति दी। अंत में, रिया गुप्ता, ईशा अग्रवाल, तनुषा त्यागी, श्रुति वर्मा, शताक्षी गुप्ता ने राग मधुवंती तथा ताल आदि पर आधारित कर्नाटक संगीत थिलाना पर प्रस्तुति दी।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C. देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **अदिति पत्नी** कुणाल शर्मा, **पता:** सी–5/335 दूसरी मंजिल सेक्टर 16 रोहिणी दिल्ली, ने **FIR No. 105/21, U/s 188 IPC थाना: राजौरी गार्डन,** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है), और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी के वारण्ट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अदिति,** मिल नहीं रहा हैं और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **अदिति,** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा हैं)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 105/21, U/s 188 IPC थाना: राजौरी गार्डन,** के उक्त अभियुक्त **अदिति,** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **13.08.2024** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री शशांक नंदन भट्ट
एलडी. एमएम कमरा नंबर 356
तीस हजारी कोर्ट दिल्ली

DP/6643/WD/2024-
(Court Matter)

खबर संक्षेप

न्यायमूर्ति चंदेल बने हाईकोर्ट के न्यायाधीश

पटना। न्यायमूर्ति अरविंद सिंह चंदेल ने शनिवार को पटना उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। बिहार के राज्यपाल राजेंद्र विश्वनाथ आर्लेकर ने यहां राजभवन में आयोजित एक समारोह के दौरान न्यायमूर्ति चंदेल को शपथ दिलाई। इस मौके पर कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद थे। न्यायमूर्ति चंदेल को 29 मई को छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय से पटना उच्च न्यायालय स्थानांतरित किया गया था।

लू की चपेट में आने से दो लोगों की मौत

औरंगाबाद। शनिवार को चिलचिलाती धूप और लू की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। दोनों मृतकों के परिजनों का कहना है कि जब उन्हें अस्पताल लाया गया तब चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। स्थानीय जन प्रतिनिधि ने मुआवजा की मांग की है।

औरंगाबाद जिले में एक बार फिर भीषण गर्मी का प्रकोप है। यहां शनिवार को चिलचिलाती धूप और लू की चपेट में आने से दो लोगों की मौत हो गई। मृतकों में औरंबाद मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के पकहा गांव निवासी सुरेश यादव (50) और मदनपुर प्रखंड के सलैया थाना क्षेत्र के उद्यम बिगहा गांव निवासी सहेंद्र यादव (45) शामिल हैं। दोनों मृतकों के परिजनों ने लू की चपेट में आने से मौत होने की आशंका जताई है।

इन्वर्टर और बैटरी चोरी करने वाला गिरफ्तार

अयोध्या। थाना कैंट पुलिस, स्वाट टीम व सर्विलांस सेल ने एक शातिर चोर को गिरफ्तार किया है। उस पर 2019 में खंडासा थाने में हत्या का मुकदमा दर्ज है। उस पर चोरी के 18 मुकदमे जिले में पंजीकृत है। 2022 में इस पर गैंगेस्टर एक्ट के तहत कार्रवाई भी की जा चुकी है। एएसपी अरूण सिंह ने बताया कि आरोपी सूरज पासी पुत्र रमेश कुमार निवासी ग्राम लखौरी थाना रौनाही जनपद अयोध्या उम्र 22 वर्ष को स्कूटी में एक बैट्री व एक इन्वर्टर के साथ चुंगी चौराहे के पास से गिरफ्तार किया।

लखनऊ एयरपोर्ट पर बड़ा बदलाव

नए टर्मिनल-3 से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन हो गया शुरू
वाराणसी में जल्द शुरू होगा देश का पहला अर्बन ट्रांसपोर्ट रोप-वे

एजेंसी ⏭ लखनऊ/वाराणसी

यूपी के दो बड़े शहरों लखनऊ और वाराणसी की जनता को दो बड़े बदलाव देखने को मिलेंगे। लखनऊ एयरपोर्ट के टर्मिनल-3 से अंतराष्ट्रीय उड़ानों की शुरूआत हो चुकी है। वहीं, दूसरी ओर वाराणसी में इस देव दीपावली से दुनिया का तीसरा और भारत का पहला अर्बन ट्रांसपोर्ट रोप-वे शुरू होने जा रहा है। रोप-वे के संचालन से 40 मिनट का सफर 15 मिनट में पूरा होगा।

लखनऊ के चौधरी चरण सिंह अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर विदेशी उड़ानों के संचालन में बदलाव किया गया है। घरेलू उड़ानों के बाद अब अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के यात्रियों की आवाजाही भी अब नए टर्मिनल-3 से होगी। शुक्रवार, सुबह छह बजे से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन नए टर्मिनल से शुरू हो गया। थाई एयर एशिया, इंडिगो, एयर इंडिया एक्सप्रेस, सऊदिया एयरलाइंस, ओमान एयर, फ्लाईनास, सलाम एयर और फ्लाई दुबई नए टर्मिनल से अपना संचालन शुरू करेंगे। इसके पूर्व 31 मार्च को घरेलू उड़ानों के लिए नए टर्मिनल-3 से परिचालन शुरू किया गया था। अभी तक अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का परिचालन पुराने टर्मिनल-1 से ही किया जा रहा था।

खास बातें

- 31 मार्च को घरेलू उड़ानों के लिए टर्मिनल-3 शुरू हुआ था
- 8 एयरलाइन्स भरेंगी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें
- टर्मिनल-3 से 13 हजार से अधिक लोगों को मिलेगा रोजगार

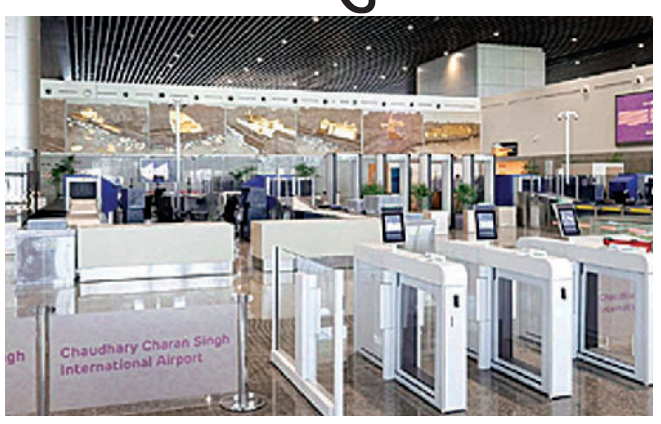

1.3 करोड़ होगी यात्रियों की क्षमता

एयरपोर्ट प्रशासन ने बताया कि नए टर्मिनल के फेज-1 को 2400 रुपए की लागत से तैयार किया गया है। इसकी क्षमता 80 लाख सालाना यात्रियों की है। फेज-2 पूरा होने के बाद यह 1.3 करोड़ सालाना हो जाएगी। नया टर्मिनल-3 13,000 से अधिक लोगों को रोजगार प्रदान करेगा।

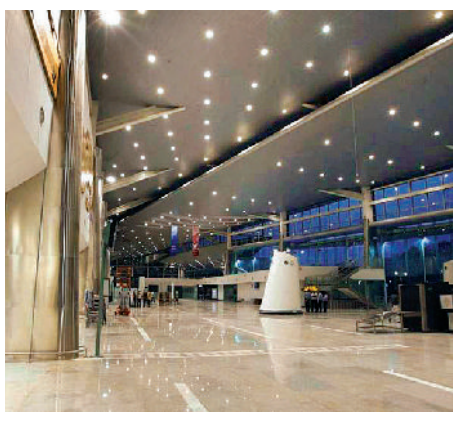

तैनात किए गए सुरक्षा गार्ड

नए टर्मिनल तक पहुंचने में कोई दिक्कत न होने पाए, इसके लिए जगह-जगह सुरक्षा गार्ड तैनात किए गए हैं। साथ ही साइनेज भी लगाए गए हैं ताकि यात्रियों या उनको लेने-छोड़ने आने वालों को कोई दिक्कत न होने पाए।

देव दीपावली पर कर सकेंगे आसमानी सवारी

बोलीविया देश के लोपाज और मैक्सिको के बाद दुनिया का तीसरा और भारत का पहला अर्बन ट्रांसपोर्ट रोप-वे देव दीपावली से शुरू होने जा रहा है। पहले चरण में कैंट रेलवे स्टेशन से रथयात्रा तक की सुगम यात्रा के लिए रोपवे का संचालन होगा। 40 मिनट का सफर अब रोप वे से 15 मिनट में पूरा होगा। स्विटजरलैंड की कम्पनी बर्थोलेट निर्माण करा रही है। स्विटजरलैंड से आये उपकरण लगने भी लगे हैं। सिटी रोपवे के संचालन से सुगम यातायात के लिए शहरवासियों को एक नया विकल्प मिलेगा।

16 टावरों पर तेजी से चल रहा है काम

नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक प्राइवेट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश गौड़ ने बताया कि कोशिश है कि देव दीपावली तक रोपवे का संचालन शुरू हो जाए और काशी आने वाले पर्यटकों को प्रदूषण रहित परिवहन की अच्छी सुविधा मिल सके। विद्यापीठ स्टेशन पर एंकर बोल्ट स्थापित हो गया है। इसके अलावा कई एक्सेलरेशन व डी एक्सेलरेशन कन्वेयर भी स्थापित हो गए हैं। अब जल्द ही रोप लगाने का काम शुरू होगा। वाराणसी जंक्शन रेलवे स्टेशन से रथयात्रा तक कुल दो टावर इंस्टॉल हो चुके है। 16 टावर पर तेजी से काम चल रहा है।

जल्द ही होगा ट्रायल रन

शहर में ट्रैफिक की समस्या को देखते हुए कैंट से गोदौलिया चौराहे तक 807 करोड़ से रोपवे निर्माण के लिए गत वर्ष शिलान्यास किया गया था। कैंट, विद्यापीठ और रथयात्रा पर काम तेजी से चल रहा है। ढांचागत निर्माण लगभग 80 फीसदी पूरा हो चुका है। स्टेशन और टावर लगाए जा रहे हैं। जल्द ही रोपवे का ट्रायल रन होगा। उसके बाद इसे लोगों के लिए शुरू किया जएगा।

हर डेढ़ से दो मिनट में मिलेगा गंडोला

रोपवे का गंडोला हर डेढ़ से दो मिनट के अंतराल में यात्रियों को उपलब्ध रहेगी। एक दिशा में एक घंटे में 3000 लोग यात्रा कर सकेंगे यानी दोनों दिशाओं में एक घंटे में छह हजार यात्रियों का आवागमन होगा। गोदौलिया से कैंट रेलवे स्टेशन पहुंचने में लगभग 16 मिनट लगेगा। 45 से 50 मीटर की अनुमानित ऊंचाई से करीब 150 ट्रॉली कार चलेगी। एक ट्रॉली में 10 यात्री सवार हो सकते है। रोपवे का संचालन 16 घंटे होगा।

सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंत्रिमंडल की बैठक में सख्त तेवर के साथ मंत्रियों को दिए निर्देश

जनता के बीच जाएं, उनकी समस्याएं सुने और समाधान करें, सरकार लोगों के लिए

एजेंसी ⏭ लखनऊ

लोकसभा नतीजों के बाद सीएम योगी ने शनिवार को पहली बार मंत्रियों के साथ बैठक की। इस बैठक में सभी मंत्री शामिल हुए पर डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक उपस्थित नहीं थे। बैठक में सीएम योगी ने मंत्रियों के साथ उम्मीद के अनुरूप चुनाव नतीजे नहीं आने की समीक्षा भी की। सख्त तेवर में उन्होंने मंत्रियों से कहा कि सभी जनता के बीच जाएं। इसके साथ ही काम में तेजी लाई जाए। हर मंत्री अपने विभाग की कार्य योजना बना कर दे। योगी ने प्रभार वाले मंत्रियों को जिलों मे जाकर समीक्षा करने को कहा। योगी ने सांसद बने मंत्रियों और विधायकों को बधाई दी।

खास बातें

- हर मंत्री विभाग की कार्य योजना बनाएं
- प्रभारी मंत्री जिलों में जाकर समीक्षा करें
- बजट आवंटन और खर्चों की समीक्षा करें

सीएम योगी आदित्यनाथ ने मंत्रिमंडल की बैठक में मंत्रियों को सख्त हिदायत देते हुए उन्हें जनता के बीच जाने के निर्देश दिए। योगी ने कहा कि केंद्र और राज्य सरकार की उपलब्धियों का सोशल मीडिया पर व्यापक प्रचार-प्रसार करें।

प्रदेश की अर्थव्यवस्था एक ट्रिलियन बनाने का लक्ष्य

प्रदेश की अर्थव्यवस्था को एक ट्रिलियन की बनाने का लक्ष्य हर विभाग का है। कार्ययोजना के अनुरूप मंत्रीगण समीक्षा करें। शीघ्र ही पुनः क्षेत्रीय दौरों पर जाएं। सीएम ने कहा कि मंत्रीगण बजट आवंटन और खर्च की समीक्षा करें और परियोजनाओं की समयबद्धता और गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखें। उन्होंने पौधारोपण, स्कूल चलो अभियान और संचारी रोग नियंत्रण के प्रयासों को सफल बनाने के भी निर्देश दिए।

सरकार जनता के लिए

सीएम योगी ने मंत्रियों को जनता के बीच जाने, उनकी समस्याएं सुनने और उन्हें सुलझाने के निर्देश दिए। सीएम योगी ने कहा कि सरकार जनता के लिए है। मंत्री लोग जनता के बीच जाएं। हमें वीआईपी कल्चर स्वीकार नहीं है। जनता के साथ संवाद, समन्वय और संवेदनशीलता की नीति अपनाएं।

पीड़ितों को हर हाल में न्याय मिले

इससे पहले पहले योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह ही अपने सरकारी आवास पर 'जनता दर्शन' में पहुंचे प्रत्येक पीड़ितों से मुलाकात की। जनता दर्शन में पहुंचे आमजनों से मिलकर सीएम ने उनकी समस्याओं को सुना, फिर संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पीड़ितों को हर हाल में न्याय मिले। किसी भी स्तर पर कोताही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। जनता दर्शन में उपचार के लिए आर्थिक सहायता के प्रार्थना पत्र भी आए, जिस पर सीएम ने अफसरों से कहा कि संबंधित जनपदों में कागजी कार्रवाई कर मरीजों को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए। युवाओं की भी समस्याओं से सीएम को रूबरू हुए।

संसदीय दल की बैठक में बोले अखिलेश

लोकसभा चुनाव में जनता से जुड़े मुद्दों की जीत हुई

एजेंसी ⏭ लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और यूपी के पूर्व सीएम अखिलेश यादव ने शनिवार को कहा कि हाल ही में संपन्न हुए लोकसभा चुनाव में नकारात्मक राजनीति खत्म हो गई और सकारात्मक राजनीति का दौर शुरू होने के साथ ही जनता से जुड़े मुद्दों की जीत हुई है। वे लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में संवाददाताओं से चर्चा कर रहे थे। बैठक में अखिलेश यादव के साथ पार्टी के वरिष्ठ नेता शिवपाल सिंह यादव और रामगोपाल यादव भी मौजूद रहे।

सपा का यूपी में प्रदर्शन ऐतिहासिक

इससे एक दिन पहले शुक्रवार को अखिलेश ने सांसद व विधायकों के साथ बैठक की। बैठक में अखिलेश ने सपा सांसदों को लोकसभा में और विधायकों को यूपी विधानसभा में जनता के मुद्दों को मुखरता से रखने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में सपा ने यूपी में अकेले 37 सीटों पर और कांग्रेस के साथ मिलकर 43 सीटें जीती। यह प्रदर्शन सपा के लिए ऐतिहासिक है और बड़ी सफलता के रूप में देखा जा रहा है। हार गए प्रत्याशियों ने जूझारूपन दिखाया है।

सेवा ही हम सबका सर्वप्रथम कर्तव्य

अखिलेश ने कहा कि जिम्मेदारी के इस नए अहसास के साथ उप के इंडिया गठबंधन के समस्त 'मत निर्वाचित'-नव निर्वाचित सांसदों को बधाई और जनसेवा व सामाजिक न्याय के मिशन के संकल्प के साथ पीडीए परिवार को और भी मजबूत करके संविधान-लोकतंत्र-आरक्षण की रक्षा-सुरक्षा के लिए निरंतर आगे बढ़ते रहने के लिए अनंत शुभकामनाएं! उन्होंने कहा कि सदैव याद रखें हर शोषित, पीड़ित, वंचित की सेवा ही हम सबका सर्वप्रथम कर्तव्य है।

पेज एक का शेष

मालदीव, बांग्लादेश...

श्रीलंका, बांग्लादेश, सेशेल्स, नेपाल, भूटान और मॉरीशस जैसे भारत के सात पड़ोसी देशों के राष्ट्राध्यक्ष इस समारोह में शिरकत करेंगे। इन सभी राष्ट्रप्रमुखों ने आधिकारिक रूप से समारोह को लेकर भारत द्वारा भेजे गए निमंत्रण पत्र को स्वीकार किया है। बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए शनिवार को नई दिल्ली पहुंची। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर एक पोस्ट में कहा कि पीएम और मंत्रिपरिषद के शपथ ग्रहण समारोह के लिए पहले विशिष्ट अतिथि का नई दिल्ली में आगमन। बांग्लादेश की पीएम शेख हसीना का नई दिल्ली पहुंचने पर सचिव (सीपीवी एवं ओआईए) मुकतेश परदेशी ने गर्मजोशी से स्वागत किया। हमारे सबसे मूल्यावान साझेदारों में से एक की यह यात्रा मित्रता के घनिष्ठ एवं गहन संबंधों को और मजबूत करेगी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने बीते शुक्रवार को नरेंद्र मोदी को लोकसभा चुनाव में एनडीए को मिली जीत के बाद सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। साथ ही उन्होंने मोदी को पीएम पद के लिए मनोनीत भी किया। इस बार आम चुनावों में न केवल एनडीए ने जीत का स्वाद चखा। बल्कि विपक्षी भारतीय राष्ट्रीय विकासात्मक समावेशी गठबंधन (इंडिया) ने उम्मीदों से बेहतर प्रदर्शन किया है।

पड़ोस पहले, सागर विजन को लेकर झलकी प्रतिबद्धता: मंत्रालय ने बताया कि शपथ ग्रहण समारोह में सात देशों के राष्ट्राध्यक्षों का शामिल होना भारत की पड़ोस सबसे पहले और सागर विजन से जुड़ी हुई प्रतिबद्धता को लेकर बनी हुई सर्वोच्च प्राथमिकता को प्रदर्शित करता है।

मुइज्जू पर टिकी...

डॉ. मुइज्जू की हो रही है। जिन्हें चर्चित वैश्विक अवधारणा के हिसाब से चीन का खुला समर्थक माना जाता है। मोदी सरकार के तीसरे शपथ ग्रहण समारोह के दौरान वह अपनी पहली आधिकारिक भारत यात्रा पर आएंगे। मीडिया में जारी खबरों की माने तो मुइज्जू के कार्यालय ने अभी तक भारत यात्रा की पुष्टि नहीं की है। हालांकि बुधवार को मालदीव के राष्ट्रपति ने चुनाव में जीत दर्ज करने पर मोदी को बधाई देते हुए द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए भारतीय पीएम के साथ काम करने की इच्छा जताई थी।

संभावित मंत्रिमंडल...

के शामिल होने की उम्मीद है। मंत्रिमंडल में शामिल किए जाने वाले नेताओं की संभावित सूची सामने आई है। इस सूची के अनुसार कई पूर्व मंत्रियों को भी नए कैबिनेट में जगह मिल रही है, तो सहयोगी दल टीडीपी, जदयू, आरएलडी,एलजेपी (रामविलास),टीडीपी, एनसीपी,आजसू,अपना दल सोनेलाल,जेडीयू औरशिवसेना के नेताओं को भी मंत्रिमंडल में जगह मिल सकती है।

नीट-यूजी प्रवेश...

उसे हल करने के लिए कम समय दिए जाने जैसे कुछ मामले सामने आए हैं। इसमें एनटीए का कहना है कि छात्रों से जुड़े तमाम मसलों का हल निकाला जाएगा। समिति विषय को पारदर्शिता के साथ जांचेगी और ईमानदारी के साथ कोई समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने विशेष रूप से राजस्थान के सवाईमाधोपुर परीक्षा केंद्र का जिक्र करते हुए कहा कि कोई पेपर लीक नहीं हुआ था। सिस्टम में इसकी जांच की गई और उसमें यह पाया गया कि प्रवेश परीक्षा से जुड़ी पूरी प्रक्रिया पारदर्शी थी और परीक्षा पूर्ण ईमानदारी के साथ पूरी की गई। विपक्ष द्वारा इस मामले को लेकर सवाल उठाने से जुड़े एक प्रश्न के जवाब में उन्होंने कहा कि मामले के सामने आने के बाद भी एक समिति का गठन किया गया था। उसने भी अपनी सिफारिशें उच्चस्तरीय समिति को सौंपी है। आगे की जांच में उन पर भी विचार किया जाएगा। केंद्रीय शिक्षा मंत्रालय में उच्च शिक्षा विभाग के सचिव संजय मूर्ति ने कहा कि हमारी समिति ने बैठक की और उन्होंने परीक्षा केंद्रों पर लगे सीसीटीवी के सभी विवरणों का अवलोकन किया। इस दौरान समिति ने पाया कि कुछ केंद्रों पर समय की बर्बादी हुई और उसके लिए छात्रों को मुआवजा दिया जाना चाहिए। अपने अवलोकन के दौरान समिति ने यह सोचा कि वे शिकायतों को दूर कर सकते हैं और छात्रों को मुआवजा दे सकते हैं।

'डीपफेक' युग में...

की ओर आकृष्ट किया तो न्यायमूर्ति राजीव शकधर और न्यायमूर्ति अमित बंसल की पीठ ने कहा कि यह स्पष्ट नहीं है कि तस्वीरों में मौजूद व्यक्ति क्या प्रतिवादी/पत्नी ही है, जैसा कि अपीलकर्ता/पति के वकील ने कहा है। पीठ ने कहा कि हम इस तथ्य का न्यायिक संज्ञान ले सकते हैं कि हम 'डीपफेक' के युग में रह रहे हैं और इसलिए, यह एक ऐसा पहलू है जिसे अपीलकर्ता/पति को पारिवारिक अदालत के समक्ष साक्ष्य के माध्यम से साबित करना होगा। पीठ द्वारा यह पूछे जाने पर कि क्या हिंदू विवाह अधिनियम के तहत पत्नी की याचिका पर पति के उत्तर में व्यभिचार के इस कथन का उल्लेख किया गया था, पति के वकील ने माना कि जवाब में इस पहलू का कोई उल्लेख नहीं था। पीठ ने कहा कि चूंकि पति द्वारा तलाक के लिए दायर याचिका पर निर्णय लंबित है, इसलिए यदि इस मुद्दे पर जोर दिया जाता है, तो अदालत पक्षकारों को अपने-अपने मामलों के समर्थन में साक्ष्य प्रस्तुत करने का अवसर दे सकती है।

राहुल का 'नेता ...

बढ़ी हैं। कांग्रेस वर्किंग कमेटी की बैठक में राहुल गांधी, सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी समेत कांग्रेस के कई बड़े नेता शामिल हुए। इसमें चुनाव के नतीजे की भी समीक्षा हुई।

हॉलीवुड का भारत में...

कोलन कैंसर भी था। लेकिन उन्होंने कैंसर को मात दे दी थी। वे आंध्र प्रदेश के कृष्णा जिले के मूल निवासी थे। रामोजी राव को भारत का 'रुपर्ट मर्डोक' भी कहा जाता है। रामोजी राव के अन्य बिजनेस में मार्गदर्शी चिट फंड, डॉल्फिन ग्रुप ऑफ होटल्स, कलंजलि शॉपिंग मॉल, प्रिया अचार और मयूरी फिल्म डिस्ट्रीब्यूटर्स शामिल हैं। रामोजी राव की टोटल नेटवर्थ 2021 में करीब 4.5 अरब डॉलर यानी करीब 37,584 करोड़ रुपए आंकी गई थी। इस वक्त करीब उनकी नेटवर्थ करीब 50 हजार करोड़ रुपए है।

फिल्म सिटी में हर साल होती है 300 फिल्मों की शूटिंग: रामोजी फिल्म सिटी में 'बाहुबली' से लेकर 'चेन्नई एक्सप्रेस' जैसी फिल्मों की शूटिंग हुई। हर साल यहां 300 फिल्म तक की शूटिंग होती है। करीब 15 लाख पर्यटक सिर्फ यहां घूमने आते हैं। यहां किसी भी समय में 15 फिल्म की शूटिंग चल रही होती है। ये 1666 एकड़ में फैली है।

रामोजी राव ऐसे बने मीडिया मुगल: साल था 1974, जब देश में इंदिरा गांधी की सरकार के प्रति लोगों रोष बढ़ रहा था। उसी समय आंध्र प्रदेश के लोगों के घर पर एक नया तेलुगू अखबार 'इनाडु' पहुंचना शुरू हुआ। 'इनाडु' कुछ समय बाद आंध्र प्रदेश में लोगों की सुबह की चाय का हिस्सा बन गया।

मोदी ने शोक व्यक्त...

थे। मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे उनसे बातचीत करने और उनके ज्ञान से लाभान्वित होने के कई अवसर प्राप्त हुए। इस कठिन समय में उनके परिवार, मित्रों और असंख्य प्रशंसकों के प्रति संवेदना। ओम शांति।

35 से ज्यादा आपराधिक मामले

डी2 गैंग के मुखिया अतीक की आगरा जेल में मौत

एजेंसी ⏭ कानपुर

डी2 गैंग के पहले सरगना अतीक पहलवान की आगरा जेल में हार्ट अटैक से मौत हो गई। अतीक ने बुधवार को जेल में अंतिम सांस ली थी। आगरा पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम कराने के बाद परिजनों को सौप दिया। उधर परिजन शव लेकर दिल्ली रवाना हो गए। जहां उसे सुपुर्द ए खाक किया गया। कानपुर के नई सड़क के रहने वाले छह भाई अतीक, शफीक, बिल्लू, बाले, अफजाल और रफीक मिलकर डी2 गैंग चलाते थे। इस गैंग का पहला सरगना अतीक पहलवान ही था जो सबसे बड़ा था। जानकारी के मुताबिक गिरोह पर हत्या, सुपारी किलिंग, संपत्तियों पर कब्जा, मारपीट, जान से मारने का प्रयास, फिरौती, अपहरण के 35 से ज्यादा अपराधिक मामले दर्ज थे।

देश को मिले 118 सैन्य अधिकारी

गया अकादमी में हुई पासिंग आउट परेड, उप सेना प्रमुख ने ली सलामी

एजेंसी ⏭ गया

गया ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी में 25वीं पासिंग आउट परेड शनिवार को आयोजित हुई। इस दौरान 118 जेंटलमैन कैडेट्स पास आउट हुए हैं और नए सैन्य अधिकारी बने हैं। दो कैडेट्स किसी कारणवश से शामिल नहीं हो सके। परेड के बाद 118 जेंटलमैन कैडेट्स देश के सैन्य अफसर बने। देश के अलग-अलग हिस्सों में यह सेना के अधिकारी के रूप में योगदान देंगे और देश के प्रति अपना कर्तव्य निभाएंगे।

एक दर्जन राज्यों के कैडेट्स शामिल

आरटीए में शुरू हुई पासिंग आउट परेड की सलामी उपसेना प्रमुख उपेंद्र द्विवेदी ने ली और सफल जेंटलमैन कैडेट्स को ऑफिसर बनने पर बधाई और शुभकामनाएं दी। सैन्य ऑफिसर बनने वालों में देश के लगभग एक दर्जन से अधिक राज्यों के जेंटलमैन कैडेट शामिल हुए। जिसमें बिहार, यूपी समेत अन्य राज्यों के जेंटलमैन कैडेट्स शामिल हैं। गया के ओटीए से इस वर्ष तक लगभग 2 हजार सैन्य अधिकारी बन चुके हैं, जो देश के विभिन्न हिस्सों में योगदान दिया। 18 जुलाई 2011 को गया ऑफिसर ट्रेनिंग अकादमी की स्थापना हुई थी।

हेमंत सोरेन से जुड़े जमीन मामले में ईडी की कार्रवाई

जेएमएम नेता अंतु सहित 10 पर दायर की चार्जशीट

एजेंसी ⏭ रांची।

पूर्व सीएम हेमंत सोरेन से जुड़े जमीन मामले में ईडी ने शुक्रवार को झामुमो नेता अंतु तिर्की समेत 10 आरोपियों पर कोर्ट में चार्जशीट दायर की। इसमें फर्जी दस्तावेज बनाकर जमीन हड़पने की बात कही गई है। साथ ही एक पूरे सिंडिकेट के सक्रिय रहते हुए राशि के लेनदेन का भी जिक्र किया गया है। आरोपियों में अंतु के अलावा राजस्व विभाग का कर्मचारी मनोज कुमार यादव, कोलकाता के रजिस्ट्रार ऑफ एश्योरेंस के दो कर्मचारी तापस घोष, संजीत कुमार, हजारीबाग कोर्ट में डीड राइटर मो इरशाद, प्रिय रंजन सहाय, विपिन सिंह, इरशाद अख्तर, अफसर अली, सद्दाम हुसैन शामिल हैं।

खास बातें

- सिंडिकेट सदस्यों के पास पैसे के लेनदेन के साक्ष्य मिले
- फर्जी डीड के सहारे जमीन के पेपर बनाए
- इस मामले में पहले ही 9 आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके

100 करोड़ की जमीन के भी फर्जी दस्तावेज बनाए

ईडी की जांच में यह बात सामने आई है कि बड़गाईं में हेमंत सोरेन के कथित कब्जे वाली 8.86 एकड़ जमीन के दो प्लॉट के फर्जी दस्तावेज सिंडिकेट ने बनाए थे। फॉरेंसिक रिपोर्ट में इसकी पुष्टि भी हो चुकी है। इसके बाद हजारीबाग के डीड राइटर मो इरशाद की मदद से फर्जी दस्तावेज बनाकर चेशायर होम रोड की 4.83 एकड़ जमीन हड़पने की साजिश रची। इस जमीन का सरकारी मूल्य 22.61 करोड़, जबकि बाजार मूल्य 100 करोड़ से अधिक है।

सद्दाम के यहां दो प्लॉट के डीड फर्जी मिले थे

ईडी ने जमीन की गड़बड़ी से जुड़े मामले में 13 अप्रैल 2023 को छापेमारी की थी। तब सद्दाम हुसैन के यहां डीड 3985/1940 मिले थे। जांच में यह बात सामने आई थी कि 1940 के फर्जी डीड के सहारे 6.34 एकड़ जमीन के पेपर बनाए गए। इस डीड के प्लॉट नंबर 989 के तहत आने वाली 84 डिसमिल और प्लॉट नंबर 996 के तहत आने वाली 32 डिसमिल जमीन पूर्व सीएम के कथित कब्जे वाली 8.86 एकड़ जमीन का हिस्सा हैं।

4.83 एकड़ में भोक्ता की जगह घोषाल नाम की इंट्री

जमीन हड़पने वाले सिंडिकेट के सदस्यों ने डीड 3954 वर्ष 1974 के नाम पर बनायी थी। इसके जरिए गाड़ी मौजा के चेशायर होम रोड की 4.83 एकड़ जमीन के फर्जी दस्तावेज बनाए गए थे। रजिस्टर में जमीन के मूल रैयत का नाम जितुआ भोक्ता, पुत्र-तेतरा भोक्ता था, लेकिन इसे मिटाकर वहां समरेंद्र चंद्र घोषाल और जितेंद्र चंद्र घोषाल के नाम की इंट्री की गई थी। इसके बाद इन दोनों के नाम पर ही फर्जी डीड तैयार की गई थी।

{ सक्सेस मंत्र / रजनी अरोड़ा }

सक्सेस पाने के लिए सिर्फ हार्ड वर्क ही नहीं प्रोडक्टिव होना भी बहुत जरूरी है। कुछ बातों का ध्यान रखकर आप भी अपनी प्रोडक्टिविटी बढ़ा सकते हैं।

सफलता के लिए प्रोडक्टिव होना है जरूरी

दुनिया के 'मोस्ट सक्सेसफुल पीपल' की लिस्ट में शुमार फोर्ड कंपनी के मालिक हेनरी फोर्ड का मानना था कि अपनी प्रोडक्टिविटी को इंप्रूव करने का मतलब है कि पसीना कम बहाओ, लेकिन रिजल्ट बेहतरीन होने चाहिए। यानी लगातार बस मेहनत करते रहना प्रोडक्टिव होना नहीं होता। प्रोडक्टिव होने का सीधा मतलब है-स्मार्टली वर्क करना। अपना टाइम और एनर्जी सही तरह से और स्मार्टली यूज करना। अपनी प्रोडक्टिविटी को बूस्ट करते रहना और आत्मविश्वास के साथ अपने लक्ष्य को हासिल करना।

बढ़ा सकते हैं प्रोडक्टिविटी : जीवन के किसी भी क्षेत्र में कामयाबी पाने के लिए मेहनत करने के साथ-साथ प्रोडक्टिव होना जरूरी है। इसके लिए रोजाना कुछ नया सीखना या नया करते रहना जरूरी है। यह प्रक्रिया जीवनपर्यंत चलती रहती है। देखा जाए तो हर किसी को काम करने के लिए दिन के वही 24 घंटे ही मिलते हैं। कुछ लोगों की शिकायत रहती है कि उन्हें कुछ नया करने या सीखने का टाइम ही नहीं मिलता। 24 घंटे का दिन उनको छोटा लगता है। दूसरी तरफ कामयाब लोग इसी समय में अपनी प्रोडक्टिविटी को लगातार बढ़ाते रहते हैं, क्योंकि वे जानते हैं कि काम टाइम के हिसाब से कैसे करना है और वो कम समय में बेहतर तरीके से काम कर लेते हैं। आप अपनी प्रोडक्टिविटी ऐसे बढ़ा सकते हैं-

लक्ष्य निर्धारित करें : यह सबसे जरूरी है कि आपको अपने लक्ष्य के बारे में पता होना चाहिए। उस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए आपका पूरा फोकस उस पर होना चाहिए, जबकि अधिकतर लोग ऐसा नहीं कर पाते। इसके पीछे मूलतः दो कारण होते हैं। पहला, उन्हें अपने रुझान का पता नहीं होता कि क्या करना उन्हें मोटिवेट करता है और काम के प्रति संजीदा

बनाए रखता है। दूसरा, टाइम मैनेजमेंट न होना, यानी वे नियत टाइम पर काम कर ही नहीं पाते। इससे उनकी प्रोडक्टिविटी कम होती जाती है। अगर आप आगे बढ़ना चाहते हैं तो सबसे पहले इस बात का पता लगाएं कि आपका रुझान किस काम को करने में हैं, जिसे आप रेग्युलरली कर सकते हैं। तभी आप उस काम पर फोकस कर पाएंगे और बेहतरीन परिणाम के साथ नियत समय पर पूरा कर पाएंगे।

मेडिटेशन करें : मेडिटेशन न केवल हमें अपने काम पर कंसंट्रेशन और फोकस बढ़ाने में मदद करता है, ये मानसिक रूप से मजबूत भी बनाता है। इससे हम किसी भी समस्या का बेहतर समाधान ढूंढ़ पाते हैं और काम अच्छे तरीके से कर पाते हैं। हमारी प्रोडक्टिविटी खुद-ब-खुद बूस्ट हो जाती है। आजकल की भागम-भाग वाली जीवनशैली में खुद को कूल रखने के लिए मेडिटेशन बहुत कारगर है। सुबह 10 से 15 मिनट आप अपने लिए जरूर निकालें और शांत जगह पर मेडिटेशन करें।

ब्रेक लेते रहें: वैसे तो हम जितना ज्यादा प्रोडक्टिव होते जाते हैं, उतना अच्छे तरीके से अपना टाइम मैनेज करना सीख पाते हैं। कई जरूरी कामों के लिए टाइम भी निकाल पाते हैं, लेकिन हमेशा ऐसा संभव नहीं होता है। कई बार हम अनप्रोडक्टिव महसूस करते हैं, जो हमें खुद को रिचार्ज करने का संकेत देता है। यानी अपने काम से थोड़ी देर के लिए ब्रेक लेना। ऐसा ब्रेक, काम को बेहतर तरीके से पूरा करने के लिए आपको बूस्ट और रिचार्ज कर देता है। इसलिए अपनी प्रोडक्टिविटी को बढ़ाने के लिए काम के बीच में ब्रेक लेते रहें। वैज्ञानिक भी मानते हैं कि 50 मिनट तक लगातार काम करने के बाद 10 मिनट का ब्रेक लेना चाहिए।

कुछ नया सीखते रहें: आज के दौर में अपनी वैल्यू को बनाए रखने के लिए समय के साथ खुद को बदलना बहुत जरूरी है। अपनी प्रोडक्टिविटी को बूस्ट करने के लिए नई सोच, नई दिशा और टेक्नोलॉजी से जुड़ना बेहद जरूरी है। इसलिए खुद को नियमित रूप से अपडेट और अपग्रेड करते रहें। लिहाजा अपनी स्किल्स बढ़ाने और खुद को ज्यादा प्रोडक्टिव बनाने के लिए कुछ नया सीखते रहना चाहिए। *

पॉपकॉर्न ब्रेन जनरेशन यानी ऐसी जनरेशन, जिसके दिमाग में हर समय कोई न कोई नया विचार, मकई के दाने (पॉपकॉर्न) की तरह पट-पट करके फूटता ही रहता है। हालांकि यह नई जनरेशन क्रिएटिविटी और एनर्जी के मामले में तो काफी एक्टिव दिखती है लेकिन किसी काम में देर तक ना टिकने के कारण उसे बेहतर परिणाम तक नहीं पहुंचा पाती है।

पॉपकॉर्न ब्रेन जनरेशन
दिमाग कहीं टिकता ही नहीं...

{ कवर स्टोरी / लोकमित्र गौतम }

नई पीढ़ी से अधिकांश लोगों को यह शिकायत होती है कि वो एक जगह लंबे समय तक टिक ही नहीं सकती है। आप कितना ही अच्छा कोई वीडियो बना लें और चाहें कि आधे घंटे तक टिककर उसे आज की जनरेशन देख ले तो यह मुश्किल है। वजह है, इनका-पॉपकॉर्न ब्रेन। जी हां, आजकल यह टर्म बहुत चलन में है। यह पीढ़ी लगातार एक के बाद दूसरे, दूसरे के बाद तीसरे, विचारों की तरफ भागम-भाग में लगी रहती है। इस पीढ़ी का दिमाग वाकई उर्वर है, इसे लगातार नए-नए विचार सूझते भी हैं। लेकिन अफसोस कि यह किसी विचार के साथ देर तक टिक नहीं पाते। इसलिए मनोवैज्ञानिक इन्हें पॉपकॉर्न ब्रेन जनरेशन कहते हैं। 'पॉपकॉर्न ब्रेन' शब्द का यूज 2011 में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी के एक शोधकर्ता डेविड लेवी ने सबसे पहले किया था।

पॉपकॉर्न ब्रेन के कारण

अब सवाल उठता है, नई जनरेशन के पॉपकॉर्न ब्रेन के क्या कारण हैं, इसके लिए जिम्मेदार कौन है? इसके लिए काफी हद तक इनके पैरेंट्स जिम्मेदार हैं। इसका कारण जानने के लिए हिस्ट्री पर नजर डालनी होगी। दरअसल, द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यूरोप और अमेरिका में जब स्थिरता बढ़ी और तेज विकास के कारण खुशहाली आने लगी तो अचानक उस दौर के पैरेंट्स को लगा कि उन्होंने जैसी अभावों और कष्टों वाली जिंदगी जी है, अपनी संतान को वे वैसी जिंदगी नहीं जीने देंगे। वे उन्हें तमाम खूबियां सिखाएंगे, सुख-सुविधाएं देंगे, जो उन्हें नहीं मिल सकीं।

यही वजह है कि पिछली सदी के 50-60 के दशक में अमेरिका और यूरोप के देशों में पैरेंट्स अपने बच्चों को वह सब कुछ बनाने की होड़ में जुट गए, जो कभी वो खुद बनना चाहते थे, लेकिन बन नहीं सके। उस दौर के पैरेंट्स ने अपने बच्चों को कंप्यूटर सिखाया, हेल्थ कॉन्शस बनाया, कम से कम एक या दो म्यूजिकल इंस्ट्रूमेंट्स सिखाया, फाइन आर्ट, डांस, स्पोर्ट्स सिखवाया, थिएटर में हिस्सेदारी कराई।

भारत में भी पनपा ट्रेंड

पिछली सदी में भारत का मध्यवर्ग अपने बच्चों में इस तरह के प्रयोग कर पाने की हैसियत में नहीं था, क्योंकि न तो इसके लिए उनके पास संसाधन थे, न सपने। साथ ही तब अपने यहां व्यावहारिक रूप में कोई प्रतिस्पर्धा भी नहीं थी। लेकिन पिछली सदी के अंत में भारत में भी पैरेंट्स की वह पीढ़ी उभरने लगी।

प्राइवेट और गवर्नमेंट सेक्टर के कर्मचारियों की सैलरीज में बूम आया तो अपनी संतानों को सब कुछ बनाने वाली पश्चिमी बीमारी, यहां के पैरेंट्स को भी लग गई। भारतीय पैरेंट्स भी अपने बच्चों में डिजायनर बेबी देखने लगे। जो हड़बड़ी, जो अंधी दौड़ अमेरिका और यूरोप ने पिछली सदी के 50 और 60 के दशक में देख ली थी, भारत में वह दौड़ पिछली सदी के आखिरी दशक में आई, जब महानगरीय मां-बाप अपने बच्चों में कूट-कूटकर सारी खूबियां भर देने को उतावले हो गए। अपने बहुत कम उम्र के बच्चों को भी वे स्पोर्ट, एक्टिंग, म्यूजिक, पेंटिंग या अन्य फील्ड के स्टार की तरह देखने लगे।

इसी चाहत में कॉन्वेंट स्कूलों से पढ़कर दोपहर में घर लौटने वाले मासूम रात 10 बजे तक चकरघिन्नी की तरह घूमने लगे। उनके मां-बाप उनको ना केवल अच्छा पौष्टिक खिलाने की कोशिश करने लगे। साथ ही रिलैक्स के बाद उन्हें मैथ्स-साइंस के साथ स्विमिंग, क्रिकेट, गिटार, पेंटिंग या डांस सिखाने तक की कई क्लासेस में भेज देते। नतीजा यह निकला कि वे सही मायने में न अच्छे प्लेयर बन सके, न अच्छे पढ़ाकू बन सके। सब कुछ थोड़ा-थोड़ा बनने में ज्यादा और कंप्लीट कुछ न बन सके। सब कुछ बनने या बनाने के दबाव में इस दौर में बड़े हुए ज्यादातर नौजवान पॉपकॉर्न ब्रेन वाले नौजवान बनकर रह गए।

नहीं रह पाते कहीं स्थिर

हमेशा एक आधी-अधूरी रेस में रहने वाली इस जनरेशन का न तो कहीं पूरी तरह से ध्यान लगता है, न किसी एक शेड्यूल पर ये कायम रह पाते हैं, न किसी एक काम को प्राथमिकता दे पाते हैं। यही वजह है कि यह जनरेशन हर चीज करना चाहती है, कुछ भी नहीं छोड़ना चाहती। यही नहीं ये नियमित ब्रेक भी लेना चाहती है। इन्हें मालूम नहीं कि इन्हें किस तरह के शौक हैं और क्यों हैं? दरअसल, ये माइंडलेस स्क्रॉलिंग का शिकार हैं। ये लगातार चीजों में घूमते रहते हैं।

स्थायी आकर्षण से रहित यह पीढ़ी हर दो साल बाद पुराने मोबाइल को फेंककर नया मोबाइल लेना चाहती है। यह चीजों के यूज एंड थ्रो पर विश्वास करती है। डिजाइनर ड्रेसेस की पिछले 20-22 सालों में जो कई हजार गुना मांग बढ़ी है, वह कभी न बढ़ती अगर दुनिया में एक ताकतवर पॉपकॉर्न ब्रेन पीढ़ी न पैदा हो गई होती। आज मध्यवर्ग में भी ऐसे लाखों यंगस्टर्स हैं, जो ड्रेसेस अपनी जरूरत, अपनी इच्छा के लिए नहीं पहनते बल्कि वो लगातार नए से नए ड्रेस इसलिए पहनते हैं, ताकि अपटुडेट बने रहें। यही ट्रेंड कारों, मोटरसाइकिलों, मोबाइल फोन, लैपटॉप, म्यूजिक इंस्ट्रूमेंट जैसी कई चीजों में पिछले दो दशकों में देखने को मिल रहा है। मुट्ठीभर ग्राहकों के बावजूद इन सबकी मांग पिछले दो दशकों से लगातार उपलब्धता से पांच से 10 फीसदी ज्यादा बनी हुई है। ये सब इसलिए हो रहा है, क्योंकि नई पीढ़ी अस्थिर है, इसे क्या चाहिए, इसे खुद नहीं पता, बस चाहिए।

कहने का सार यही है कि पॉपकॉर्न ब्रेन जनरेशन का जो नेचर है, उसके लिए वो स्वयं जिम्मेदार तो नहीं है, लेकिन इसका परिणाम उसे ही झेलना पड़ता है। *

{ अचीवमेंट / निनाद गौतम }

बीते कुछ वर्षों में भारत और भारतीयों का रुतबा दुनिया में बढ़ रहा है। इसको प्रमाणित करती है 'टाइम' मैगजीन में शामिल प्रतिभाशाली भारतीयों की नई सूची।

दुनिया में परचम फहराते प्रतिभाशाली भारतीय

हर साल की तरह न्यूयॉर्क से प्रकाशित अमेरिकी साप्ताहिक समाचार पत्रिका 'टाइम' ने इस साल भी 'द हंड्रेड मोस्ट इंफ्लूएंशियल पीपुल ऑफ द ईयर 2024 की सूची कुछ समय पूर्व जारी की। इसमें दुनिया के प्रभावशाली आर्टिस्ट, आइकंस, लीडर्स, इनोवेटर्स और पायनियर्स को जगह मिली है। हाल के कई सालों की तरह इस साल भी प्रभावशाली लोगों की इस सूची में अच्छी-खासी संख्या भारतीयों की भी है।

टॉप 100 में शामिल भारतीय : इस बार दुनिया के 100 महत्वपूर्ण लोगों की टाइम मैगजीन की लिस्ट में जिन भारतीयों ने अपनी जगह बनाई है, उनमें विश्व बैंक के अध्यक्ष अजय बंगा, बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट, माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ सत्या नडेला, पूर्व ओलंपिक पदक विजेता साक्षी मलिक, अभिनेता देव पटेल, अमेरिकी ऊर्जा विभाग के लोन प्रोग्राम ऑफिस के निदेशक जिगर शाह, येल यूनिवर्सिटी में खगोल भौतिकी की प्रोफेसर और 'मैपिंग द हेवेंस : द रेडिकल साइंटिफिक आइडियाज दैट रिवील द कॉसमॉस' की लेखिका प्रियंवदा नटराजन और भारतीय मूल की रेखा मालकिन असमा खान शामिल हैं।

मिलता है ग्लोबल फेम : 'टाइम' पत्रिका की सालाना प्रकाशित होने वाली इस सूची में अपनी जगह बनाना कोई छोटी बात नहीं होती। इस सूची में होने का मतलब है कि प्रभाव के ग्लोब में व्यक्ति की एक सुनिश्चित जगह और पहचान है। इसमें शामिल होने के लिए अलग-अलग क्षेत्रों की नामचीन हस्तियों और 'टाइम' पत्रिका के अंतरराष्ट्रीय लेखन स्टाफ से नामांकन मंगाए जाते हैं। इस तरह प्रभाव आकलन की कई कसौटियों से गुजरकर किसी शख्स का 'टाइम' मैगजीन के प्रभावशाली

अजय बंगा, आसमा खान , सत्या नडेला, साक्षी मलिक, देव पटेल आलिया भट्ट, ,जिगर शाह, प्रयंवदा नटराजन (बाएं से दाएं)

लोगों की सूची में शामिल होना, अपने आपमें महत्वपूर्ण है। प्रभावशाली लोगों की यह सालाना सूची हर साल मैनहटन में आयोजित एक समारोह में जारी की जाती है। इस सूची में शामिल ये 100 लोग वास्तव में दुनिया के इंफ्लेंसिव अंबेसडर माने जाते हैं।

पहले भी हुए कई भारतीय शामिल : वर्ष 1923 से प्रकाशित 'टाइम' मैगजीन की अब तक की प्रभावशाली सूचियों में सैकड़ों भारतीय अपनी जगह बना चुके हैं। अमिताभ बच्चन, शाहरुख खान, इंदिरा नूई और राजामौली जैसी शख्सियतें इसकी सूची में कई बार जगह पाती रही हैं। एक बार इस सूची में किसी का नाम आ जाता है तो फिर वह पूरी दुनिया में अपनी पहचान का मोहताज नहीं रहता।

शामिल करने का होता है ठोस आधार : माना जाता है कि इस लिस्ट में शामिल लोगों के काम, मानवता के हित में होंगे और भविष्य की पीढ़ियों के लिए शानदार और सकारात्मक राह बनाएंगे। स्वास्थ्य, व्यवसाय, मनोरंजन, विज्ञान, राजनीति या कोई भी क्षेत्र, जिससे लोग या लोगों का समूह प्रभावित होता हो, उन सब क्षेत्रों से इस सूची के लिए महत्वपूर्ण शख्सियतें चुनी जाती हैं। इसलिए इस सूची के लिए निश्चित विषय नहीं हैं, यह चयन ऐसे लोगों द्वारा किया जाता है, जिनका चयनित लोगों से कोई दूर-दूर तक का रिश्ता नहीं होता।

भारत के बढ़ते वर्चस्व का प्रमाण: टाइम पत्रिका की प्रभावशाली लोगों की सालाना सूची में शामिल होना प्रतिष्ठा की बात है। हालांकि भारत में हमेशा से कुछ प्रभावशाली लोग होते रहे हैं। लेकिन अब के पहले इतने बड़े पैमाने पर एक साथ भारतीयों का नाम इस सूची में शामिल नहीं होता था। इससे दुनिया में बढ़ता भारत का रुतबा, साबित होता है। *

{ कविता / रेखा शाह आरबी }

गौरैया खोजती है

गौरैया द्वार-द्वार खोजती है
नाद, चरनी, सहृदय घरनी,
जो उसके लिए बिखेर देती थी
मुट्ठी भर चावल के दाने।

गौरैया कुलबुला रही है,
गौरैया अकुला रही है,
गौरैया बिलबिला रही है,
चिलचिलाती धूप में बौखला रही है,
खोज रही है एक मुट्ठी छांव
जहां ना जलें उसके बच्चों के पांव।

सोच रही है कहां उतरूं
नदारद है आंगन, नदारद अलंगनी,
गुम हुए बगीचे, गुम हुई पेड़ों की शाखें,
सूखी हुई टहनियां देखकर
नम हो रही, गौरैया की आंखें।

{ छोटी कहानी / यशोधरा भटनागर }

आशीर्वाद

सुबह-सुबह के ढेरों काम और ये फोन फिर बजने लगा। दिन भर मुआ बजता ही रहे है। जरा काम न करने दे। अपने आप से यह कहते हुए वह फोन उठा लेती हैं, 'हेलो!'

'हेलो जिज्जी!' उधर से भाभी की घबराई-रुआंसी आवाज सुनाई देती है। वह भी घबरा जाती हैं, 'क्या हुआ सब ठीक तो है, अम्मा...!' 'अम्मा ठीक हैं जिज्जी। बहू गई थी अपने मायके।' वह बीच में बोल पड़ती हैं, 'तो क्या हुआ, आ जाएगी।' 'वही तो जिज्जी! शादी के बाद पहली होली थी, सो उसका भाई लिवा ले गया। आज शीतला सप्तमी है, सो तुमाए भैया उसे लिवाने गए थे। पर उन लोगों ने बाहर से ही लौटा दिया बोले- 'हमें नहीं भेजना अपनी बिटिया को ऐसे घर में।' और फिर 'भड़ाक!' से दरवाजा बंद कर दिया। ये अपना सा मुंह लेकर लौट आए।' भाभी चिंता से बताती हैं। 'हम्म! ये तो बहुत बुरा हुआ भाभी। अब...।' वह भी चिंतित हो जाती हैं। 'जिज्जी सारा घर हैरान परेशान है। अड़ोस-पड़ोस, समाज में तो हमारी भद्द पिट गई। बहू काहे घर छोड़कर चली गई? सोच-सोच कर इनका बीपी सोई हाई हो गया है और मेरा भी सिर दर्द से फटा जा रहा है।' भाभी रोने लगती हैं।

फोन कट जाता है। चारों ओर शांति छा गई पर उनका मन बहुत अशांत हो गया। फोन की घंटी फिर बजती है। वह उठा लेती हैं। उधर से भाभी और ज्यादा चिंता में बोलती हैं, 'जिज्जी क्या करें? कुछ सूझ नहीं रहा। मंटू के ब्याह में भी तो सारे पूजा-पाठ, सारे विधान, पुरखों की पूजा सब ही कुछ तो किया था। पता नहीं क्या कसर रह गई?' 'पुरखों को तो आपने मनाया भाभी पर....।' कहते-कहते उनके गले में कुछ क्या, बहुत कुछ फंस कर रह गया। उन्हें याद है, उनकी अम्मा कैसे दरवाजे की ओट से दूर से ही अपने पोते को सेहरा बांधे, घोड़ी चढ़ते, नम आंखों से देखती रहीं पर सिर पर प्यार भरा हाथ रख, आशीर्वाद न दे सकीं। बाऊजी क्या गए, भाभी के लिए अम्मा अपशगुनी हो गईं। अपनी विधवा सास का मुंह सुबह-सुबह न देखतीं, हर वार-त्योहार, पूजा-पाठ में अम्मा को दूर रखतीं। पर्व-त्योहार को अम्मा कितने उत्साह से मनाती थीं पर अब अपने कमरे में पड़ी रहतीं। बाऊजी के जाने के बाद कुछ ही महीनों में अम्मा सूखकर कांटा हो गईं पर उनके प्रति भाभी का रवैया बद से बदतर होता चला गया। 'जिज्जी! जिज्जी सुन रही हो न। बात तलाक तक पहुंच गई है।' कांपती आवाज में भाभी बताती हैं। 'तलाक..!' वह दंग रह जाती हैं। 'हां जिज्जी! ईश्वर न जाने किस पाप की सजा दे रहे हैं मुझे!' 'पाप...भाभी! अम्मा कहां हैं?' वह पूछती हैं। 'अपने कमरे में ही हैं। आज शीतला सप्तमी की पूजा है न! सब ध्यान रखना पड़ता है जिज्जी। जब तक पूजा न हो तब तक अम्मा...।' भाभी बिना संकोच किए कह देती हैं। 'भाभी... भाभी!' उनका गला रुंध गया, शब्द गले में फंस गए। शायद फोन भी कट गया था। अम्मा का शांत चेहरा उनके सामने था। फिर फोन की घंटी बज उठती है। अबकी बिट्टू का फोन है। वह उठा लेती हैं, 'हेलो!'

बेटा चहकता हुआ बताता है, 'हेलो मां! एक खुश खबरी है। एक नहीं दो... मेरा प्रमोशन हो गया है, मैनेजर बन गया हूं और आप दादी बनने वाली हैं।' 'वाह! मेरे बच्चे! खूब सारा आशीर्वाद! खूब खुश रहो!' वह भी खुशी से खिल उठती हैं। वह सोचती हैं, 'हां बिट्टू के साथ अम्मा का भी आशीर्वाद है...।' मंटू की शादी के आठ दिन बाद ही तो बिट्टू की शादी थी। शादी से आठ-दस दिन पूर्व ही समीर, अम्मा को हमारे घर ले आए थे। 'मैं क्या करूंगी वहां? ब्याह का घर है।' अम्मा आने को तैयार ना थीं। बहुत समझाने के बाद बड़ी मुश्किल से अम्मा उनके घर आई थीं।

'अम्मा कहां हो बिट्टू का टीका तो कर दो।' उन्हें जबरदस्ती कमरे से निकाल वह बाहर ले आई थीं। ढोल की थाप पर अम्मा चकरी सी घूमीं तो अम्मा की आंखों संग उनका दिल भी भर आया। अम्मा ने बिट्टू के सिर पर हाथ रख खूब प्यार किया और ढेर सारा आशीर्वाद दिया था। उनकी आंखें बरसने लगीं। वह मन ही मन बोलीं, 'अम्मा तुम हमेशा आशीर्वाद देती रहना।' *

{ लघुकथा / गोविंद भारद्वाज }

भूख

उस दिन स्वाति एक बड़े-से थैले में ढेर सारे खिलौने लेकर शहर के बाहर बनी झुग्गियों में पहुंची। बड़ी-सी कार देखकर छोटे-छोटे बच्चे वहां आकर जमा हो गए। स्वाति कार से उतरी और थैले को जमीन पर रखते हुए बोली, 'आओ बच्चों, मैं तुम्हारे लिए ढेर सारे खिलौने लाई हूं।' कुछ पल बच्चे खिलौनों को एक-टक देखते रहे। 'अरे बच्चों, ये सब मैं तुम्हारे लिए लाई हूं... और वो भी मुफ्त में।' यह सुनकर कुछ बच्चे स्वाति की तरफ खिलौने लेने दौड़ पड़े।

एक बच्ची चुपचाप खड़ी थी। 'आओ बेटा... तुम भी आओ... देखो, कितना बढ़िया किचन-सेट है... सिलेंडर है, स्टोव है और कितने सुंदर-सुंदर चकले-बेलन हैं।' स्वाति बच्ची को खिलौने दिखाते हुए बोली। वह बच्ची उसके पास आई और धीरे-से बोली, 'आंटी... खाने के लिए भी कुछ लाई हो क्या... बहुत भूख लगी है। कल से कुछ नहीं खाया है।' यह सुनकर स्वाति जड़वत खड़ी रह गई। *

{ पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण }

निराश की कविताएं

कश्मीर के प्रमुख हिंदी रचनाकारों में मोहन निराश का नाम भी शामिल है। उनके पांच कविता संग्रहों में से चुनी हुई कविताओं का संकलन उनके पुत्र उपेंद्र नाथ रैणा के संपादन में 'ऋचाएं नीलकंठी' शीर्षक से प्रकाशित होकर आया है। इन प्रतिनिधि कविताओं को पढ़ते हुए सहज अनुमान लगाया जा सकता है कि इसके रचनाकार के मन में जीवन, समाज और दुनिया की विडंबनाओं को लेकर कितनी बेचैनी मौजूद थी। 'मैं क्या करूं, उस मकान में रहता हूं/ जिसके लोगों में घर मर चुका है।' बावजूद इन विडंबनाओं के कविता की सामर्थ्य पर कवि का भरोसा कम नहीं होता है। इसीलिए वे यह भी लिखते हैं, 'कविता की आग जंगल की आग से कहीं खतरनाक और/निर्भीक होती है।' निराशाओं में भी बेहतर होने की आशा रखने वाले एक समर्थ रचनाकार की यही पहचान है। *

पुस्तक: ऋचाएं नीलकंठी (प्रतिनिधि कविता संग्रह), **कवि:** मोहन निराश, **संपादक:** उपेंद्र नाथ रैणा, **मूल्य:** 450 रुपए, **प्रकाशक:** अयन प्रकाशन, नई दिल्ली

कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाए सक्सेना, मुख्यमंत्री ने जताई थी नाराजगी

मप्र में चीफ सेक्रेटरी और डीजीपी का बदलना तय, वीरा राणा को अब नहीं मिलेगा एक्सटेंशन, जल्द ही भेजा जाएगा प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

लोकसभा चुनाव के बाद अब मप्र में नए चीफ सेक्रेटरी की तलाश शुरू हो गई है। विकास का खाका भी इसी को ध्यान में रखकर बनाया जा रहा है। केंद्र में एनडीए की सरकार बनने के बाद अब मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का पूरा फोकस सरकारी कामकाज को लेकर रहेगा।

इसे लेकर जल्दी ही 100 दिन के एक्शन प्लान को लेकर बैठक होगी। इस कार्य में चूंकि प्रशासनिक मुखिया का सबसे बड़ा रोल होता है। ऐसे में मुख्यमंत्री की कोशिश है कि सब कुछ नए सिरे से हो, ताकि उसका परिणाम हर व्यक्ति को मिल सके। उधर, जिस तरह से प्रदेश के विकास को लेकर नई योजनाएं बन रही है। इसका खासा तैयार हो रहा है। केंद्र सरकार के थीम पर काम चल रहा है। ऐसे में मुख्यमंत्री डॉ. यादव अपनी योजनाओं को उसी अनुसार अमलीजामा पहनाना चाहते हैं।

मंत्रालय के अफसरों का कहना है कि संभवतः 15 से 20 जून के बीच नए चीफ सेक्रेटरी को लेकर केंद्र सरकार को प्रस्ताव भेजा जाएगा। केंद्र सरकार की सहमति के बाद प्रदेश में नए मुख्य सचिव की नियुक्ति हो जाएगी।

एक्सटेंशन पर चल रही चीफ सेक्रेटरी को मिल सकती है नई जिम्मेदारी

सूत्रों ने बताया कि अभी मध्यप्रदेश में एक्सटेंशन पर चल रही चीफ सेक्रेटरी वीरा राणा की जगह दूसरे अधिकारी को जिम्मेदारी मिल सकती है। हालांकि उनका रिटायरमेंट सितंबर में होना है, लेकिन सरकार की मंशा है कि प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी को पूरा करना है तो फुल टाइम चीफ सेक्रेटरी होना जरूरी है। मुख्य सचिव की रेस में कई अधिकारी हैं। इन अधिकारियों के नामों का पैनल जल्दी ही डीओपीटी को भेजा जाएगा।

3 अफसरों के नामों की चर्चा

बताते हैं कि यदि किसी वरिष्ठ अफसर को मुख्य सचिव का प्रभार देना है, तो इसकी पहल सबसे पहले मुख्यमंत्री डॉ. यादव को ही करना पड़ेगी। इस स्थिति में मप्र में तीन सीनियर अधिकारियों के नाम भेजे जाएंगे, जिसमें वरिष्ठता क्रम में मो. सुलेमान, एसएन मिश्रा और डॉ. राजेश राजौरा शामिल हो सकते हैं। मंत्रालय सूत्रों का कहना है कि यदि अनुराग जैन केंद्र से मध्यप्रदेश नहीं आते हैं, तो डा. राजौरा प्रबल दावेदार होंगे। इसके पीछे की वजह है कि लंबा प्रशासनिक अनुभव रहा है और मुख्यमंत्री की गुड लिस्ट में भी शामिल है।

मकवाना नहीं तो शर्मा बनेंगे अगले डीजीपी

वैसे भी यदि डीजीपी सुधीर सक्सेना नवंबर में रिटायर हो जाएंगे। इससे पहले सरकार ने नए डीजीपी की तलाश करना शुरू कर दिया है। सीनियरिटी के आधार पर कैलाश मकवाना, शैलेंद्र सिंह, जीपी सिंह, अरविंद कुमार, अजय शर्मा के नाम शामिल हैं। पर तीन ही अधिकारियों के नाम का पैनल भेजा जाएगा। कोशिश यह होगी कि जनता के बीच सक्रिय और पुलिस में बेहतर समझ रखने वाले अधिकारी को ही डीजीपी बनाय जाए। ऐसे में केंद्रीय प्रति नियुक्ति और खुफिया एजेंसी में भी काम करने वाले अधिक अधिकारी को प्राथमिकता होगी। यदि ऐसा हुआ तो अरविंद कुमार, जीपी सिंह और अजय शर्मा के नाम का पैनल भेजा जा सकता है।

कानून व्यवस्था में नियंत्रण नहीं, दो बैठकों में डीजीपी को लगी फटकार

सरकार जल्दी ही नए डीजीपी के लिए तीन आईपीएस अफसरों के नामों का पैनल केंद्रीय गृह मंत्रालय को भेजेगी। ऐसा इसलिए और है कि मप्र में कानून व्यवस्था को लेकर कई बार सवाल उठे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने डीजीपी सुधीर सक्सेना को तलब किया, लेकिन उनकी तरफ से कोई ठोस जानकारी घटना के संबंध में नहीं दी गई। पिछले दिनों पुलिस मुख्यालय में बैठक के दौरान भी कानून व्यवस्था को लेकर मुख्यमंत्री ने फटकार लगाई थी। मंत्रालय में बैठक के दौरान डीजीपी मुख्यमंत्री के सवालों का जवाब नहीं दे पाएं। पुलिस मुख्यालय सूत्रों के माने तो मुख्यमंत्री की मंशा के अनुसार डीजीपी फिट नहीं बैठ रहे हैं। मुख्यमंत्री ने रात के समय गश्त को लेकर निर्देश दिए थे, लेकिन डीजीपी खुद एक्टिव नहीं हुए। यहां तक की महिला अत्याचार सहित कई घटनाओं को लेकर कानून व्यवस्था पर पुलिस महकमें पर सवाल उठे हैं। इन सब कारणों से नए डीजीपी की तलाश शुरू हो गई है।

भखारा बाजार जा रहे दो लोगों को ट्रक ने मारी टक्कर, एक किलोमीटर तक ले गया घसीटते

धमतरी। भखारा ब्लॉक में एक अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से एक व्यक्ति की मौत हो गई। वहीं, एक व्यक्ति घायल हो गया है। ट्रक व्यक्ति को करीब एक किलोमीटर तक घसीटते हुए ले गया। जानकारी के अनुसार, भखारा निवासी वेदराम यादव और चंद्रहास साहू अपने घर से निकले थे। मुख्य मार्ग होते हुए भखारा बाजार की तरफ जा रहे थे, तभी पीछे से आ रहे ट्रक ने दोनों को पीछे से टक्कर मार दी। जिसके चलते चंद्रहास साहू दूर जा गिरा और वेदराम यादव को ट्रक ने अपने चपेट में लेते हुए करीब एक किलोमीटर तक घसीटता रहा। आसपास मजूद लोगों ने घायल को अस्पताल इलाज के लिए भेज गया। वहीं, इस हादसे से लोगों मे गुस्सा उमड़ पड़ा और चक्काजाम कर दिया। आक्रोशित लोगों ने बताया इस मार्ग पर आए दिन छोटी बड़ी दुर्घटना होती रहती है। जिस पर प्रशासन से ब्रेकर या अन्य व्यवस्था करने की मांग पहले भी की जा चुकी है, लेकिन प्रशासन द्वारा अभी तक संज्ञान में नहीं लिया गया है।

वहीं, इस हादसे में मृत व्यक्ति के परिवार वाले मुआवजा देने की भी कही गई है।

मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद देश तेजी से विकास की दिशा में बढ़ेगा आगे: सबनानी

मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता चुनने पर भाजपा प्रदेश कार्यालय में जमकर आतिशबाजी, बांटी मिठाइयां

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने के बाद भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में उत्सव मनाया गया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने आतिशबाजी कर मिठाइयां बांटी एवं एक-दूसरे को बधाई दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने पर पार्टी कार्यकर्ताओं में हर्ष व्याप्त है।

इस अवसर पर कार्यकर्ताओं को बधाई देते हुए प्रदेश महामंत्री भगवानदास सबनानी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत दुनिया की तीसरी बड़ी आर्थिक शक्ति बनेगा। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत के इतिहास में पहली बार किसी गैर कांग्रेसी दल के नेता लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने के बाद देश तेजी से विकास की दिशा में आगे बढ़ेगा और आने वाले पांच सालों में दुनिया की तीसरी अर्थव्यवस्था बनेगा।

एमपी के मन में मोदी हमेशा रहेंगे

प्रदेश के सांसदों के साथ एनडीए की बैठक में शामिल हुए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त

प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा प्रदेश के नवनिर्वाचित सांसदों के साथ एनडीए की बैठक में शामिल हुए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एनडीए का नेता चुने जाने पर प्रसन्नता व्यक्त करते उन्होंने कहा कि एमपी के मन में मोदी हैं और हमेशा रहेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा से शुक्रवार को राजधानी दिल्ली स्थित मध्यप्रदेश भवन में प्रदेश के नवनिर्वाचित सांसदों ने भेंट की। इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा प्रदेश के नव निर्वाचित सांसदों एवं राज्यसभा सांसदों के साथ पुराने संसद भवन में आयोजित एनडीए की बैठक में शामिल हुए। उन्होंने एनडीए संसदीय दल का नेता चुने जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को शुभकामनाएं दीं। बैठक में प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल एवं जगदीश देवड़ा सहित केंद्रीय मंत्री, सभी लोकसभा व राज्यसभा सांसद उपस्थित रहे।

मप्र की जनता ने दिया भाजपा को भरपूर आशीर्वाद

एनडीए की बैठक के उपरांत मीडिया से चर्चा करते हुए भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष विष्णुदत्त शर्मा ने कहा कि लोकसभा चुनाव में मध्यप्रदेश की जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी पर विश्वास जताते हुए भारतीय जनता पार्टी को भरपूर आशीर्वाद दिया है। जनता के आशीर्वाद से ही प्रदेश की सभी 29 लोकसभा सीटों पर कमल खिला है और भारतीय जनता पार्टी ने विजय का नया इतिहास बनाया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एमपी के मन में थे, आज भी हैं और हमेशा रहेंगे। मोदी के नेतृत्व में देश तेजी से विकास करेगा।

भारत दुनिया को दिशा दिखाएगा

पूर्व मुख्यमंत्री चौहान ने मोदी को एनडीए संसदीय दल नेता चुने जाने पर जताई खुशी

विकसित भारत का संकल्प जो प्रधानमंत्री ने लिया है वो पूरा होगा। भारत दुनिया को दिशा दिखाएगा जनता का कल्याण होगा। भारत माता एक बार फिर अंगड़ाई लेकर खड़ी हो रही है और विश्वगुरु के पद पर आसीन हो रही है। यह बात शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने नरेंद्र मोदी के एनडीए संसदीय का नेता चुने जाने के बाद मीडिया से चर्चा के दौरान कही। उन्होने कहा कि एक नरेंद्र ने 100 साल पहले कहा था और दूसरे नरेंद्र के हाथों ये हो रहा है। 10 सालों में भारत का जो विकास हुआ है, वो अपने आप में चमत्कार है। गरीब कल्याण से लेकर जनकल्याण तक की जो योजनाएं बनी हैं चाहे किसान-कल्याण हो, युवा कल्याण हो, महिला सशक्तिकरण हो वो अपने आप में अद्भुत और अभूतपूर्व है, ये सब काम आगे बढ़ेंगे।

नीतीश बहुत बुद्धिमान नेता हैं, सारी परिस्थितियों को समझते हैं

चौहान ने कहा कि नीतीश बहुत बुद्धिमान नेता है। सारी परिस्थितियों को ठीक से समझते हैं, उन्होंने बिहार और देश का कल्याण सोच कर ही ये बात कही है और जो उन्होंने कहा है वो बिल्कुल सच है। सभी ने तारीफ की चंद्र बाबू नायडू हों, बाकी लोग हों देखिए प्रधानमंत्री केवल भाजपा के नेता नहीं है, वो एनडीए के नेता हैं, वो देश के नेता हैं और दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय नेता है। पूर्व सीएम चौहान ने कहा कि ये देशवासियों का सौभाग्य है कि मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। पिछले 10 सालों में उन्होंने देश के विकास और जनता के कल्याण के लिए काम किया है। आज भारत इस स्थिति में पहुंच गया है कि विश्व को दिशा दिखाएगा।

उप राष्ट्रपति धनखड़ से डॉ. यादव ने की चर्चा

उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को दिल्ली प्रवास के दौरान नवनिर्मित उप राष्ट्रपति एनक्लेव में सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उप राष्ट्रपति धनखड़ को पुष्पगुच्छ और अंगवस्त्र भेंट किया।

सीएम डॉ. यादव की राजस्थान के सीएम शर्मा से भेंट

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की शुक्रवार को दिल्ली में राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से सौजन्य भेंट हुई। भेंट के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव से राजस्थान के मुख्यमंत्री शर्मा ने दोनों राज्यों के पारस्परिक हितों से संबंधित विषयों पर चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने लोकसभा सदस्यों से की मुलाकात

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को दिल्ली प्रवास के दौरान मध्यप्रदेश भवन में 18वीं लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों से सौजन्य भेंट की। उन्होने शुभकामनाएं दीं। इस मौके पर उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल भी उपस्थित थे।

नीट : 571 शहरों में आयोजित हुई परीक्षा

नई दिल्ली। नीट (यूजी) 2024 परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) द्वारा 5 मई 2024 को 571 शहरों (विदेश के 14 शहरों सहित) के 4750 केन्द्रों पर आयोजित की गई। राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एनटीए) मई 2019 से स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय (एमओएचएफडब्ल्यू) की ओर से देश भर के सभी चिकित्सा संस्थानों में स्नातक चिकित्सा पाठ्यक्रमों (एमबीबीएस, बीडीएस, आदि) में प्रवेश के लिए एक समान प्रवेश-सह-पात्रता परीक्षा के रूप में नीट (यूजी) परीक्षा आयोजित कर रही है। परीक्षा के परिणाम 4 जून, 2024 को एनटीए द्वारा घोषित किए गए थे। जब से परिणाम घोषित किए गए हैं, अप्रत्याशित रूप से उच्च कट-ऑफ स्कोर, प्रतिपूरक अंक और पूर्ण स्कोर (720/720) प्राप्त करने वाले उम्मीदवारों की संख्या को लेकर चिंताएँ पैदा हुई हैं। एक केंद्र पर आठ टॉपर्स की उपस्थिति के बारे में भी चिंताएं व्यक्त की गई हैं (छह पूर्ण स्कोरर और 718 और 719 स्कोर वाले एक-एक सहित) यानी सभी आठ उम्मीदवारों ने एक ही केंद्र से परीक्षा दी है। परिणाम की समय से पहले घोषणा पर भी चिंताएँ जताई गई हैं, जो आम चुनावों के परिणामों की घोषणा की तारीख यानी 4 जून से मेल खाती है। यह आरोप लगाया गया है कि परिणाम दस दिन पहले घोषित किए गए थे। सूचना बुलेटिन में घोषित 14 जून, 2024 के बजाय 4 जून, 2024 को नीट (यूजी) परिणाम घोषित करने के संबंध में, एनटीए ने यह रुख अपनाया है कि चूंकि परिणाम 4 जून, 2024 तक तैयार थे, इसलिए घोषणा में और दस दिन की देरी करने का कोई कारण नहीं था। इसके अलावा, एनटीए साल-दर-साल परिणाम घोषणा समय में सुधार करने की दिशा में काम कर रहा है। कट ऑफ के संबंध में, वे उम्मीदवारों के सापेक्ष प्रदर्शन के आधार पर भिन्न होते हैं।

पश्चिम विहार दिल्ली में सजी कवियों की महफ़िल

दिल्ली । पश्चिम विहार दिल्ली में राजेश्वरी फ़िल्म प्रोडक्शन आनन्द उत्सव समर कार्निवल की ओर से भव्य कवि सम्मेलन का आयोजन हुआ । मनोज अग्रवाल,अमन परवाना जी,राजेश्वरी एवं धर्मेंद्र सिंह जी ने समर कार्निवल आनन्द उत्सव के उपलक्ष्य में कवि सम्मेलन का आयोजन किया ।कवि सम्मेलन में विभिन्न राज्यों से आए कवियों ने समाँ बांधा।अपनी प्रस्तुतियों द्वारा लोगों का मन मोह लिया ।कवियों का काव्य पाठ इतना मोहक था कि श्रोता स्थान पर बने रहे।कवि सम्मेलन के मुख्य अतिथि **SHO** पुलिस मनोज कुमार रहे अध्यक्ष सुप्रसिद्ध कवि वरिष्ठ साहित्यकार श्री योगेश समदर्शी रहे।कवि सम्मेलन का लाइव प्रसारण राजेश्वरी प्रोडक्शन एवं मनोज अग्रवाल जी द्वारा किया गया ।वरिष्ठ साहित्यकार योगेश समदर्शी ने सरस्वती वन्दना करके काव्य पाठ प्रारम्भ किया ।डा.नाथू लाल लोटवाड़ा ने "ऐसी जमीं तलाशी जाए"कवयित्री सीमा रंगा जी ने गर्मी एवं नारी के ऊपर दोहों से समां बांधा,जय सिंह जीत ने बेटियों, युवाओं पर मुक्तक से मंत्रमुग्ध किया योगेश समदर्शी जी ने घनाक्षरी छन्द द्वारा व्यंग्य व चुटकुलों से सबको हंसने पर मजबुर कर दिया ।

पर्यावरण बचाने को संग्राम सिंह ने थामी प्रकृति की गोद

नई दिल्ली। बीएमसी के उप आयुक्त विश्वास मोटे के साथ मिलकर लगाए पेड़ मेक अर्थ ग्रीन अगेन के साथ पहलवान संग्राम सिंह की अद्भुत पहल। पहलवान संग्राम सिंह ने पर्यावरण को बनाये रखने का जिम्मा उठा लिया हैं। जहां व्यापारिक उद्देश्य की पूर्ति के लिए पेड़ों का हनन किया जा रहा हैं। वही मेक अर्थ ग्रीन अगेन के साथ मिलकर संग्राम सिंह, बीएमसी के उप आयुक्त विश्वास मोटे और डॉ. (माननीय) अनुषा श्रीनिवासन अय्यर के साथ मिलकर धरती मां की गोद को सजाने के अद्भुत कार्य कर रहे है। पर्यावरण क्षरण के दुष्परिणामों से जूझ रही दुनिया में, ग्रह की हरियाली को बहाल करने के उद्देश्य से की जाने वाली पहल पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हैं। बीएमसी-मेक अर्थ ग्रीन अगेन मेगा अभियान, अधिकारियों, पर्यावरणविदों, मशहूर हस्तियों और कार्यकर्ताओं और नागरिकों द्वारा किया गया एक सम्मिलित प्रयास है, जिसका नेतृत्व बीएमसी के उप आयुक्त विश्वास मोटे और डॉ. (माननीय) अनुषा श्रीनिवासन अय्यर कर रहे हैं, जिसका उद्देश्य व्यापक बनरोपण और संधारणीय प्रथाओं के माध्यम से हमारे ग्रह का कायाकल्प करना है।

French open tennis mens single 9th May 2024 100% victory to Mr. A ZVEREV prediction based on player face reading.

French open Tennis 2024 9th June women double 100% victory to C GAULF and SHNAKOVA.

2027 UP Assembly Election 100000% victory to BJP (it was published during the Modi Ji going to take oath ceremony 3 term PM

2027 Gujarat Assembly Election 100% victory to BJP.

2026 Kolkata Assembly Election 100% next CM, Madam MAMATA BANERJEE.

Feb 2025 Delhi Assembly Election AAP will win 10000000%. AAP will form independent government Mr. ARAVIND KEJRIWAL will be 2025 CM (100% it was decided).

Prediction success Mr. Alexander have predicted 2023 December about Mr. Modi Ji will be next PM (3rd term) on the basis of Prediction it was come TRUE. he wrote a letter to Mr. PM about the swearing ceremony date will be 5 9 10 June will be good here Mr. Modi Ji going to take oath on 9th June.

He is not practicing astrology Since 2023

predicted by
S ALEXANDER
Astrologer
Namakkal, Tamilnadu.
Mob: 8248126514

हाथी का रौद्र रूप देख मची अफरा-तफरा

आधे घंटे तक सड़क के दोनों ओर वाहनों की लगी लंबी लाइन

सड़क पार कर रहे हाथियों को राहगीरों ने छेड़ा, गुस्से में मचाया उत्पात, एक बाइक तोड़ी, बाल-बाल बचा युवक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोरबा

कोरबा जिले में तीन हाथी सड़क पार कर रहे थे, इसी दौरान राहगीरों ने हल्ला मचाना शुरू कर दिया, जिससे गुस्साए हाथी ने सड़क पर जमकर उत्पात मचाया, जिसके चलते सड़क के दोनों तरफ यात्री बस समेत अन्य वाहनों की लंबी लाइनें लग लगई। वहीं, हाथी के पास से एक बाइक सवार जा रहा था। हाथी का रौद्र रूप देख वह हड़बड़ी में बाइक से नीचे गिर गया। उसने किसी तरह वहां से भागकर अपनी जान बचाई, जिसके बाद हाथी ने बाइक पर अपना सारा गुस्सा निकाला। हाथी ने पटक-पटक कर बाइक को तोड़ दिया। हाथी का रौद्र रूप देखकर सभी लोग डर गए और वहां अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

हाथी आधे घंटे तक सड़क पर इधर से उधर धूमता रहा। हाथी कभी ट्रक को धक्का देता नजर आया तो कभी सड़क के दोनों तरफ वाहन की तरफ दौड़ता रहा। ये पूरा मामला कटघोरा वन मंडल के केंदई रेंज के कापा नावापारा का है। वन कर्मियों ने बताया कि जंगल के रास्ते से आ रहे तीन हाथी सड़क पार कर रहे थे। तभी लोगों ने हाथियों को देख हल्ला मचाना शुरू कर दिया। तीन हाथियों में से एक हाथी सड़क पर ही रूक गया और उसने जमकर उत्पात मचाया।

हाथी का रेस्क्यू कर जंगल की ओर खदेड़ा

घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची और लोगों को समझाया, लेकिन उसके बावजूद भी लोग अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहे थे। हाथी के करीब जाने की कोशिश कर रहे थे। किसी तरह हाथी का रेस्क्यू कर जंगल की ओर खदेड़ा गया तब जाकर लोगों ने और वनकर्मियों ने राहत की सांस ली।कटघोरा डीएफओ निशांत कुमार ने बताया कि 40 हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है, जहां कुछ हाथी झुंड से अलग हो जाते हैं। उसके बाद फिर मिल जाते है ये जो हाथी था वो दंतैल था, जो काफी आक्रामक होते हैं।

पुलिस सिटीजन पोर्टल पर दो और सुविधाएं

भोपाल। आम लोगों की सुविधा और शिकायत के लिए मध्यप्रदेश पुलिस का सिटीजन पोर्टल संचालित है। इसमें अब दो ऑप्शन और जोड़ दिए गए है। पुलिस के सिटीजन पोर्टल पर शिकायत की सुविधा दे दी गई है। आम लोग सिटीजन डॉट एमपी पुलिस डॉट जीओवी डॉट इन में जाकर अपनी शिकायत दर्ज करा सकते है।पुलिस लगातार पोर्टल को अपडेट कर रही है।

ज्योतिष

सबको आजमाया बार-बार
हमें आजमाये सिर्फ एक बार
तंत्र-मंत्र के सम्राट
जिसे होगा ज्ञान वही करेगा काम
सभी समस्याओं का समाधान

बाबा अकबर खान
स्पे. प्रेम विवाह, किया कराया, कारोबार, शादी में रुकावट ग्रहक्लेश, विदेश यात्रा, मुठकरनी, सौतन व दुश्मन से छुटकारा, A to Z सभी समस्याओं का तुरंत समाधान पायें।
9810842229
बी-5, बलराम हाऊस, मिलने सिनेमा के सामने, करमपुरा, नई दिल्ली-110015

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्प्ले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

पूर्वोत्तर रेलवे
ई-टेन्डरिंग निविदा सूचना सं. 35/2024

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिये मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) पूर्वोत्तर रेलवे, इज्जतनगर निम्नलिखित कार्य हेतु आनलाईन (ई–टेन्डरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते है:–

क्रम सं.-1, कार्य का विवरण: ऑपरेटिंग ट्रेनिंग स्कूल इज्जतनगर में सुधार कार्य (एम.डी..टी. आई के लिये नये मेस भवन एवं शौचालय सुधार का प्रावधान) अनुमानित लागत रूपयों में: ₹ 64,29,616.94, बयाना राशि रूपयों में: ₹ 1,28,600/-, निविदा प्रपत्र का मूल्य: शून्य, स्वीकृति पत्र जारी होने की तिथि से कार्य पूर्ण करने की अवधि 09 माह।

(1) ई-निविदा दिनांक 01-07-2024 को 15:00 बजे तक आनलाइन जमा कर सकेंगे।

(2) ई-निविदा की प्रस्तुति हेतु पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के IREPS वेबसाईट www.ireps.gov.in पर देखें।

मण्डल रेल प्रबन्धक (इन्जी.),
मुजाधि/डब्लू-112 इज्जतनगर

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

लोकसभा चुनावों के परिणाम उम्मीदों के विपरीत हैं। भाजपा 370 पार नहीं कर सकी और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) भी 400 आंकड़ा पार नहीं कर पाया। नतीजे ने ऐसे चौंकाया कि भाजपा अपने दम पर 273 का सामान्य बहुमत का आंकड़ा भी हासिल नहीं कर सकी, 240 पर अटक गई। भाजपा नीत राजग ने जरूर स्पष्ट बहुमत हासिल किया। सभी एग्जिट पोल्स ध्वस्त हो गए। विपक्षी गठबंधन इंडिया ने आशा से अधिक प्रदर्शन किया और 234 सीटें प्राप्त कीं, लेकिन इंडिया का सरकार बनाने का सपना पूरा नहीं हो सका। कांग्रेस शतक भी नहीं लगा सकी, 99 पर रह गई। इंडिया में सहयोगी दल सपा और डीएमके ने अच्छा प्रदर्शन किया। टीएमसी ने भी पश्चिम बंगाल में अधिक सीटें जीतीं। इस चुनाव में जहां राजग को स्पष्ट बहुमत मिला और नरेन्द्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं। पंडित जवाहर लाल नेहरू के बाद वे दूसरे ऐसे नेता होंगे। विपक्षी गठबंधन इंडिया विपक्ष में रहेगा। राहुल गांधी का नेता के तौर पर कद बढ़ा है। इस बार के नतीजे में सबके लिए संतोष है, सभी दलों व नेताओं को अपनी-अपनी जनशक्ति का पता चला है और डराने-भ्रमित करने वाले नेता भी खारिज हो गए हैं। चुनाव नतीजों व गठबंधन सरकार की चुनौतियों का विश्लेषण करता आजकल का यह अंक...

चुनाव परिणामों में सबके लिए संतोष

विश्लेषण

अवधेश कुमार
वरिष्ठ पत्रकार

लोकसभा का चुनाव परिणाम ऐसा है जिसमें ज्यादातर पार्टियों के पास सार्वजनिक स्तर पर संतोष और प्रसन्नता व्यक्त करने के अनेक आधार हैं। हालांकि कोई भी विश्लेषण करने के साथ ही यह भी ध्यान रखना चाहिए कि लगातार दो बार सरकार में रहते हुए तीसरी बार गठबंधन के साथ सरकार बनाना साधारण परिघटना नहीं है। दूसरी ओर विपक्ष की सम्मिलित सीटों का भाजपा के पीछे रहना भी परिणाम का एक बड़ा पहलू है, लेकिन सच यह भी है कि भाजपा की पिछले लोकसभा चुनाव से 63 सीटें और 80 प्रतिशत मत घटे, लेकिन राजग के साथ उसे बहुमत प्राप्त हुआ। कांग्रेस की सीटें 52 से बढ़कर 99 हो गई, मत प्रतिशत में भी लगभग 1.7% का की वृद्धि हुई।

अठारहवीं लोकसभा का चुनाव परिणाम ऐसा है जिसमें ज्यादातर पार्टियों के पास सार्वजनिक स्तर पर संतोष और प्रसन्नता व्यक्त करने के अनेक आधार हैं। हालांकि कोई भी विश्लेषण करने के साथ ही यह भी ध्यान रखना चाहिए कि लगातार दो बार सरकार में रहते हुए तीसरी बार गठबंधन के साथ सरकार बनाना साधारण परिघटना नहीं है। दूसरी ओर विपक्ष की सम्मिलित सीटों का भाजपा के पीछे रहना भी परिणाम का एक बड़ा पहलू है। लेकिन सच यह भी है कि भाजपा की पिछले लोकसभा चुनाव से 63 सीटें और 80 प्रतिशत मत घटे, लेकिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के साथ उसे बहुमत प्राप्त हुआ। कांग्रेस की सीटें 52 से बढ़कर 99 हो गई, मत प्रतिशत में भी लगभग 1.7% का की वृद्धि हुई। इसके साथ तृणमूल कांग्रेस ने 29 और सपा ने 37 सीटों के साथ अपेक्षा से बेहतर प्रदर्शन किया। महाराष्ट्र में उद्धव ठाकरे को नौ एवं शरद पवार को आठ सीटें ऐसी हैं कि वह भी दुखी नहीं। विपक्ष की ओर से उम्मीद से बुरा प्रदर्शन बिहार में राजद का चार सीटें पाना है। इसी तरह जगनमोहन रेड्डी की वाईएसआर कांग्रेस चार सीटों के साथ बुरी पराजय को प्राप्त हुई। विपक्ष में निराशाजनक प्रदर्शन अरविंद केजरीवाल की आम आदमी पार्टी का भी है, जो कांग्रेस से गठबंधन करने के बावजूद दिल्ली में फिर शून्य पर रही और पंजाब ने भी उसे निराश किया। वह केवल तीन सीटों तक सीमित रही है। भाजपा की ओर देखें तो इसके मुख्य साथियों तेलुगू देशम एवं जनता दल यूनाइटेड का प्रदर्शन अच्छा रहा और निश्चित रूप से इन पार्टियों के अंदर उत्साह का भाव है। चंद्रबाबू नायडू लंबे समय बाद प्रदेश के मुख्यमंत्री बन रहे हैं और विधानसभा में विपक्ष न के बराबर है तथा लोकसभा में भी तेलुगु देशम, भाजपा और जनसेना का ही वर्चस्व है।

निराशा का वातावरण नहीं

वास्तव में इस चुनाव परिणाम के साथ जिस ढंग से विश्लेषण आने शुरू हुए उनमें ज्यादातर एकपक्षीय थे। कांग्रेस, सपा या दूसरी पार्टियां भले कहें कि जनता ने भाजपा को हरा दिया लेकिन आरंभिक विजय उल्लास का शोर मचाने के दो-तीन दिनों बाद उन्हें भी भान हुआ कि इस परिणाम से उनके लिए सत्ता तक पहुंचना मुश्किल है, इसलिए आईएनडीआईए की बैठक में सरकार गठित करने के प्रयासों का फैसला नहीं हुआ। यह इस चुनाव परिणाम पर बहुत बड़ी टिप्पणी है। दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग तथा भाजपा संसदीय दल की बैठक हुई और सबमें सार्वजनिक तौर पर उम्मीद और उत्साह का वातावरण देखा गया। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक 4 जून के परिणाम के साथ उत्पन्न सत्तारूढ़ पक्ष के अंदर निराशा का वातावरण कम से कम सतह पर नहीं दिख रहा और आईएनडीआईए के विजय का शोर भी रुका हुआ है। मतों के हिसाब से देखें तो भाजपा अभी भी 36.5 प्रतिशत के साथ सबसे ऊपर है और कांग्रेस 21.19 प्रतिशत के साथ दूसरे स्थान पर लेकिन दोनों के बीच लगभग 15% का अंतर बताता है कि भारत की राजनीति नरेंद्र मोदी के 10 वर्षों के शासन के बावजूद अभी भी दोनों पार्टियों के लिए कहां-कहां हैं। विपक्ष में सपा को 4.58 प्रतिशत, तृणमूल कांग्रेस को 4.3 प्रतिशत मत मिले हैं। इसके बाद किसी का भी मत प्रतिशत संतोषजनक नहीं है। आप को केवल 1.11 %, तो राजद को 1.57% मत मिला है। वाम दलों में माकपा को 1.76 % मिला।

तीन बहुत बड़े आघात

भाजपा के लिए निश्चित रूप से उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल और महाराष्ट्र तीन बहुत बड़े आघात हैं। अगर उत्तर प्रदेश में ही उसे 32 स्थान और मिल गए होते तो उसे बहुमत प्राप्त हो जाता। उसे 41.37 प्रतिशत वोट मिले हैं जो पिछली बार से करीब 8 प्रतिशत कम है। इस पर गहराई से विचार करने की आवश्यकता है कि ऐसा क्यों हुआ सपा को 33.59 प्रतिशत मत मिले जो आज तक का सबसे बेहतर प्रदर्शन है। कांग्रेस का वोट 6.4 प्रतिशत से बढ़कर 9.46 प्रतिशत हो गया और बसपा का मत 12.8 प्रतिशत से घटकर 9.39 हो गया। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस को 45.76 प्रतिशत तो भाजपा को 38.73 प्रतिशत मत मिला है। दोनों के मतों में पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में यह बहुत बड़ा अंतर है। कम्युनिस्ट पार्टियों ने भी कुल मिलाकर लगभग 6.5 प्रतिशत के आसपास मत प्राप्त किया है जिसमें माकपा 5.67 प्रतिशत है। इसके अलावा कांग्रेस का मत घटकर 4.68 प्रतिशत रह गया है। अगर इन दोनों राज्यों का विश्लेषण करें तो साफ हो जाएगा कि भाजपा के विरुद्ध थोड़े बहुत ही मत बंटे और मुख्य गोलबंदी उत्तर प्रदेश में सपा व कांग्रेस एवं बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के पक्ष में हुआ। महाराष्ट्र में 13 सीटों के साथ कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी है, लेकिन वोट के मामले में भाजपा को 26.18 प्रतिशत तो कांग्रेस को 16.92 प्रतिशत वोट मिले हैं। राकांपा शरद को 10.27 प्रतिशत वोट मिला है तो शिवसेना उद्धव ठाकरे को 16.72 प्रतिशत मिले हैं। इसके परे देखें तो अजित पवार की राकांपा को केवल 3.60 प्रतिशत वोट तथा शिवसेना शिंदे को 12.95 प्रतिशत वोट मिले हैं।

व्यापक असंतोष कहीं नहीं

इन मतों का हम अपने अनुसार विश्लेषण कर सकते हैं। सच यह है कि इस चुनाव में तीन चार पहलू बहुत साफ दिख रहे थे। एक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सरकार के विरुद्ध व्यापक असंतोष कहीं नहीं दिखता था और यह स्थिति नहीं थी कि लोग सरकार को उखाड़ फेंकना चाहते थे। दूसरी ओर विपक्ष को सत्ता में लाना है ऐसा भी मुखर वातावरण नहीं था। इसके साथ भाजपा और नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में राजग के उम्मीदवारों को हर हाल में जिताना ही है यह वातावरण भी ज्यादातर जगह नहीं था, किंतु एक बात अनेक जगह थी जहां भाजपा के कार्यकर्ता, स्थानीय नेता और प्रतिबद्ध समर्थक या तो उदासीन होकर निष्क्रिय थे या फिर मन से काम नहीं कर रहे थे या विरोध में थे। 500 वर्षों के बाद अयोध्या में श्रीराम मंदिर का निर्माण हुआ, रामलला की प्राण प्रतिष्ठा हुई, पूरे देश में अभूतपूर्व वातावरण बना, दुनिया भर में भारत विरोधी आतंकवादी मारे जा रहे हैं, भारत विश्व स्तर पर प्रभावशाली भूमिका में है, अर्थव्यवस्था विश्व में सबसे तेज गति से बढ़ रही है, भविष्य की तस्वीरें शानदार हैं। बावजूद अगर भाजपा के लोगों और समर्थकों में सरकार को पूरे देश में हर जगह भारी बहुमत से जीतने के लिए उत्साह से काम करने की प्रेरणा नहीं है और अनेक जगह वे विरोध में है तो यह बहुत बड़ी बीमारी का ही परिणाम हो सकता है जिसकी गहराई से समीक्षा नहीं करने पर भाजपा के लिए आगे बड़ा संकट हो सकता है। गठबंधन सरकार चलाने की मजबूरी में पार्टी का जनाधार घटने का जोखिम रहता है, खासकर भाजपा जैसी विचारधारा और बहुमत में भावुकता से काम करने वाले कार्यकर्ताओं वाली पार्टी को। वैसे प्रधानमंत्री मोदी एवं गठबंधन नेताओं के भाषणों से संतुलन व समन्वय का संदेश निकला है। बावजूद ओडिसा, मप्र, गुजरात, बिहार, दिल्ली, हिमाचल, उत्तराखंड, तेलंगाना आदि में भाजपा का शानदार प्रदर्शन बताता है कि नरेंद्र मोदी नाम, विचार और कार्य व्यवहार का प्रभाव काफी हद तक कायम है। हालांकि कांग्रेस के लिए यह चुनाव विजय उत्सव जैसा नहीं है, क्योंकि लगातार तीन चुनावों में भी वह 100 सीटों के नीचे है तो सत्ता में आने योग्य सीट पाने में उसे कितने वर्ष लगेंगे। यह भी ध्यान रखिए कि भाजपा के साथ जिन 215 सीटों पर उसका सीधा मुकाबला हुआ उनमें 153 पर वह पराजित हुई। पिछली बार 190 सीटों की सीधी टक्कर में भाजपा ने 175 सीट हासिल की थी। भाजपा ने 441 सीटों पर उम्मीदवार उतारे और उसके जीत का दर 55 प्रतिशत से ज्यादा रहा जबकि कांग्रेस ने 328 में केवल 30 प्रतिशत उम्मीदवारों को सफलता दिलाई। इसके विपरीत सपा ने 62 सीटों पर उम्मीदवार उतारे और 37 सीट का अर्थ है कि 60 प्रतिशत विजय।

चुनाव परिणाम के डरावने पक्ष भी

इस चुनाव परिणाम के डरावने पक्ष भी है। पंजाब से इंदिरा गांधी की हत्या करने वाले सुरक्षाकर्मी बेअंत सिंह के बेटे सरबजीत सिंह, आतंकवाद के आरोपों में जेल में बंद अमृतपाल सिंह और कश्मीर से शेख अब्दुल रशीद उर्फ इंजीनियर रशीद का चुनाव जीतना क्या हमें डराता नहीं है? अमृतपाल खजूर साहब से और राशिद जम्मू कश्मीर की बारामूला सीट से जीत गया है। वह आतंकवाद के वित्त पोषण के आरोप में 9 अगस्त, 2019 से तिहाड़ जेल में बंद है। अमृतपाल को अप्रैल 2023 में राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के अंतर्गत गिरफ्तार कर असम की डिब्रूगढ़ जेल भेज दिया गया था। दोनों जेल में हैं, लेकिन चुनाव जीत गए। सरबजीत सिंह खालसा पूरे चुनाव में यही कहता रहा कि जिस प्रधानमंत्री ने श्री अकाल तख्त साहब को उठाया यदि उसका पोता सांसद बन सकता है तो इस अपमान का बदला लेने वाले बेअंत सिंह का बेटा संसद में क्यों नहीं जा सकता। इसके अनुसार अगर लोगों ने मतदान किया तो यह मतदाताओं के सामान्य मनोविज्ञान का परिचायक नहीं है। इसी तरह चुनाव में जाति का बोलबाला और उसके अनुसार आए परिणाम भी बहुत कुछ सोचने को विवश करता है। अभी चुनौतियां और भी हैं।

वैश्विक पटल पर मुखर रहेगा भारत

कूटनीति

प्रभात कुमार रॉय
विदेश मामलों के जानकार

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में सशक्त नेता की छवि वाले नरेन्द्र मोदी को राजनीतिक तौर पर अपेक्षित सफलता नहीं मिली, जिसकी चाह थी। मोदी की पूरी ताकत झोंकने के बावजूद उनकी अपनी ही पार्टी भाजपा को अपने दम पर लोकसभा में पूर्ण बहुमत हासिल नहीं हुआ। नेशनल डेमोक्रेटिक एलाइंस (एनडीए) भी पिछली दफा 2019 के चुनाव में हासिल 353 सीटों की तुलना में इस बार केवल 293 सीटों पर सिमट गया। एनडीए को बहुमत जरूर मिला है और नरेन्द्र मोदी ही एनडीए सरकार के मुखिया होंगे, पर इस बीच यक्ष प्रश्न है कि मोदी के राजनीतिक तौर पर कमजोर होने पर दुनिया के पटल पर भारत की स्थिति कैसी और क्या होगी? विशेष तौर पर अमेरिका और पश्चिमी देशों में भारत की विराट छवि पर क्या कुछ असर पड़ेगा अथवा नहीं? तो जवाब है कि विदेश नीति के मोर्चे पर चाहे कोई प्रधानमंत्री ताकतवर जनादेश से सत्ता में आए अथवा कमजोर जनादेश से, विश्व पटल पर भारत की हैसियत कदाचित कम नहीं होगी। पूंजी निवेश के लिए भारत आकर्षक गंतव्य बना है और बना रहेगा। भाजपा के घोषणा पत्र में भारत को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब बनाने का वादा है और अगले पांच वर्ष के दौरान इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए समुचित प्रयास किया जाएगा। अगले पांच वर्ष में भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था निर्मित करने का लक्ष्य प्राप्त करने की कोशिश भी होगी।

भारत पश्चिम के लिए महत्वपूर्ण

भारत वस्तुतः अमेरिका और पश्चिम देशों के लिए सदैव एक अत्यंत महत्वपूर्ण देश रहा है। भारत को लेकर तो अमेरिका की कूटनीतिक सोच एकदम स्पष्ट है कि वह विश्व पटल पर चीन की विकट शक्ति को संतुलित करने के लिए भारत को एक बहुत ही महत्वपूर्ण देश स्वीकार करता आया है। अमेरिका के अनेक वरिष्ठ राजनेता व्यक्तिगत रूप से नरेंद्र मोदी को पसंद नहीं करते, तो कुछ अमेरिकी राजनेता मोदी के बेहद निकट भी माने जाते हैं। भविष्य में भारत अगर चीन के विरुद्ध अमेरिका के पक्ष में सन्नद्ध हो जाता है तो पश्चिम और अमेरिका का दबदबा यक़ीनन बढ़ जाएगा और 21वीं सदी में काफी दिनों तक दबदबा कायम भी रह सकता है। दूसरा पहलू यह भी है कि यदि भारत अमेरिका के विरुद्ध रूस के साथ प्रतिबद्धता के साथ खड़ा हो जाए तो फिर पश्चिम का प्रभुत्व इसी सदी में जल्द ही खत्म हो जाएगा। नरेंद्र मोदी का तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना अमेरिका और पश्चिमी देशों के लिए बड़ी उम्मीद और सावधानी को लेकर आया है। अंतरराष्ट्रीय मामलात के जानकार फरमाते हैं कि प्रधानमंत्री के तौर पर नरेंद्र मोदी के तीसरे कार्यकाल में भारत की विदेश नीति और अधिक शक्तिशाली होकर उभरेगी। निरंतर कमजोर होता हुआ अमेरिका, विस्तारवादी चीन और युद्धरत रूस वैश्विक पटल पर भारत की केंद्रीय भूमिका को और अधिक बढ़ा देंगे। खासकर मददगार देश के रूप में। अंतरराष्ट्रीय राजनीति के अनेक विश्लेषकों का कहना है कि अगले 5 वर्षों में चीन के विरुद्ध सुरक्षा कवच के तौर पर अमेरिका के साथ भारत की रणनीतिक साझेदारी और अधिक शक्तिशाली बन जाएगी। अमेरिका और पश्चिमी देशों के साथ भारत के कूटनीतिक अंतरराष्ट्रीय संबंधों के निरंतर ताकतवर होने के साथ ही भारत में लोकतांत्रिक मूल्यों में कथित गिरावट के विषय में भी गहन चिंताएं पश्चिमी देशों में विद्यमान रही हैं। उल्लेखनीय है कि एक वर्ष पूर्व जब मोदी अमेरिका की ऐतिहासिक यात्रा पर गए थे तो अमेरिका के 70 से अधिक सांसदों ने अपने राष्ट्रपति को एक पत्र लिखा था। इस पत्र में आग्रह किया गया था कि

राष्ट्रपति जो बाइडेन भारत में लोकतंत्र के अधोपतन और प्रेस की आजादी को बाधित करने पर अपनी गहन चिंता व्यक्त करें। पश्चिमी देशों में मोदी के आलोचक सवाल उठाते रहे हैं कि भारत में लोकतांत्रिक उदारता में गिरावट आई है, जबकि चुनावी लोकतंत्र शक्तिशाली हुआ है। पश्चिमी देशों का नजरिया है कि भारत की विदेश नीति काफी कुछ आक्रामक हो चुकी है। अमेरिका और कनाडा में अनेक खालिस्तानी आतंकवादियों की हत्याओं को लेकर पश्चिम में काफी नाराजगी प्रकट की जा रही है। मोदी के राजनीतिक तौर पर कमजोर हो जाने से उनके पश्चिमी आलोचक खुश हैं, क्योंकि अमेरिका और कनाडा में ऐसा माना जा रहा है कि भारत की खुफिया एजेंसी का खालिस्तानियों की हत्याओं में हाथ हो सकता है। अमेरिका और यूरोप में भारतीय समुदाय को इस बात की खुशी है कि मोदी तीसरी बार भारत की कमान संभाल रहे हैं, हालांकि इस दफा वे गठबंधन के साथ हैं। भारतीय प्रधानमंत्री के रूप में हैट्रिक कायम करने वाले नरेंद्र मोदी को लेकर पाकिस्तान में अधिक रुचि देखने को मिलती है। पाकिस्तानी जनता भारत के चुनाव के प्रति कदाचित उदासीन नहीं है जैसा कि आमतौर पर समझा जाता है। विगत वर्षों में मोदी ने पाकिस्तान के प्रति आक्रामक रणनीति को अपनाया है। पाकिस्तान का सोचना है कि मोदी के नेतृत्व में भारत और पाकिस्तान के बहुत बिगड़े हुए रिश्ते के सुधारने की कोई उम्मीद नहीं की जा सकती है। इसके बावजूद पाकिस्तान का सोशल मीडिया मोदी के शासन काल में भारत के आर्थिक विकास और इंफ्रास्ट्रक्चर और निर्माण क्षेत्र के विकास की भरपूर प्रशंसा भी करता रहा है। पाकिस्तान के नीति नियंता सैन्य जनरल और राजनेताओं का कहना है कि नरेंद्र मोदी इस्लामीफोबिया के पैरोकारों में शामिल हैं। भारत-पाक के मध्य कश्मीर विवाद को लेकर और अधिक तनाव बढ़ सकता है। ऐसा प्रतीत होता है है कि भारत विश्व पटल पर पाकिस्तान को लगातार अलग-थलग रखने की अंतरराष्ट्रीय कोशिशें जारी रखेगा।

बांग्लादेश में स्वागत

बांग्लादेश में नरेंद्र मोदी के तीसरी दफा प्रधानमंत्री बनने काफी गर्मजोशी से स्वागत किया गया है। वर्ष 2014 में जब से नरेंद्र मोदी की सरकार हिंदुस्तान में आई दोनों देशों के बीच रिश्ते काफी घनिष्ठ और गर्मजोशी वाले बने रहे हैं। इसी दौरान दोनों देशों के बीच दशकों से चल रहे हैं अनेक विवाद सुलझाए गए हैं। शेख हसीना ने हमेशा ही फरमाया है कि बांग्लादेश किसी पार्टी विशेष के स्थान पर भारत सरकार के साथ संबंधों को शक्तिशाली बनाए रखने को प्राथमिकता देता है।

नेपाल में उत्सुकता

भारत के आम चुनाव को लेकर नेपाल में भी बहुत ज्यादा उत्सुकता बनी रही। प्रायः देखा गया कि दिल्ली में किसी भी राजनीतिक दल की सत्ता रहे दोनों देशों के बीच आर्थिक, सामाजिक और सांस्कृतिक संबंधों पर बहुत अधिक असर नहीं पड़ता। भारत में हिंदुत्व के एजेंडे से जुड़ी पार्टी के सत्तासीन होने का नेपाल में हिंदू राज की पुरानी विरासत को फिर से पुनर्जीवित करने में रुचि रखने वाले राजनेताओं की सक्रियता बढ़ जाती है। 2014 में पहली बार नरेंद्र मोदी के सत्तासीन होने के पश्चात नेपाल में भूकंप में भारत द्वारा नेपाल की जबरदस्त मदद की गई। नेपाल में अंजाम दी गई आर्थिक नाकाबंदी के बाद भारत और नेपाल के संबंधों में खटास आई। अग्निवीर योजना के कारण भारतीय सैन्य सेवा में गोरखा सैनिकों की भर्ती बाधित हुई है। चिंता का विषय है कि साम्यवादियों के नेतृत्व में नेपाल का झुकाव चीन की तरफ निरंतर बढ़ रहा है। नेपाल के सेंट्रल बैंक में अभी पांच करोड़ मूल्य के पुराने भारतीय नोट पड़े हैं, जिन्हें 2016 में अंजाम दी गई नोटबंदी के कारण भारत सरकार द्वारा स्वीकार करने से इंकार कर दिया था। वर्तमान भारत की विदेश नीति विश्व मैत्री और विश्व शांति पर आधारित है यह पूर्वाग्रह से पूर्णतः मुक्त है और सैन्य गुटबंदियों से भी से भी एकदम मुक्त है। **शक्ति संतुलन** : अपनी तीसरी पारी में नरेन्द्र मोदी बहुध्रुवीय विश्व के सभी शक्ति केंद्रों के साथ संतुलन बनाकर रखेंगे, वैश्विक शांति के प्रयास करते रहेंगे,मदद का हाथ बढ़ाते रहेंगे और भारतीय हितों के अनुरूप ट्रेड व सामरिक संबंधों को मजबूत करते रहेंगे।

जनादेश में पक्ष-विपक्ष दोनों को संदेश

चुनाव परिणाम

अंजलि मिश्रा
राजनीतिक विश्लेषक

लोकसभा चुनाव के परिणामों की पक्ष-विपक्ष अपनी-अपनी तरह से व्याख्या कर रहा है। मगर नरेंद्र मोदी की लोकप्रियता के सर्वोच्च शिखर रथ पर सवार होने के बावजूद भाजपा अपने दम पर जिस तरह बहुमत से पिछड़ गई उसका संदेश है कि जनादेश केवल गठबंधन सरकार बनाने का ही नहीं है, बल्कि मजबूत विपक्ष का भी है। लोकसभा में सत्ताधारी एनडीए और विपक्षी गठबंधन इंडिया को मिले सीटों के आंकड़े इस आशय की तस्दीक भी करते हैं कि जनता देश में लोकतंत्र की मजबूती हर हाल में सुनिश्चित करना चाहती है और प्रचंड बहुमत की सत्ता के खतरों को लेकर वह सजग ही नहीं बेहद सतर्क भी है।

देश के संविधान की आत्मा के अनुरूप सत्ता-संचालन के स्पष्ट संदेश का यह जनादेश मोदी और भाजपा के लिए बदली परिस्थितियों में नई तरह की राजनीति के दौर शुरू करने के लिए है। जिसमें सत्ता टकराव की जगह समभाव रखते हुए व्यापक आम सहमति की राजनीति की राह पर चले, जहां पक्ष-विपक्ष एक दूसरे के दुश्मन नहीं बल्कि राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी होते हुए भी राष्ट्र की लोकतांत्रिक प्रगति और विकास के दो अटूट पहिए के रूप में दिखाई पड़ें। विभाजनकारी राजनीति के ज्वर से देश के सामाजिक और लोकतांत्रिक ताने-बाने को होने वाले गंभीर नुकसान को लेकर जनता ने ध्रुवीकरण की राजनीति को खारिज करते हुए लाल झंडी दिखा दी है। राम जन्म भूमि मंदिर निर्माण की नगरी अयोध्या, प्रयागराज, रामटेक, रामेश्वरम-कन्याकुमारी से लेकर हमारे ऐतिहासिक धार्मिक नगरों के चुनावी नतीजों में भाजपा की पराजय से बड़ा इसका कोई दूसरा सबूत नहीं हो सकता कि लोगों की आस्थाओं को सत्ता-सियासत का औजार बनाने के उपक्रम को जनता बखूबी समझ जाती है। जनता के समर्थन से सिंहासन पर आसीन होने के बाद जनता की सेवा ही सरकार का दायित्व है। यह बात राजनेताओं और राजनीतिक पार्टियों को समझने की जरूरत है।

लोकसभा चुनाव के नतीजों ने जहां भाजपा को देश की वास्तविकता के स्वरूप से रूबरू कराया है वहीं इंडिया गठबंधन की अगुवाई कर रही विपक्ष की सबसे बड़ी पार्टी कांग्रेस को इसने राहत दी है। पिछली दो लोकसभा में मुख्य विपक्षी दल का आधिकारिक दर्जा हासिल करने लायक सीटें जुटाने में असफल रही कांग्रेस ने 2024 में 99 सीटों के साथ शतक की दहलीज पर पहुंच गई है। चुनाव अभियान के दौरान जब पीएम मोदी और अमित शाह से लेकर भाजपा के तमाम शीर्ष नेता उनके 400 सीटों के दावे के मुकाबले में कांग्रेस को 40 सीटें भी नहीं मिलने की भविष्यवाणी कर रहे थे, तब मुख्यधारा की मीडिया से लेकर तमाम चुनावी विशेषज्ञ इसमें छौंक लगाते हुए देश के कांग्रेस मुक्त होने की टीका-टिप्पणी करने से भी गुरेज नहीं कर रहे थे। मगर नतीजों ने

साबित कर दिया है कि कांग्रेस पार्टी देश में भाजपा के मजबूत विकल्प के रूप में न केवल कायम है बल्कि उसकी वैचारिक धारा को समाप्त करने के प्रयासों को जनता स्वीकार नहीं करेगी। इसमें दो राय नहीं कि कांग्रेस व इंडिया की सफलता में राहुल गांधी की भूमिका अहम है। कन्याकुमारी से कश्मीर और मणिपुर से मुंबई तक की उनकी भारत जोड़ो तथा भारत जोड़ो न्याय यात्राओं ने कांग्रेस की कायापलट की इस कहानी का सियासी आधार तैयार करने में अहम भूमिका निभाई है। इसका एक अर्थ यह भी है कि देश की राजनीति में आने वाले समय में जनता राहुल गांधी की ज्यादा व्यापक और बड़ी भूमिकाओं में निरंतर सक्रिय देखना चाहती है। कांग्रेस कार्यसमिति की शनिवार को हुई बैठक में सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर राहुल गांधी से लोकसभा में नेता विपक्ष बनने का किया गया आग्रह जनता की ऐसी ही आकांक्षाओं के अनुरूप है। कार्यसमिति के प्रस्ताव का संदेश साफ है कि राहुल गांधी 18वीं लोकसभा में नेता विपक्ष की जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं। चुनाव में अपनी राजनीतिक क्षमता का दमखम दिखाने के बाद राहुल नेता विपक्ष का पद संभालते हैं तो इसका दोहरा संदेश जाना तय है। पहला जहां इसके जरिए वे विपक्षी गठबंधन के भविष्य में प्रधानमंत्री पद के स्वाभाविक चेहरा होंगे। दूसरा भाजपा-संघ के वैचारिक तंत्र की ओर से बार-बार उनको एक अनिच्छुक राजनेता बताने के दुष्प्रचार पर संपूर्ण विराम लग जाएगा। लोकसभा चुनाव के दौरान राहुल गांधी ने सीधे-सीधे प्रधानमंत्री मोदी की सरकार पर जिस तरह आक्रामक हमले कर उनके अभेद्य-अपराजेय होने की धारणा को लगभग तोड़ा है उसे देखते हुए संसद के भीतर नेता विपक्ष के रूप में वे 'इंडिया' के लिए अहम साबित हो सकते हैं। हालांकि इस क्रम में राहुल को तृणमूल कांग्रेस तथा आम आदमी पार्टी जैसे इंडिया के कुछ घटक दलों के साथ रिश्ते सहज रखने की चुनौती होगी, क्योंकि ये दोनों दल विपक्षी गठबंधन का हिस्सा होते हुए भी कांग्रेस का वर्चस्व स्वीकार करने से हिचकते रहे हैं।

कांग्रेस इंडिया गठबंधन लोकसभा में अपनी ताकत के सहारे जहां सरकार को मनमाने फैसले लेने से रोकने में सक्षम है। वहीं यह भी तय है कि देश के विकास व राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े मुद्दों और सवालों पर विपक्ष सकारात्मक भूमिका निभाएगा, क्योंकि कम से कम कांग्रेस और राहुल राष्ट्रहित और राजनीतिक हित को अलग-अलग रखने की अहमियत को जानते हैं।

नई लोकसभा के स्वरूप से यह भी सुनिश्चित हो गया है कि राजनीति पाला बदल के प्रयासों की आशंका हमेशा बनी रहेगी। पक्ष और विपक्ष दोनों इसको लेकर सतर्क रहेगा। भाजपा अपने चेहरे को एनडीए के सहारे लोकसभा अध्यक्ष बनाने के लिए हर दांव चलेगी। वहीं इंडिया गठबंधन गैर भाजपा दल से स्पीकर बने इसका प्रयास करेगा, ताकि सांसदों को तोड़कर सदन में बहुमत का आंकड़ा जुटाने जैसे खेल के खतरों को कम किया जा सके। भाजपा के लिए इसमें चुनौती होगी, क्योंकि उसके दो एनडीए सहयोगी तेलुगु देशम और जदयू दोनों पार्टियों में तोड़-फोड़ की सियासत से लेकर ध्रुवीकरण को हवा देने वाले एजेंडे को सहज रूप में स्वीकार्य नहीं करेंगे। ऐसे में प्रधानमंत्री मोदी के लिए तीसरा कार्यकाल उनके राजनीतिक कौशल की असल परीक्षा का दौर होगा। वे अपने राजनीतिक जीवन में पहली बार असल में गठबंधन की चुनौतियों से रूबरू होंगे। मोदी के नेतृत्व में निस्संदेह देश आगे बढ़ेगा।

दिल्ली में दो दिन नो फ्लाइंग जोन घोषित, तीन स्तरीय सुरक्षा के साए में रहेगी

दिल्ली छावनी में तब्दील, सुरक्षा के कड़े इंतजाम, धरती से लेकर आकाश तक पुलिस के जवान कर रहे चौकसी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी के लगातार तीसरे शपथ ग्रहण को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने रविवार से दो दिन (9 व 10 जून) तक राष्ट्रीय राजधानी को उड़ान प्रतिबंधित क्षेत्र (नो फ्लाइंग जोन) घोषित किया है।

इस दौरान पैराग्लाइडर, पैरा-मोटर्स, हैंग ग्लाइडर, यूएवी, यूएएस, हॉट एयर बलून, माइक्रोलाइट एयरक्राफ्ट और रिमोट से संचालित विमानों की उड़ान पर प्रतिबंध रहेगा। लापरवाही पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली पुलिस आयुक्त संजय अरोड़ा ने निषेधाज्ञा आदेश जारी करते हुए कहा कि ऐसी सूचना है कि भारत विरोधी कुछ आपराधिक, असामाजिक तत्व या आतंकवादी आम जनता, गणमान्य व्यक्तियों और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठानों की सुरक्षा के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं।

दिल्ली क्षेत्र को नो फ्लाइंग जोन घोषित करने के साथ इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे और अन्य संवेदनशील क्षेत्रों के पास ड्रोन और लेजर बीम गतिविधियों को रोकने के लिए भी निषेधाज्ञा लागू की गई है। बड़ी संख्या में दिल्ली पुलिस व सुरक्षाकर्मियों को तैनात किया जा रहा है।

आज मोदी का शपथ ग्रहण समारोह

चप्पे-चप्पे पर पुलिस, 500 सीसीटीवी कैमरे

कार्यवाहक पीएम मोदी रविवार को राष्ट्रपति भवन में तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेंगे। ऐसे में संसद भवन, राष्ट्रपति भवन और नार्थ साउथ ब्लॉक के चप्पे-चप्पे में सुरक्षाकर्मी तैनात रहेंगे। सुरक्षा एजेंसियां इस पूरे इलाके की 500 सीसीटीवी कैमरों से नजर रखेंगी। कर्तव्यपथ थाने में एक कंट्रोल रूम भी बनाया गया है। जहां पर पुलिस अधिकारी हर छोटी-बड़ी मूवमेंट पर अपनी नजर बनाए रखेंगे।

कई लेयर की सुरक्षा के इंतजाम

शपथ समारोह के लिए दिल्ली पुलिस खास तैयारियों में जुटी हुई है। रविवार दोपहर 2 बजे के बाद राष्ट्रपति भवन और उसके आस-पास कंट्रोल एरिया बना दिया जाएगा। पुलिस के अधिकारियों की माने तो इस दौरान कई लेयर की सुरक्षा के इंतजाम किए जाएंगे।

ऊंची इमारतों पर तैनात रहेंगे स्नाइपर

राष्ट्रपति भवन की सुरक्षा के लिए अर्धसैनिक बलों की 5 कंपनी तैनात हैं। एनएसजी कमांडो, ड्रोन और स्नाइपर भी ऊंची इमारतों पर तैनात रहेंगे। पूरी राजधानी हाई अलर्ट पर रहेगी। खुफिया एजेंसियों के कंधों पर विदेशी मेहमानों की सुरक्षा की जिम्मेदारी भी रहेगी। कई विदेशी मेहमान समारोह में शामिल होंगे।

होटलों की सुरक्षा बढ़ाई

सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इसके अलावा विदेशी मेहमान जिन होटल में रुकेंगे उन होटल की भी सुरक्षा बढ़ा दी गई है। दिल्ली पुलिस के मुताबिक, राष्ट्रपति भवन के आस-पास के इलाके को कंट्रोल एरिया बनाया गया है। इसमें संसद मार्ग, रफी मार्ग, रायसीना रोड, राजेंद्र प्रसाद रोड, मदर टेरेसा क्रीसेंट और सरदार पटेल मार्ग में प्रोग्राम के दौरान सिर्फ जिन गाड़ियों पर पास होगा वो ही आ पाएंगी।

खबर संक्षेप

वायनाड से चुनाव लड़ेंगी प्रियंका गांधी!

नई दिल्ली। लोकसभा में इस बार राहुल गांधी को वायनाड के साथ ही रायबरेली से भी जीत मिली है।

दोनों सीटों से मिली पर राहुल को एक सीट छोड़ना पड़ेगा। ऐसे में खबर है कि राहुल परिवार की पुश्तैनी सीट रायबरेली अपने पास रखेंगे और वायनाड सीट को वे छोड़ देंगे। आधिकारिक बयान नहीं है। यहां से प्रियंका गांधी को चुनाव मैदान में उतारा जा सकता है।

उद्धव के 2 सांसद हमारे साथ जुड़ने को तैयार: नरेश

मुंबई। शिवसेना ने शनिवार को दावा किया कि उद्धव ठाकरे की शिवसेना के दो नवनिर्वाचित

लोकसभा सदस्य मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के संपर्क में हैं।श शिवसेना प्रवक्ता नरेश म्हास्के ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में दलबदल विरोधी कानून का हवाला देते हुए सदस्यों का नाम लेने से इनकार कर दिया। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के साथ जल्द ही चार और सांसद जुड़ जाएंगे।

कभी भी बन सकती है इंडी की सरकार: ममता

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में भाजपा के खिलाफ अपनी पार्टी की बड़ी जीत से उत्साहित टीएमसी

प्रमुख ममता बेनर्जी ने कड़ा संकेत दिया है कि इंडी गठबंधन जल्द ही केंद्र की सत्ता संभाल सकता है। सरकारें कभी-कभी केवल एक दिन के लिए ही चलती हैं। यह बयान तब आया है जब नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं।

श्रद्धालुओं से भरी बस पलटी, तीन की मौत

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश के फिरोजाबाद में शनिवार तड़के साढ़े तीन बजे आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस वे पर हादसा हो गया। यहां

छत्तीसगढ़ के श्रद्धालुओं से भरी बस पलट गई। इस हादसे में दो बच्चों समेत तीन लोगों की मौत हो गई और 30 से ज्यादा लोग घायल हो गए। बताया जा रहा है कि चालक को नींद की झपकी आने की वजह से ये हादसा हुआ है।

सपा के वरिष्ठ नेता डीपी यादव ने की आत्महत्या

मुरादाबाद। उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद में समाजवादी के पूर्व जिला अध्यक्ष ने गोली मारकर

आत्महत्या कर ली है। सपा के पूर्व जिला अध्यक्ष डीपी यादव ने खुद को एक कमरे में गोली मारकर आत्महत्या की है। वे शुरू से सपा के साथ थे। हाल ही में उन्हें जिला अध्यक्ष पद से हटाया गया था। यह घटना मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के बुद्ध विहार कॉलोनी में हुई।

प्यासी दिल्ली पर राजनीतिक गरमाहट बढ़ी, सुप्रीम कोर्ट ने दिया था 3 राज्यों को आदेश

दिल्ली में अब तक नहीं पहुंचा हिमाचल का पानी, आज पहुंचने के संकेत मिले

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हिमाचल ने दिल्ली के लिए 137 क्यूसिक अतिरिक्त पानी छोड़ दिया है। हरियाणा ने भी यह राह सुगम बना दी है, लेकिन इसके बावजूद सियासत थमने का नाम नहीं ले रही। दिल्ली के लिए हिमाचल से पानी छोड़ने पर भी सियासत जारी।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर हिमाचल प्रदेश ने दिल्ली के लिए 137 क्यूसिक पानी छोड़ना शुरू कर दिया है। बताया जा रहा है कि रविवार शाम तक यह अतिरिक्त पानी दिल्ली के वजीराबाद बैराज तक पहुंच जाएगा। दिल्ली सरकार ने इस अतिरिक्त पानी का इस्तेमाल करने की प्लानिंग भी तैयार कर ली है। उधर, हरियाणा भी सुचारू रूप से जलप्रवाह को सुगम बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट दोबारा से इस मामले पर सुनवाई करके ताजा स्थिति की समीक्षा करेगा। हिमाचल और हरियाणा के सहयोग से दिल्ली का पेयजल संकट पूरी तरह खत्म हो जाएगा इस पर भी राजनीतिक बयानबाजी चल रही है। बताया जा रहा है कि इतने पानी से दिल्ली की प्यास बुझना नामुमकिन लग रहा है। फिर भी न्यायालयीन आदेश का पालन करते हुए हिमाचल ने पानी छोड़ना शुरू कर दिया है।

दिल्ली को चाहिए रोजाना 129 करोड़ गैलन पानी

दिल्ली जल बोर्ड के मुताबिक, राज्य को प्रतिदिन 129 करोड़ गैलन पानी की जरूरत है। एक गैलन में करीब चार लीटर पानी होता है। गर्मियों में दिल्ली को केवल 96.9 करोड़ गैलन पानी की रोजाना आपूर्ति हो रही है। देखा जाए तो दिल्ली की सवा दो करोड़ आबादी को रोजाना 129 करोड़ गैलन पानी चाहिए, लेकिन आपूर्ति केवल 96.9 करोड़ गैलन पानी ही मिल पा रहा है।

गंगा, यमुना और भाखरा नांगल से भी मिल रहा पानी

दिल्ली को यूपी से गंगा नदी, हरियाणा से यमुना नदी और पंजाब से भाखरा नांगल का पानी मिलता है। 2023 की एक रिपोर्ट बताती है कि यमुना से 38.9 करोड़ गैलन, भाखड़ा नांगल से 22.1 करोड़ गैलन और गंगा नदी से 25.3 करोड़ गैलन पानी क्रमशः हरियाणा, पंजाब और यूपी से रोजाना दिल्ली को मिलता है। इसके अलावा भूमिगत जलस्रोतों से 9 करोड़ गैलन पानी दिल्ली को मिलता था।

कल सुप्रीम कोर्ट करेगा सुनवाई

कोर्ट ने कहा कि हरियाणा सरकार हिमाचल से मिल रहे जल प्रवाह को बिना किसी बाधा के दिल्ली के वजीराबाद तक आने दे, ताकि दिल्ली के लोगों को पीने का पानी मिल सके. साथ ही यमुना रिवर फ्रंट बोर्ड इस बात पर ध्यान देगा कि कितना पानी आया है। सोमवार को सुप्रीम कोर्ट सुनवाई करेगा। कोर्ट ने कहा कि सोमवार को सभी पक्ष अपनी रिपोर्ट दाखिल करें। कोर्ट ने कहा कि अपर यमुना फ्रंट बोर्ड हरियाणा सरकार के साथ मिलकर ये देखेगा कि कितना पानी आया है। हरियाणा सरकार के वकील ने कहा कि उन्होंने कुछ शॉर्ट्स नोट्स बनाए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने हरियाणा सरकार को कहा कि आप केवल पानी अपलोड करें।

दिल्ली सरकार पानी की बर्बादी को रोके

सुप्रीम कोर्ट ने छह जून को दिल्ली पेयजल संकट पर सुनवाई करते हुए हिमाचल को आदेश दिया था कि इस पूरे महीने रोजाना 137 अतिरिक्त पानी दिल्ली के लिए छोड़ना है। हरियाणा को आदेश दिया था कि हिमाचल से वजीराबाद तक इस पानी में बाधा नहीं आनी चाहिए। यही नहीं, दिल्ली सरकार को भी चेतावनी दी थी कि किसी भी तरह से पानी की बर्बादी नहीं होनी चाहिए। इसके अलावा सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को चेताया था कि पानी के मुद्दे पर राजनीति नहीं होनी चाहिए। लेकिन, आदेश के एक दिन बाद ही इस पर राजनीति शुरू हो गई।

भाजपा और आप आपस में भिड़ी

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बावजूद आम आदमी पार्टी और भाजपा आपस में भिड़ गईं। दिल्ली की जलमंत्री आतिशी ने वजीराबाद बैराज का दौरा किया और हरियाणा पर पानी किल्लत का षड्यंत्र रचाने का आरोप लगा दिया। वहीं दिल्ली के भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने भी पेयजल संकट के लिए आप को जिम्मेदार ठहरा दिया था। आतिशी का दावा है कि इस बार दिल्ली को केवल 96.9 करोड़ पानी मिल पा रहा है। उधर, हरियाणा का दावा था कि हम दिल्ली को अपने हिस्से का पर्याप्त पानी दे रहे हैं। इस पर भाजपा ने आरोप लगाया था कि दिल्ली सरकार पानी की बर्बादी रोकने की बजाए राजनीति कर रही है।

शाह से मिले महाराष्ट्र के नेता

सफलता के अनेक पिता होते हैं, हार का एकः फड़णवीस

एजेंसी ▶▶ मुंबई/नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव परिणाम की समीक्षा चल रही है। 48 लोकसभा सीटों वाले महाराष्ट्र में भाजपा का प्रदर्शन इस बार उम्मीद से काफी कम रहा। डिप्टी सीएम देवेंद्र फड़णवीस ने पार्टी के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी लेते हुए पद छोड़ने की पेशकश की थी। फड़णवीस की अमित शाह से मुलाकात भी हुई थी।

शनिवार को फड़णवीस ने कहा कि सफलता के अनेक बाप होते हैं, जबकि अपयश का एक ही होता है। उन्होंने कहा कि जब उन्होंने पद छोड़कर पार्टी के लिए काम करने की पेशकश की तो इसे अन्य तरीके से लिया गया। मैंने महाराष्ट्र में हार की जिम्मेदारी ली थी, लेकिन मैं निराश होने वाला नहीं हूं। उन्होंने शिवसेना (यूबीटी) के चीफ उद्धव ठाकरे को लेकर भी बड़ा बयान दिया है।

जो काम चल रहा उसे चलने दीजिए

फड़णवीस ने बताया कि शनिवार को महाराष्ट्र विधानसभा चुनावों को लेकर बैठक हुई। उन्होंने कहा कि नए सिरे से फिर से तैयारी में लगने की जरूरत है। महाराष्ट्र में अपेक्षित सफलता नहीं मिली, इसके कारणों को ढूंढकर उसे दूर करने की जरूरत है। मैंने महाराष्ट्र में हार की जिम्मेदारी ली थी। मैंने कहा कि मुझे सरकार से मुक्त करके संगठन का काम करने का मौका दिया जाए। देवेंद्र निराश होने वाला व्यक्ति नहीं है। फड़णवीस ने कहा कि मैंने शाह से मुलाकात की। शाह ने कहा कि फिलहाल जो काम चल रहा है, उसे चलने दीजिए।

गठबंधन में समन्वय का अभाव रहा

फड़णवीस ने कहा कि कभी-कभी हार होती है, लेकिन हार होने पर एक-दूसरे का सिर न फोड़ें। मैं इस बात को मानता हूं कि हमारे महायुति में समन्वय का अभाव रहा। उन्होंने कहा कि नैरेटिव तैयार करने का काम न हम करेंगे और न ही हमारे सहयोगी। मैंने एकनाथ शिंदे और अपने प्रवक्ताओं को कहा है कि वे जो भी बोले संभलकर बोलें। मैंने अजीत पवार को भी बोला है कि अलग अलग विश्लेषण करने की जरूरत नहीं है, हम सब साथ मिलकर एक ही विश्लेषण करते हैं। फड़णवीस ने कहा कि विधानसभा चुनावों में हम सब मैदान में उतरेंगे और फतह करके दिखाएंगे।

हरी मिर्च से जेबें होंगी 'हरी'

चिकमंगलूर। चिकमंगलूर जिले के बायरापुरा में बारिश के बीच श्रमिक हरी मिर्च तोड़ रहे हैं।

छग में ईडी का छापा

मां-बम्लेश्वरी मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष के घर जांच-पड़ताल

एजेंसी ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद अब फिर से प्रदेश में ईडी की कार्रवाई का सिलसिला शुरू हो गया है। ईडी की टीम ने शनिवार को 2 शहरों में छापेमारी की है। ईडी की टीम ने राजनांदगांव जिले के डोंगरगढ़ शहर में राइस मिलर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज अग्रवाल के यहां छापा मारा है। मनोज मां बमलेश्वरी ट्रस्ट के अध्यक्ष भी हैं। जिनके यहां ईडी की रेड जारी है। छत्तीसगढ़ में एडी की टीम ने कस्टम मिलिंग मामले की

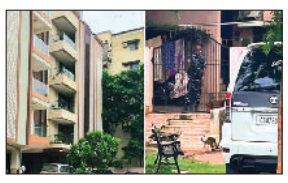

जांच को लेकर छापा मारा गया है। सुबह 5 बजे से राइस मिलर संगठन के अध्यक्ष मनोज के घर कार्रवाई चल रही है। मनोज के घर 2 अलग-अलग गाड़ियों में टीम पहुंची है और घर में दस्तावेज खंगालने काम कर रही है। अभी ये पता नहीं चल पाया है कि ईडी के अधिकारियों ने किस मामले में ये कार्रवाई की है।

जीएसटी नेटवर्क ने उठाया ये कठोर कदम

पान मसाला-तंबाकू कारोबारी कर चोरी करेंगे तो नपेंगे, लगेगा जुर्माना

एजेंसी ▶▶

जीएसटी नेटवर्क ने टैक्स चोरी रोकने के लिए पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के कारोबारियों के लिए एक नया फार्म जारी किया है। इसके जरिए निर्माता कच्चे माल और तैयार माल का ब्योरा कर अधिकारियों को देंगे।

यह नया फॉर्म जीएसटी एसआरएम-2 है। जीएसटीएन ने इससे पहले ऐसे निर्माताओं की मशीनों के पंजीकरण के लिए जीएसटी एसआरएम-1 फॉर्म जारी किया था। जीएसटीएन ने सात जून को अपने करदाताओं को सूचित किया कि फॉर्म जीएसटी एसआरएम-2 नामक दूसरा फॉर्म भी पोर्टल पर उपलब्ध है।

कारोबारियों को किया सावधान

पान मसाला और तंबाकू उत्पादों के निर्माण में शामिल करदाता अब संबंधित महीने के लिए खरीदे गए और खपत किए गए कच्चे माल और तैयार माल का विवरण बता सकते हैं। मूर सिंघी के कार्यकारी निदेशक रजत मोहन ने कहा कि नए फॉर्म जीएसटी एसआरएम-2 में कच्चे माल और तैयार माल का विस्तृत मासिक विवरण देना होगा। इस फॉर्म का उद्देश्य पान मसाला और तंबाकू उत्पादों की विनिर्माण प्रक्रिया में पारदर्शिता और जवाबदेही बढ़ाना है।

भीड़ के दबाव को देखते हुए विश्वनाथ मंदिर न्यास ने की पहल

600 रुपए में विदेशी श्रद्धालु भी कर सकेंगे दर्शन

एजेंसी ▶▶ वाराणसी

काशी विश्वनाथ धाम अब विदेशी श्रद्धालुओं के लिए भी सुगम हो गया है। विदेश से आने वाले सनातनी श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन की शुरुआत की गई है। मंदिर की वेबसाइट पर विदेशी श्रद्धालुओं के लिए दर्शन पूजन के इंतजाम की व्यवस्था को शुरू कर दिया गया है। द्वादश ज्योतिर्लिंग में प्रधान बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए देश ही नहीं विदेश से भी सनातनी काशी पहुंच रहे हैं। विदेशी श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए मंदिर न्यास ने विदेशी श्रद्धालुओं के लिए सुगम दर्शन की शुरुआत की है।

इसके तहत विदेशी श्रद्धालु 600 रुपए शुल्क देकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन पूजन कर सकेंगे। इसके लिए विदेशी श्रद्धालुओं को ओरिजिनल पासपोर्ट लेकर आना आवश्यक होगा। मंदिर की ओर से अंगवस्त्रम और प्रसाद भी प्रदान किया जाएगा। मुख्य कार्यपालक अधिकारी, काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास विश्वभूषण मिश्र ने यह जानकारी दी है।

काशी विश्वनाथ के नमन-पूजन के लिए ऑनलाइन नई व्यवस्था

सनातनी श्रद्धालुओं को गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति

खास बात यह है कि जो सनातनी हिंदू श्रद्धालु होंगे उनको ही गर्भगृह में प्रवेश की अनुमति होगी, बाकी अन्य को बाहर से ही दर्शन की व्यवस्था है। श्रद्धालु मंदिर के हेल्पडेस्क काउंटर से टिकट बुक करा सकते हैं। इस व्यवस्था को ऑनलाइन भी कर दिया जाएगा। 6 साल में 139 देशों के सनातनी श्रद्धालुओं ने बाबा के दरबार में हाजिरी लगाई है। जनवरी 2023 से मई अप्रैल 2024 के बीच में विदेशी श्रद्धालुओं की संख्या में 5गुना से अधिक की बढ़ोतरी हुई है।

ये पहुंचे बाबा के दर

- *06 साल में 139 देशों के श्रद्धालुओं ने किए दर्शन*
- *05 साल में विदेशी सैलानियों की संख्या 4 गुना से ज्यादा*
- *2023 से अप्रैल 2024 के बीच 5 गुना से ज्यादा विदेशी श्रद्धालु आए*
- *मार्च 2024 तक आए सबसे अधिक रूस के श्रद्धालु आए*
- *2023 में आए सबसे अधिक अमेरिकी पहुंचे*
- *202-22 में सर्वाधिक रूसी श्रद्धालु पहुंचे बाबा के धाम*

पोर्श दुर्घटना का आरोपी

रिसॉर्ट पर चला बुलडोजर, आरोपी के परिवार का अवैध निर्माण टूटा

एजेंसी ▶▶ सतारा

यहां के जिला प्रशासन ने शनिवार को पोर्श दुर्घटना के आरोपी के परिवार के स्वामित्व वाले महाबलेश्वर के एक रिसॉर्ट में कई हिस्से अवैध पाए गए।

जिस पर मुख्यमंत्री के आदेश के बाद बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिया गया। वहीं उनका घर और संस्थान सील किया जा चुका है। 19 मई को महाराष्ट्र में हुई दुर्घटना से पूरे देश में सनसनी फैल गई थी। एक 17 वर्षीय लड़के ने पुणे के कल्याणी नगर इलाके में नशे की हालत में हाइवे पर बाइक में कार से टक्कर

मार दी। बाइक पर बैठे दोनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। दोनों ही युवक आईटी पेशे के थे। घटना के समय आरोपी नशे में था। वह 200 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से कार चला रहा था।19 मई को ही हादसे के 15 घंटे के भीतर जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड ने मामूली शर्तों के साथ आरोपी को रिहा कर दिया था।

निवेश के लिए जब जागो, तभी सवेरा

रिटायरमेंट प्लानिंग में हो गई है देर, तो घबराएं नहीं, प्लान बनाएं

आप सही ढंग से योजना बनाकर चलेंगे, तो देर से शुरूआत करने के बावजूद रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त कॉर्पस बना सकते हैं। अगले दस साल में आपकी आमदनी में जो भी बढ़ोतरी होती है, उसे अगर आप एसआईपी को स्टेप-अप करके निवेश करते रहेंगे, तो आप अपने रिटायरमेंट फंड को और भी बेहतर बना सकते हैं। हमने रिटायरमेंट कॉर्पस का अनुमान 8 फीसदी के सालाना रिटर्न के आधार पर लगाया है, जो फिक्स्ड रिटर्न वाले एसेट्स में निवेश पर आधारित है। अगर आप इसका एक हिस्सा इक्विटी फंड में लगा देते हैं, तो महंगाई को मात दे पाएंगे। हर महीने 35 हजार रुपयों का निवेश करने के लिए हो सकता है आपको अपने खर्चों में कुछ कटौती करनी पड़े, लेकिन रिटायरमेंट के बाद सुरक्षित और आरामदेह जिंदगी बिताने के लिए ऐसा करना जरूरी है।

निवेश मंत्रा
विनोद कौशिक

अगर आप भी अपने रिटायरमेंट की प्लानिंग कर रहे हैं तो घबराना नहीं चाहिए। क्योंकि कहा गया है कि निवेश के लिए कोई देरी नहीं 'जब जागे, तभी सवेरा' होता है। अगर आपने भी रिटायरमेंट की प्लानिंग में देर कर दी है और अब घबरा रहे हैं कि जब अगले कुछ वर्षों में हर महीने वेतन मिलना बंद हो जाएगा तो आपका खर्च कैसे चलेगा? ये बात सही है कि रिटायरमेंट के लिए बचत और निवेश का काम जितनी जल्दी शुरू कर दिया जाए, उतना ही अच्छा रहता है। इससे न सिर्फ आपको ज्यादा पैसे जमा करने का वक्त मिलता है, बल्कि आपकी निवेश की गई रकम भी कंपाउंडिंग की मदद से तेजी बढ़ती रहती है, लेकिन अगर आप किसी भी वजह से ऐसा नहीं कर पाए, तो अब सिर्फ पछताने से कुछ नहीं होगा। इसके लिए जल्द तैयारी करें और लक्ष्य तय कर निवेश करने से आप बड़ी आसानी से कुछ दिनों में अपनी रिटायरमेंट प्लानिंग को बेहतर बना सकते हैं।

सिर्फ 33 प्रतिशत ही कर पाते हैं प्लानिंग

वैसे रिटायरमेंट की तैयारी में देर करने वाले आप अकेले नहीं हैं। एक सर्वे के मुताबिक भारत के सिर्फ 33% कामकाजी लोग ही रिटायरमेंट के लिए पर्याप्त बचत और निवेश करते हैं, लेकिन अब इस बात पर अफसोस करने की बजाय, समझदारी इसमें है कि 'जब जागे, तभी सवेरा' वाली कहावत पर अमल करते हुए आगे की ओर देखें और अपने रिटायरमेंट के लिए फौरन बचत और निवेश करना शुरू कर दें, ताकि वक्त रहते पर्याप्त रिटायरमेंट फंड जा कर सकें। तो आइए समझते हैं कि यह जरूरी काम देर से शुरू करने वालों को रिटायरमेंट की तैयारी के लिए बचत और निवेश की कौन सी रणनीति अपनानी चाहिए। इसके लिए आपको सही योजना पर स्टेप-बाय-स्टेप अमल करना होगा।

मौजूदा आर्थिक स्थिति का हिसाब लगाएं

भविष्य की जरूरतों का अनुमान लगाने के बाद आपको यह देखना चाहिए कि आपके पास अभी बचत और निवेश के तौर पर कितना फंड उपलब्ध है। इसके लिए आपको अपने सेविंग्स अकाउंट यानी बचत खाते, बैंक एफडी, एंप्लाईज प्रॉविडेंट फंड (ईपीएफ), बीमा पॉलिसी, पीपीएफ अकाउंट और शेयर-बॉन्ड वगैरह में निवेश किए गए पैसों का हिसाब लगाकर देखना होगा। सारी बचत और निवेश को जोड़कर देख लें कि अभी आपकी नेटवर्थ कितनी है। मान लीजिए, अगर आपको पास अभी करीब 50 लाख रुपये की ऐसी बचत मौजूद है, जिसका इस्तेमाल आप रिटायरमेंट फंड के लिए कर सकते हैं, तो आपको अभी कम से 1.70 करोड़ रुपये और जुटाने होंगे।

मौजूदा खर्च का हिसाब लगाएं

सबसे पहले यह चेक करें कि आपका हर महीने का खर्च यानी आर्थिक जरूरतें क्या और कितनी हैं। इसके लिए खाने-पीने, कपड़े, बिजली, इंटरनेट, दवाओं और स्थानीय ट्रांसपोर्ट समेत हर तरह के रेगुलर खर्च का हिसाब लगाने के साथ ही घर के रख-रखाव और जरूरी यात्राओं का बजट भी बनाएं। हर तरह के मौजूदा खर्च को जोड़कर आपका हर महीने का बजट निकल आएगा। यह भी ध्यान में रखें कि रिटायरमेंट के बाद अगर आपके कुछ खर्च कम होंगे, तो उम्र बढ़ने के कारण मेडिकल ट्रीटमेंट का खर्च बढ़ भी सकता है।

भविष्य के खर्च का अनुमान

अपने मौजूदा बजट को जोड़ने के बाद उसी आधार पर आपको अपने रिटायरमेंट के बाद की जरूरतों का अनुमान लगाना होगा। इसके लिए आपको अपने मौजूदा खर्च को इंफ्लेशन यानी महंगाई दर के हिसाब से एडजस्ट करके जोड़कर भविष्य की लागत का कैलकुलेशन करना होगा। मिसाल के तौर पर अगर अभी आपका महीने का खर्च 50 हजार रुपये आ रहा है और सालाना महंगाई दर 6 फीसदी रहने का अनुमान है, तो 10 साल बाद आपको उतनी ही चीजों के लिए करीब 90 हजार रुपयों की जरूरत पड़ेगी।

इमरजेंसी फंड का अंदाजा लगाएं

रेगुलर खर्चों का अनुमान लगाने के बाद आपको अपने करीब 6 महीने के खर्च के बराबर रकम इमरजेंसी फंड के तौर पर भी रखनी होगी। यह रकम आप किसी ऐसे इंस्ट्रूमेंट में निवेश कर सकते हैं, जिसे कम समय में निकाला जा सकता है। इस रकम को आप बैंक के शॉर्ट टर्म एफडी, लिक्विड फंड्स, डेट म्यूचुअल फंड जैसे एसेट्स में बांटकर रख सकते हैं। अगर आपका महीने का खर्च 90 हजार रुपये आता है, तो आपको इमरजेंसी फंड के रूप में करीब 5.5 लाख रुपये रखने होंगे।

कितना रखें रिटायरमेंट कॉर्पस

अपने मंथली बजट का अनुमान लगाने के बाद आपको यह कैलकुलेट करना होगा कि हर महीने इतनी रेगुलर इनकम के लिए आपको कितने बड़े रिटायरमेंट कॉर्पस की जरूरत होगी। अगर आपका रिटायरमेंट के बाद का हर महीने का खर्च 90 हजार रुपये आता है, तो इतनी रेगुलर इनकम के लिए आपको 8 फीसदी रिटर्न के हिसाब से करीब 2.14 करोड़ रुपयों के रिटायरमेंट कॉर्पस की जरूरत पड़ेगी। इसमें इमरजेंसी फंड को भी जोड़ दें तो यह रकम करीब 2.20 करोड़ रुपये निकलती है।

हर महीने कितना करना होगा निवेश

10 साल में करीब 1.70 करोड़ रुपये का कॉर्पस जमा करने के लिए आप इस रणनीति पर अमल कर सकते हैं। आपकी मौजूदा 50 लाख रुपये की बचत को अगर फिक्स्ड रिटर्न वाले इंस्ट्रूमेंट्स में लगाते हैं, जहां करीब 8 फीसदी सालाना रिटर्न मिलता है, तो 10 साल में यह रकम करीब 1.07 करोड़ रुपये हो जाएगी। इसके अलावा अगर आप हर महीने 35 हजार रुपये एसआईपी के रूप में निवेश करते हैं, तो 10 फीसदी के सालाना कंजर्वेटिव रिटर्न के हिसाब से 72 लाख रुपये का कॉर्पस जमा हो जाएगा। सालाना रिटर्न अगर 12 फीसदी रहा, तो आप करीब 81 लाख रुपये का रिटायरमेंट कॉर्पस जमा कर पाएंगे। एसआईपी पर इतना औसत रिटर्न पाने के लिए आपको अधिकांश निवेश ईएलएसएस और दूसरे इक्विटी फंड में करना होगा। ईएलएसएस में निवेश पर आप टैक्स की बचत भी कर पाएंगे। अगर आप अपनी मौजूदा 50 लाख रुपये की बचत फिक्स्ड रिटर्न वाले एसेट्स में लगाते हैं, तो आपका रिस्क भी बैलेंस हो जाएगा।

छोटे शेयर दे सकते हैं बड़ा मुनाफा, तो फिर क्यों घबराना

छोटे शेयरों ने पिछले वर्षों में जबरदस्त रिटर्न दिया

आपकी पूंजी कछुआ चाल से बढ़ेगी लेकिन डूबेगी नहीं

थोड़े से लॉन्ग टर्म में आपको अच्छा मुनाफा दे जाएगी

सरकार चाहे किसी की भी रहे इक्विटी अच्छा ग्रोथ देगी

बिजनेस डेस्क

यदि आप निवेश करने जा रहे हैं या निवेशक हैं और आपके पास कम पूंजी है तो निवेश करने से घबराएं नहीं। चूंकि इस समय जो छोटे शेयर हैं, एक दिन वे भी बड़ा मुनाफा दे सकते हैं। इसलिए घबराएं नहीं और अपने लक्ष्य तय कर सही दिशा में निवेश करें। इससे आपकी पूंजी कछुआ चाल से बढ़ेगी, लेकिन डूबेगी नहीं और थोड़े से लॉन्ग टर्म में अच्छा मुनाफा दे जाएगी। अक्सर कहा भी जाता है कि सहज पके सो मीठा होय। इसलिए आप अपने गोल तय कर निवेश करें। निवेश चाहे छोटा हो या बड़ा लेकिन उसे रोकें नहीं। इस समय जो छोटे शेयर हैं, यानी कम कीमत पर हैं। उनकी कंपनी की प्रोफाइल और मार्केट कैप देखकर निवेश करें। चाहें तो एसआईपी के जरिये भी निवेश कर सकते हैं। लेकिन निवेश का लक्ष्य लंबा लेकर चलें। इससे आपको कंपाउंडिंग का भी लाभ मिलता है और आपकी पूंजी बिना किसी रिस्क के बढ़ती जाती है। शेयर मार्केट के दिग्गजों का भी कहना है कि आने वाले कुछ दिन बाजार के लिए बहुत बेहतर नहीं रहने वाले हैं। बाजार काफी नर्वस रहेगा। हालांकि, इस उथल-पुथल के बीच उन्होंने स्मॉल कैप के शेयरों में निवेश की सलाह दी है। उनका कहना है कि ये शेयर बहुत ज्यादा नीचे नहीं जाएंगे। अच्छे स्मॉल कैप शेयर में अगर बहुत गिरावट भी हुई तो भी 20-30 फीसदी से ज्यादा नहीं होगी। लार्ज कैप शेयर अर्थव्यवस्था के साइज के लिहाज से काफी बड़े हैं। ये नुकसान करवा सकते हैं, लेकिन लंबी अवधि के लिए इनमें भी ज्यादा नुकसान नहीं होगा।

स्मॉलकैप में दम

जानकारों का कहना है कि जो आपको सबसे ज्यादा सुख देता है, वही आपको सबसे ज्यादा दर्द भी देता है। स्मॉल कैप स्टॉक्स ने पिछले 2-3 साल में बहुत अच्छा रिटर्न दिया है। आगे भी अच्छा रिटर्न देते रहेंगे। इस बिना घबराए प्लान बनाएं और स्मॉल कैप में निवेश की अपनी पूंजी को बढ़ा सकते हैं। अगर आपको पास कैश पड़ा है तो यह सही समय है कम कीमत पर अच्छे शेयरों में पैसा लगाने का। स्मॉल कैप भारत में शेयर बाजार का फ्यूचर हैं।

लार्ज कैप शेयर इकोनॉमी के साइज के हिसाब से बहुत बड़े हैं। अनिश्चितता के बावजूद स्मॉल कैप ही वह शेयर हैं, जिनमें संभावना दिखती है। लार्ज-कैप (जिसे कभी-कभी बिग कैपस्र भी कहा जाता है) से तात्पर्य ऐसी कंपनी से है जिसका बाजार पूंजीकरण मूल्य 10 बिलियन डॉलर से अधिक है। लार्ज कैप स्लार्ज मार्केट कैपिटलाइजेशनस्र शब्द का संक्षिप्त रूप है। बाजार पूंजीकरण की गणना किसी कंपनी के बकाया शेयरों की संख्या को उसके प्रति शेयर स्टॉक मूल्य से गुणा करके की जाती है। जानकारों का कहना है कि अभी लॉर्ज कैंप में ज्यादा मुनाफा मिलने के चांस नहीं हैं, लेकिन ये सुरक्षित हैं। इनमें निवेशकों को भले ही रिटर्न कम मिले, लेकिन नुकसान नहीं होता।

मिड कैप फंड

मिड कैप फंड एक पूल्ड निवेश है जो सूचीबद्ध शेयरों की मध्य-सीमा में बाजार पूंजीकरण वाली कंपनियों पर केंद्रित है। इस स्टॉक की अंतर्निहित कंपनियाँ (मध्यम आकार की कंपनियां) बड़ी-कैप कंपनियों की तुलना में अपेक्षाकृत अधिक रिटर्न देती हैं, जिसमें स्मॉल-कैप फंड की तुलना में कम जोखिम कारक होता है। यह उन निवेशकों के लिए उपयुक्त हैं जो अपने निवेश में मध्यम जोखिम के लिए तैयार हैं। मिड कैप फंड, लार्ज-कैप फंड के विपरीत, कम जोखिम अनुपात नहीं रखते हैं। न ही उनमें स्मॉल कैप फंड की तरह उच्च जोखिम होता है। इसलिए, यह कहीं बीच में है। यह उन निवेशकों के लिए सबसे उपयुक्त हो सकता है जो मध्यम जोखिम लेने की क्षमता रखते हैं।

इसलिए स्मॉल कैप खरीदें

जानकारों का कहना है कि सत्ता में जो भी पार्टी रहे, भारत की ग्रोथ जारी रहेगी। यहां तक पिछली गठबंधन सरकारों ने भी इक्विटी मार्केट के रिटर्न, फिस्कल मैनेजमेंट और जीडीपी ग्रोथ के मामले में शानदार नतीजे दिए हैं। लिहाजा, यहां निराश होने की जरूरत नहीं है। इसलिए आपके पास पैसा है तो स्मॉल कैप फंडों में लगाएं और अच्छा मुनाफा प्राप्त करें। बाजार के जानकारों का कहना है कि निवेशक छोटे शेयरों में पैसा लगाकर अच्छा पैसा कमा सकते हैं। इसलिए एक बेहतर प्लानिंग के साथ निवेश किया जाए तो कोई बाजार से पैसा कमा सकता है और अपना भविष्य सुरक्षित कर सकता है। इसलिए पहले अपना प्लान बना लें।

घर की 'लक्ष्मी' बचत में पुरुषों से कई गुना आगे

बचत
बिजनेस डेस्क

- कंजूस पति से भी खींच लेती हैं पैसा और कर देती है निवेश
- बाजार में मोलभाव करने में भी महिलाओं का कोई सानी नहीं
- महिलाएं अक्सर कम जोखिम वाले निवेश को देती प्राथमिकता
- लांग टर्म के लिए निवेश करने में सक्षम, कर रहीं मालामाल
- घर का बजट संभालना भी महिलाओं के बाएं हाथ का खेल

महिलाएं (मां, बहन, बेटी और पत्नी) यानी घर की 'लक्ष्मी' हर काम में पुरुषों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर काम कर रही हैं। चाहे वह कोई भी क्षेत्र हो। हर मामले में महिलाएं कही भी पीछे नहीं दिखती। भारतीय संस्कृति में भी महिलाओं को घर की 'लक्ष्मी' कहा जाता है। वैसे तो इसके पीछे कई तर्क दिए जाते हैं, लेकिन अगर हम निवेश और बचत के नजरिये से देखें तो भी यह बात सोलह आने सच ही नजर आती है। महिलाओं के कई ऐसे गुण हैं, जिनमें वे पुरुषों से कहीं उन्नीस नहीं ठहरती। बात चाहे बचत करने की हो या फिर मोलभाव करने की, उनका कोई सानी नहीं है। महिलाएं अक्सर बाजार में भी पुरुषों से कम दामों में सामान खरीदने की क्षमता रखती हैं। महिलाएं घर का बजट बनाने में भी पुरुषों से कहीं आगे हैं। कहा जाता है कि घर महिलाओं से स्वर्ग बनता है। वह घर के हर व्यक्ति की पसंद नापसंद और अच्छे बुरे का ख्याल रखती हैं। बात जब बचत की आती है तो महिलाएं अक्सर अपने कंजूस पति से भी पैसे खींच लेती हैं। इस पैसे को बचाकर रखती हैं। पहले तो महिलाएं अक्सर इस पैसे को गुल्लक या अपने संदूक में रखती थी, लेकिन आज की महिला पहले के मुकाबले काफी जागरुक है। इस महिलाएं पैसे बैंक में एफडी के रूप में, किसी को ब्याज पर देकर या म्यूचुअल फंड में भी निवेश कर रही हैं। इसके अलावा भी निवेश के कई विकल्प मौजूद हैं। महिलाएं अक्सर कम जोखिम वाले निवेश को प्राथमिकता देती हैं। वे लांग टर्म के लिए निवेश करने में सक्षम हैं। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे कि महिलाएं निवेश या बचत के मामले में पुरुष से क्यों बेहतर हैं।

लंबा जीवन-लंबा निवेश

महिलाओं को लेकर विश्व स्वास्थ्य सांख्यिकी की रिपोर्ट बताती है कि भारत में औसत जीवनकाल 70.8 वर्ष का होता है, जबकि महिलाओं का जीवनकाल पुरुषों की तुलना में 2.7 साल ज्यादा होता है। यह आंकड़े साफ बताते हैं कि महिलाओं को रिटायरमेंट के बाद ज्यादा फंड की जरूरत होगी और वे लांग टर्म के लिए ज्यादा निवेश भी कर सकती हैं। चूंकि, उनके सामने समय भी ज्यादा रहता है तो लांग टर्म का रिटर्न भी अधिक होगा।

कमाई कम, लेकिन ज्यादा बचत

भारत में महिला-पुरुष के बीच कमाई का अंतर भी ज्यादा है। एक ऑफिशियल आंकड़े के मुताबिक, महिलाओं को देश में पुरुषों के मुकाबले समान काम के लिए 21 फीसदी कम वेतन मिलता है। यानी उनकी कमाई पुरुषों के मुकाबले कम हो जाती तो उनमें खर्च करने की आदत भी कम रहती है। इसीलिए मोलभाव में महिलाओं को अव्वल माना जाता है और वे किसी उत्पाद के पुरुषों के मुकाबले कम कीमत देती हैं।

महिलाएं ऐसे करती हैं निवेश

महिलाओं को कम जोखिम उठाने वाला निवेशक माना जाता है। ज्यादातर महिलाएं अपने पैसे कम जोखिम वाले विकल्पों में ही लगाती हैं। उनके ज्यादातर पैसे एफडी और अन्य सरकारी बचत योजनाओं में लगते हैं, जबकि रियल एस्टेट और शेयर बाजार जैसे जोखिम वाले रास्तों से वे दूर रहती हैं। जाहिर है उन्हें कम रिटर्न भी मिलता होगा, जिससे उनके अंदर ज्यादा बचत की आदत और बढ़ती जाती है।

जिम्मेदारी निभाने में भी महिलाएं आगे

परिवार चलाने की जिम्मेदारी ज्यादातर महिलाओं पर होती है। घर के हर सामान और हर व्यक्ति का ख्याल रखना उन्हें काफी जिम्मेदार बनाती हैं। यही बात धीरे-धीरे उनमें बचत की आदत भी पैदा करती है। महिलाएं अपने निवेश और बचत के प्रति पुरुषों से कहीं ज्यादा जिम्मेदार होती हैं। यही कारण है कि वे हमेशा जोखिम वाले विकल्पों से दूर रहना पसंद करती हैं।

प्राथमिकता तय करने में आगे

घर का बजट संभालना महिलाओं के बांए हाथ का खेल होता है। जाहिर है कि वे निवेश का बजट भी बेहतर बना लेती हैं और लांग टर्म के लिए पैसे लगाने में कम जोखिम के साथ ज्यादा रिटर्न कमा सकती हैं। उनका ध्यान भी अपने निवेश और बचत पर ज्यादा केंद्रित रहता है।

एक नहीं, सात तरह की पेंशन देता है ईपीएफओ

- पीएफ सब्सक्राइबर को 58 साल की उम्र पूरी होने पर मिलती है पेंशन
- सब्सक्राइबर की पत्नी, बच्चे, माता-पिता व नॉमिनी भी पेंशन के हकदार
- बेसिक सैलरी पर 12% की कटौती ईपीएफ के लिए की जाती है

बिजनेस डेस्क

प्राइवेट सेक्टर में काम करने वाले वर्कर्स की बेसिक सैलरी पर 12% की कटौती ईपीएफ अकाउंट के लिए की जाती है। साथ ही कंपनी भी इतना ही पैसा कर्मचारी के पीएफ खाते में जमा करती है। एम्प्लॉयर की तरफ से जमा किए जाने वाले पैसों में से 8.33% हिस्सा ईपीएस (कर्मचारी पेंशन योजना) में जाता है, जबकि बचा हुआ 3.67% हिस्सा ईपीएफ में जाता है। अमूमन ईपीएफओ अपने सब्सक्राइबर के 58 साल की उम्र पूरी कर लेने पर पेंशन देना शुरू कर देता है। लेकिन, अगर कोई अंशधारक 58 साल की बजाय 60 साल की उम्र में ईपीएफओ से पेंशन लेता है तो उसे ज्यादा पेंशन मिलती है। लेकिन उन्हें 10 साल की सर्विस पूरी होने पर 50 साल उम्र में भी पेंशन मिल सकती है। लेकिन इसके लिए उसे कुछ शर्तों को पूरा करना होगा। इतना ही नहीं ईपीएफओ सात तरह की पेंशन देता है। आइए जानते हैं उनके बारे में...।

मान लीजिए कि किसी सब्सक्राइबर की सर्विस 10 साल की नहीं हुई है और उससे पहले ही वह विकलांग हो जाता है। ऐसी स्थिति में क्या उसे पेंशन मिलेगी? इसी तरह अगर किसी सब्सक्राइबर की 50 साल की उम्र से पहले ही मौत हो गई तो क्या उसकी पत्नी और बच्चों को पेंशन मिलेगी? इन दोनों मामलों में पेंशन मिलेगी। इसी तरह की कई और परिस्थितियां हैं जिनके लिए ईपीएफओ ने नियम बनाए हैं। यहां तक कि सब्सक्राइबर के दो से ज्यादा बच्चों को भी पेंशन मिल सकती है। ईपीएफओ ने पेंशन को मोटे तौर पर सात श्रेणियों में बांटा है।

रिटायरमेंट पेंशन

यह सामान्य पेंशन है। यह पेंशन सब्सक्राइबर्स की 10 साल की सर्विस या 58 साल की उम्र पूरी होने पर दी जाती है।

अर्ली पेंशन

अर्ली पेंशन उन सब्सक्राइबर्स को दी जाती है जो 50 साल के हो चुके हैं, उनकी सर्विस 10 साल की हो चुकी है और वे किसी नॉन-ईपीएफ कंपनी से जुड़ चुके हैं। उन्हें 50 साल की उम्र में पेंशन दी जा सकती है या फिर वे फुल पेंशन पाने के लिए 58 साल तक इंतजार कर सकते हैं। अगर वे अर्ली पेंशन पाते हैं तो उन्हें हर साल चार फीसदी कम पेंशन मिलेगी। मसलन अगर कोई सब्सक्राइबर 58 साल की उम्र में 10,000 रुपये की पेंशन का हकदार है तो 57 साल में उसे 9,600 रुपये और 56 साल में 9,216 रुपये पेंशन मिलेगी।

विकलांग पेंशन

यह पेंशन ऐसे सब्सक्राइबर्स को दी जाती है जो सर्विस के दौरान अस्थाई या स्थाई रूप से विकलांग हो जाते हैं। यह पेंशन पाने के लिए उम्र और सेवा अवधि की कोई सीमा नहीं हैं। अगर किसी सब्सक्राइबर ने एक महीने के लिए भी ईपीएफ में योगदान दिया है तो वह इस पेंशन का हकदार है।

विधवा या बाल पेंशन

सब्सक्राइबर की मौत होने पर उसकी विधवा और 25 साल से कम उम्र वाले बच्चे पेंशन के हकदार होंगे। तीसरा बच्चा भी पेंशन का हकदार है लेकिन पहले बच्चे की उम्र 25 साल होने पर ही उसे पेंशन मिलेगी। ऐसे में पहले बच्चे की पेंशन बंद हो जाएगी और तीसरे बच्चे की शुरू हो जाएगी। चौथे बच्चे के लिए भी यह तरीका लागू होगा। यानी दूसरे बच्चे की उम्र 25 साल होने पर उसकी पेंशन बंद हो जाएगी और चौथे की शुरू हो जाएगी। इस मामले में भी उम्र या न्यूनतम सेवा की कोई बाध्यता नहीं है। अगर किसी सब्सक्राइबर ने एक महीने का भी योगदान दिया है तो उसकी मौत होने पर उसकी विधवा और बच्चे पेंशन के हकदार होंगे।

अनाथ पेंशन

अगर किसी सब्सक्राइबर की मौत हो जाती है और उसकी पत्नी की भी मौत हो जाती है तो ऐसी स्थिति में 25 साल से कम उम्र के उनके दो बच्चे पेंशन के हकदार होंगे। लेकिन बच्चों की उम्र 25 साल होते ही पेंशन बंद हो जाएगी।

नॉमिनी पेंशन

सब्सक्राइबर की मौत के बाद नॉमिनी पेंशन का हकदार बनता है। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि सब्सक्राइबर ने ईपीएफओ पोर्टल पर ई-नॉमिनेशन फॉर्म भरा हो।

आश्रित माता-पिता पेंशन

अगर किसी सिंगल ईपीएफओ सब्सक्राइबर की मौत हो जाती है तो उसके आश्रित पिता पेंशन के हकदार होंगे। पिता की मौत के बाद सब्सक्राइबर की मां को पेंशन मिलेगी। उन्हें पूरी उम्र पेंशन मिलेगी। इसके लिए फॉर्म 10 डी भरना होगा।

वर्ल्ड कप : चिर प्रतिद्वंद्वी भारत और पाकिस्तान के बीच टी20 जंग आज, खराब पिच से बढ़ी चिंता

नासाउ काउंटी स्टेडियम पर रात 8 बजे से खेला जाएगा मुकाबला

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

आत्मविश्वास से ओतप्रोत और हालात के अनुकूल ढल चुकी भारतीय टीम नासाउ काउंटी की पेचीदा पिच पर टी20 विश्व कप के बहुचर्चित मुकाबले में रविवार को चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से भिड़ेगी जिसका मनोबल पहले ही मैच में मिली अप्रत्याशित हार ने तोड़ दिया है। टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा भीड़ खींचने वाला मुकाबला 34000 दर्शक क्षमता वाले नासाउ काउंटी इंटरनेशनल स्टेडियम पर खेला जाएगा। इस मैदान की पिच लगातार चर्चा का विषय बनी हुई है। इसकी भारी आलोचना के बाद आईसीसी ने आधिकारिक रूप से इसे स्वीकार किया। अब तक इस स्टेडियम पर हुए तीन मैचों की छह पारियों में दो बार ही टीमें सौ रन के पार पहुंच सकी हैं।

'ड्रॉप इन' पिचें हुईं खतरनाक

पूर्व क्रिकेटरों को तो यह भी लगता है कि कम स्कोर वाले मैचों से कैसे अमेरिकी बाजार में क्रिकेट का प्रचार प्रसार किया जाएगा। एडीलेड ओवल के मैदानकर्मी डेमियन हाउज के मार्गदर्शन में अप्रैल में यहां चार 'ड्रॉप इन' पिचें बिछाई गई जो अभी तक जम नहीं पाई हैं। पिच से मिल रहा असमान उछाल बल्लेबाजों की सुरक्षा पर सवालिया ऊंगली उठा रहा है।

रोहित को लगी थी पहले मैच में चोट

भारतीय कप्तान रोहित शर्मा को आयरलैंड के खिलाफ मैच में कंधे में चोट लगी थी जिससे उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। रोहित ने मैच के बाद कहा था, 'ईमानदारी से कहूं तो मुझे नहीं पता कि पिच से क्या अपेक्षा की जाए। हम हालात के अनुरुप तैयारी करेंगे। पाकिस्तान के खिलाफ मैच में हर खिलाड़ी को योगदान देना होगा।'

इस पिच पर अब तक नहीं खेली पाक

पाकिस्तान टीम ने अभी तक नासाउ स्टेडियम पर खेला नहीं है। पहले मैच में अमेरिका से हारने वाली पाकिस्तानी टीम गुरुवार की रात ही यहां पहुंची है। उन्हें हालात के अनुरुप ढलने का मौका नहीं मिल सका है जिसका उन्हें नुकसान हो सकता है। भारत से हारने पर सुपर आठ चरण में उसके प्रवेश की राह लगभग असंभव हो जाएगी।

सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

टूर्नामेंट की शुरुआत में आईएसआईएस से मिली आतंकी धमकी के बाद मैच की सुरक्षा के चाक चौबंद उपाय किए गए हैं। नासाउ काउंटी के पुलिस कमिश्नर पैट्रिक राइडर ने हाल ही में सुरक्षा इंतजामात की जानकारी दी थी। उन्होंने कहा था, 'भारत पाकिस्तान मैच के लिए सुरक्षा इंतजाम उसी तरह के हैं जब कुछ साल पहले तत्कालीन अमेरिकी राष्ट्रपति बराक ओबामा के स्वागत के लिए किए गए थे।'

कप्तान रोहित ने कोहली और सूर्या के साथ किया अभ्यास

रोहित शर्मा ने थ्रोडाउन से अंगूठे में गेंद लगने के बावजूद अन्य भारतीय बल्लेबाजों के साथ नेट्स पर अतिरिक्त अभ्यास किया ताकि रविवार को टी20 विश्व कप के मुकाबले में असमान उछाल वाली पिच पर पाकिस्तान के तेज आक्रमण का सामना बखूबी कर सकें। इसके बाद वह पिच के दूसरे छोर पर थ्रोडाउन का सामना करने चले गए। नासाउ काउंटी क्रिकेट मैदान की 'ड्रॉप इन' पिच की असमान उछाल के लिए काफी आलोचना हो रही है। पहले मैच में भारतीय गेंदबाजों ने आयरलैंड को 96 रन पर आउट कर दिया था लेकिन रोहित और बाकी सीनियर बल्लेबाजों को बखूबी पता है कि शाहीन शाह अफरीदी, मोहम्मद आमिर, हारिस रऊफ और नसीम शाह से मिलने वाली चुनौती बिल्कुल अलग होगी।

खबर संक्षेप

आज ओमान के खिलाफ स्कॉटलैंड का पलड़ा भारी

नॉर्थ साउंड। पहली बार टी20 विश्व कप के मैच की मेजबानी कर रहे सर विवियन रिचर्डर्स स्टेडियम पर ग्रुप बी के मुकाबले में स्कॉटलैंड का पलड़ा ओमान पर भारी रहने की उम्मीद है। इंग्लैंड के खिलाफ पहला मैच रद्द होने से स्कॉटलैंड को एक अंक मिला। इसके बाद नामीबिया पर दूसरे मैच में स्कॉटलैंड ने पांच विकेट से जीत दर्ज की। अब उसके पास पांच अंक लेने का सुनहरा मौका है जिससे सुपर आठ की दौड़ रोचक हो जाएगी। इस ग्रुप के दो दिग्गज इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया शनिवार की रात एक दूसरे से खेलेंगे।

कोहली और बुमराह मैच विजेता खिलाड़ी

नई दिल्ली। पाकिस्तान के ऑलराउंडर फवाद आलम ने कहा कि बाबर आजम की अगुवाई वाली टीम को अगर रविवार को होने वाले बहुप्रतीक्षित मैच में भारत को हराकर टी20विश्व कप में अपना अभियान पटरी पर लाना है तो उसे विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह जैसे स्टार खिलाड़ियों पर लगाम लगानी होगी।

हमारा ध्यान अपने कौशल पर: राशिद

जॉर्जटाउन। राशिद खान शुरू से चाहते थे कि उनके खिलाड़ी विरोधी टीम के मजबूत पक्षों पर ध्यान देने के बजाय अपने कौशल पर गौर करें और उन्हें खुशी है कि उनके साथियों ने न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 विश्व कप के मैच में 84 रन की यादगार जीत के दौरान ऐसा ही किया। अफगानिस्तान ने न्यूजीलैंड के सामने 159 रन का लक्ष्य रखा और उसकी पूरी टीम को 75 रन पर आउट कर दिया। अफगानिस्तान की तरफ से बाएं हाथ के तेज गेंदबाज फजलहक फारूकी और राशिद ने चार-चार विकेट लिए।

लय हासिल करना चाहेंगे वेस्टइंडीज के बल्लेबाज

जार्जटाउन। सह मेजबान वेस्टइंडीज के बल्लेबाज टी20 विश्व कप में ग्रुप सी के मैच में युगांडा के खिलाफ उतरेंगे तो उनका इरादा बल्लेबाजी में अपनी कमजोरियों से पार पाने का होगा। खिताब की प्रबल दावेदार और दो बार की पूर्व चैंपियन वेस्टइंडीज टीम ने पहले मैच में पापुआ न्यू गिनी जैसी कमजोर टीम को पांच विकेट से हराया लेकिन 137 रन के आसान लक्ष्य का पीछा करने में उसके पसीने छूट गए थे। कठिन पिच पर संयम और अनुशासन की जरूरत थी लेकिन कैरेबियाई बल्लेबाज गैर जिम्मेदाराना शॉट खेलते गए।

टी20 विश्व कप : कीवी टीम अपने चौथे न्यूनतम स्कोर (75 रन) पर ढेर

अफगानिस्तान का बड़ा उलटफेर न्यूजीलैंड को 84 रन से दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶ जार्जटाउन

कप्तान राशिद खान और फजलहक फारुकी की बेहतरीन गेंदबाजी के बाद रहमानुल्लाह गुरबाज की आक्रामक बल्लेबाजी के दम पर अफगानिस्तान ने टी20 विश्व कप ग्रुप सी के मैच में न्यूजीलैंड को 84 रन से हराकर सुपर आठ चरण में प्रवेश का दावा पुख्ता कर दिया। जीत के लिए 160 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड की टीम 15.2 ओवर में 75 रन पर आउट हो गई जो टी20 क्रिकेट में उसका चौथा न्यूनतम स्कोर है।

फारुकी और राशिद दोनों ने 17-17 रन देकर चार-चार विकेट लिए। पहले बल्लेबाजी के लिये भेजी गई अफगानिस्तान ने गुरबाज और इब्राहिम जदरान के बीच पहले विकेट के लिए 103 रन की साझेदारी के दम पर छह विकेट पर 159 रन बनाए। आईपीएल चैंपियन कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए खेलने वाले गुरबाज ने 56 गेंद में पांच चौकों और पांच छक्कों की मदद से 80 रन बनाए। वहीं इब्राहिम 41 गेंद में 44 रन बनाकर आउट हुए।

गुरबाज-इब्राहिम का रिकॉर्ड

गुरबाज और इब्राहिम ने युगांडा पर पहले मैच में मिली 125 रन से जीत में 154 रन की साझेदारी की थी। टी20 विश्व कप में लगातार दो शतकीय साझेदारियां करने वाली यह तीसरी जोड़ी और पहली सलामी जोड़ी है। दोनों 15वें ओवर तक डटकर बल्लेबाजी करते रहे जब तक कि इब्राहिम आउट नहीं हुए। गुरबाज 20वें ओवर में पवेलियन लौटे।

दो मैचों में चार अंक से शीर्ष पर

अफगानिस्तान ने 2016 में वेस्टइंडीज को नागपुर में छह रन से हराया था। तब चैंपियन रही वेस्टइंडीज टीम अफगानिस्तान के सामने 124 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए आठ विकेट पर 117 रन ही बना सकी थी। अफगानिस्तान अब दो मैचों में चार अंक लेकर शीर्ष पर है। वेस्टइंडीज और युगांडा उसके बाद हैं जबकि पापुआ न्यू गिनी और न्यूजीलैंड ने खाता नहीं खोला है। अफगानिस्तान का सामना अब पापुआ न्यू गिनी से और न्यूजीलैंड की टक्कर वेस्टइंडीज से होगी।

बांग्लादेश ने रोमांचक मैच में श्रीलंका को 2 विकेट से हराया

डलास। युवा लेग स्पिनर रिशाद हुसैन के तीन विकेट और महमूदुल्लाह रियाद की संयमित पारी के दम पर बांग्लादेश ने टी20 विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में श्रीलंका को दो विकेट से हरा दिया। डलास की अच्छी पिच पर रिशाद की गुगली और लेग ब्रेक ने श्रीलंकाई पारी की कमर तोड़ दी। रिशाद ने सात गेंद के भीतर तीन विकेट लेकर श्रीलंका को नौ विकेट पर 124 रन पर रोक दिया। उन्होंने चार ओवरों में 22 रन देकर तीन विकेट लिए। मुस्ताफिजूर रहमान ने 17 रन देकर तीन विकेट लिए। जवाब में बांग्लादेश के लिए तौहीद हृदय ने 20 गेंद में चार छक्कों की मदद से 40 रन बनाए और चौथे विकेट के लिये लिटन दास (36 रन) के साथ 63 रन की साझेदारी की। बांग्लादेश के पांच विकेट 21 रन के भीतर गिर गए। उस समय स्कोर आठ विकेट पर 113 रन था और बांग्लादेश को जीत के लिए 12 रन की जरूरत थी। अनुभवी महमूदुल्लाह ने दासुन शनाका को 19वें ओवर में छक्का लगाया। सातवें नंबर पर उतरे महमूदुल्लाह 13 गेंद में 16 रन बनाकर नाबाद रहे।

मिलर की अर्धशतकीय पारी से अफ्रीका ने नीदरलैंड को हराया

भाषा ▶▶ न्यूयॉर्क

ओटनील बार्टमैन, मार्को यानसेन और एनरिच नोर्किया की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन के बाद डेविड मिलर (नाबाद 59) की सूझबूझ भरी बल्लेबाजी से दक्षिण अफ्रीका ने आईसीसी टी20 विश्व कप ग्रुप डी मैच में शनिवार को यहां नीदरलैंड को चार विकेट से हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। मिलर ने 51 गेंद की नाबाद पारी में तीन चौके और चार छक्के लगाने अलावा पांचवें विकेट के लिए ट्रिस्टन स्टब्स (33) के साथ 65 रन की साझेदारी कर विश्व कप में एक और उलटफेर होने से रोक दिया। बल्लेबाजी के लिए मुश्किल पिच पर नीदरलैंड को नौ विकेट पर 103 रन पर रोकने के बाद दक्षिण अफ्रीका ने सात गेंद शेष रहते छह विकेट के नुकसान पर लक्ष्य हासिल कर दो मैचों में दूसरी जीत दर्ज की। दक्षिण अफ्रीका ने पांचवें ओवर में 12 रन तक चार विकेट गंवा दिये थे जिससे लग रहा था कि पिछले साल एकदिवसीय विश्व कप में उन्हें हराने वाली डच टीम एक बार फिर उलटफेर करेगी। मिलर और स्टब्स ने हालांकि इसके बाद संभल कर खेलते हुए टीम को संकट से बाहर निकाला। नीदरलैंड के लिए विवियन किंगमा और लोगन वैन बीक ने दो-दो जबकि बैस डी लीडे ने एक विकेट लिया। इससे पहले नीदरलैंड की टीम भी 48 रन पर छह विकेट गंवा कर बेहद खराब स्थिति में थी लेकिन साइब्रांड एंजेलब्रेच (40) और वैन बीक (23) ने सातवें विकेट के लिए 45 गेंद में 54 रन की साझेदारी कर टीम के स्कोर को 100 रन के पार पहुंचाया। एंजेलब्रेच ने 45 गेंद की पारी में दो चौके और एक छक्का लगाया तो वहीं वैन बीक ने 22 गेंद की पारी में तीन चौके लगाये।

बोस, रानावाडे, लालचुंगनुंगा भारतीय फुटबॉल टीम में नहीं

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

भारतीय फुटबॉल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने शनिवार को कतर के खिलाफ मंगलवार को होने वाले विश्व कप क्वालीफायर के लिए 23 सदस्यीय टीम का ऐलान किया जिसमें मोहन बागान के अनुभवी खिलाड़ियों शुभाशीष बोस, मुंबई एफसी के अमय रानावाडे और ईस्ट बंगाल के लालचुंगनुंगा को टीम में जगह नहीं मिली है।

सुनील छेत्री के संन्यास के बाद यह भारत का पहला मैच है। छेत्री ने गुरुवार को कुवैत के खिलाफ गोलरहित ड्रॉ रहे मैच के बाद अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से विदा ले ली। भारत पांच अंक लेकर कतर के बाद दूसरे स्थान पर है। अफगानिस्तान पांच अंक लेकर तीसरे और कुवैत तीन अंक के साथ चौथे स्थान पर है।

मालद्वीव, बांग्लादेश से भिड़ेगा भारत

ढाका। गत चैंपियन भारत को 18 से 28 सितंबर तक आयोजित होने वाले सैफ अंडर-17 फुटबॉल चैंपियनशिप में ग्रुप ए में मालदीव और बांग्लादेश के साथ रखा गया है। सैफ अंडर-17, अंडर 20 और महिला चैंपियनशिप के लिए शनिवार को ड्रॉ निकाला गया। भारत अंडर-17 चैंपियनशिप का मौजूदा चैंपियन हैं। टूर्नामेंट के ग्रुप बी में नेपाल, पाकिस्तान और श्रीलंका के साथ मेजबान भूटान की टीमें हैं। अंडर-20 चैंपियनशिप में मौजूदा चैंपियन भारत को मालदीव और भूटान के साथ ग्रुप बी में रखा गया है।

महिला टीम की प्रो लीग में लगातार सातवीं हार

एजेंसी ▶▶ लंदन

भारतीय महिला हॉकी टीम एफआईएच प्रो लीग में लगातार छह हार का क्रम शनिवार को यहां जर्मनी के खिलाफ 2-4 से मैच गंवा कर रोकने में विफल रही।

भारतीय टीम दो गोल की बढ़त को बरकरार नहीं रख सकी जिससे उसे प्रो लीग में लगातार सातवीं हार का सामना करना पड़ा। सुनिलिता टोप्पो (नौवें मिनट) और दीपिका (15वें मिनट) ने शुरुआती क्वार्टर में बेहतरीन मैदानी गोल करके हरेंद्र सिंह की टीम के लिए अच्छा मौका बनाया था। जर्मनी की विक्टोरिया हस (23वें और 32वें मिनट) ने दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर स्कोर बराबर कर दिया। इसके बाद स्टिन कुर्ज (51वें मिनट) ने पेनल्टी कॉर्नर को गोल में तब्दील किया और फिर 55वें मिनट में जूल ब्लूएल ने मैदान गोल दाग कर जर्मनी की जीत पक्की कर दी। भारत पिछले महीने एंटवर्प में बेल्जियम और अर्जेंटीना के खिलाफ अपने सभी चार मैच हार गया था। टीम को बीते सप्ताहांत यहां जर्मनी (1-3) और ग्रेट ब्रिटेन (2-3) के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। भारतीय टीम रविवार को इस दौरे का आखिरी मैच ब्रिटेन के खिलाफ खेलेगी।

प्रज्ञाननंदा 14.5 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे

नॉर्वे शतरंज : प्रज्ञाननंदा जीते, कार्लसन ने जीता खिताब

एजेंसी ▶▶ स्टावेंजर

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञाननंदा ने नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट के अंतिम दौर में अमेरिका के हिकारू नाकामुरा को हराकर अपने अभियान का सकारात्मक अंत किया और तीसरे स्थान पर रहे। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन ने अपनी ख्याति के अनुरुप प्रदर्शन करके खिताब जीता। कार्लसन ने 17.5 अंक लेकर अपने अभियान का अंत किया।

विजेता बनने पर उन्हें लगभग 65000 डॉलर की इनामी राशि मिली। उन्होंने प्रत्येक दौर में जीत दर्ज की। इनमें क्लासिकल टाइम कंट्रोल और आर्मगेडन दोनों शामिल हैं। नाकामुरा ने अंतिम दौर में हारने के बावजूद 15.5 अंक के साथ दूसरा स्थान हासिल किया जबकि प्रज्ञाननंदा 14.5 अंक लेकर तीसरे स्थान पर रहे। प्रज्ञाननंदा के लिए यह राहत की बात रही कि उन्होंने इस टूर्नामेंट में विश्व के चोटी के तीन खिलाड़ियों को हराया। उन्होंने कार्लसन और फैबियानो कारुआना को क्लासिकल टाइम कंट्रोल में पराजित किया और अब नाकामुरा के खिलाफ उनकी जीत ने सुनिश्चित किया कि वे शीर्ष तीन खिलाड़ियों को हराने वाले पहले खिलाड़ी बन गए हैं। अलीरेजा फिरौजा (13.5 अंक) ने चौथा स्थान हासिल किया। उन्होंने चीन के मौजूदा विश्व चैंपियन डिंग लिरेन को हराया जो छठे और अंतिम स्थान पर रहे। कारुआना ने 10 अंक के साथ पांचवा स्थान हासिल किया।

जू ने जीता खिताब वैशाली को मिली हार

महिला वर्ग में चीन की वेनजुन जू ने हमवतन टिंगजी लेई को हराकर शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने क्लासिकल टाइम कंट्रोल के तहत तीन जीत से कुल 19 अंक हासिल किए। अन्ना मुजीचुक 16 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रही। उनके बाद लेई (14.5 अंक), भारत की आर वैशाली (12.5 अंक) और कोनेरू हम्पी (10 अंक) तथा पिया क्रैमलिंग (आठ अंक) का नंबर आता है। वैशाली को अंतिम दौर में क्रैमलिंग जबकि हम्पी को मुजीचुक से हार का सामना करना पड़ा।

अंशु मलिक ने बुडापेस्ट में जीता रजत पदक

एजेंसी ▶▶ बुडापेस्ट

भारतीय महिला पहलवान अंशु मलिक फाइनल में अपनी 21 वर्षीय चीनी प्रतिद्वंद्वी केक्सिन होंग की चुनौती से पार पाने में नाकाम रही और उन्हें यहां बुडापेस्ट रैंकिंग सीरीज कुश्ती टूर्नामेंट के 57 किग्रा वर्ग में रजत पदक से संतोष करना पड़ा। विश्व की नंबर एक खिलाड़ी के खिलाफ अंशु मलिक को तकनीकी श्रेष्ठता के आधार पर 1-12 से हार झेलनी पड़ी। भारत की अंतिम पंघाल ने इससे पहले 53 किग्रा वर्ग में रजत पदक हासिल किया जबकि स्टार पहलवान विनेश फोगट 50 किग्रा वर्ग के क्वार्टर फाइनल में चीन की जियांग झू से 0-5 से हार गईं थी।

अंशु ने मोल्दोवा की अनास्तासिया निचिता के खिलाफ 6-5 से जीत हासिल कर सेमीफाइनल में जगह पक्की की। इसके बाद उन्होंने विश्व चैंपियन झांग क्यूई की चुनौती को 2-1 से पार करके एक और चीनी खिलाड़ी के साथ खिताबी भिड़ंत सुनिश्चित की। पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालीफाई करने वाले भारत के एकमात्र पुरुष पहलवान अमन सहरावत ने प्रतियोगिता के पहले दिन रजत पदक जीता था।

पहली बार इंसानों को लेकर चांद पर जाने वाले एस्ट्रोनॉट बिल ऐंडर्स का प्लेन क्रैश, निधन

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अमेरिका में अपोलो 8 मिशन के एस्ट्रोनॉट बिल ऐंडर्स की शुक्रवार देर रात एक प्लेन क्रैश में मौत हो गई। 90 साल के ऐन्डर्स इंसानों को लेकर चांद की कक्षा में जाने वाले पहले मिशन अपोलो 8 का हिस्सा थे। जानकारी के अनुसार बिल वॉशिंगटन में अकेले एक छोटा प्लेन उड़ा रहे थे।

यह प्लेन सिएटल के उत्तरी इलाके में स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 11:40 बजे पानी में क्रैश हो गया। इसके बाद सर्च टीम को प्लेन की क्रैश साइट पर एंडर्स का शव मिला। उनके बेटे ग्रेग ने उनकी मौत की पुष्टि की है। अमेरिका का फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन प्लेन क्रैश की जांच कर रहा है। अमेरिकी एयरफोर्स का हिस्सा रह चुके मेजर एन्डर्स 1968 में कर्नल फ्रैंक बोरमैन और कैप्टन जेम्स लोवेल के साथ अपोलो 8 मिशन के लिए रवाना हुए थे।

90 की उम्र में अकेले उड़ान भरी थी, बेटे ने दी विमान दुर्घटना में निधन की जानकारी

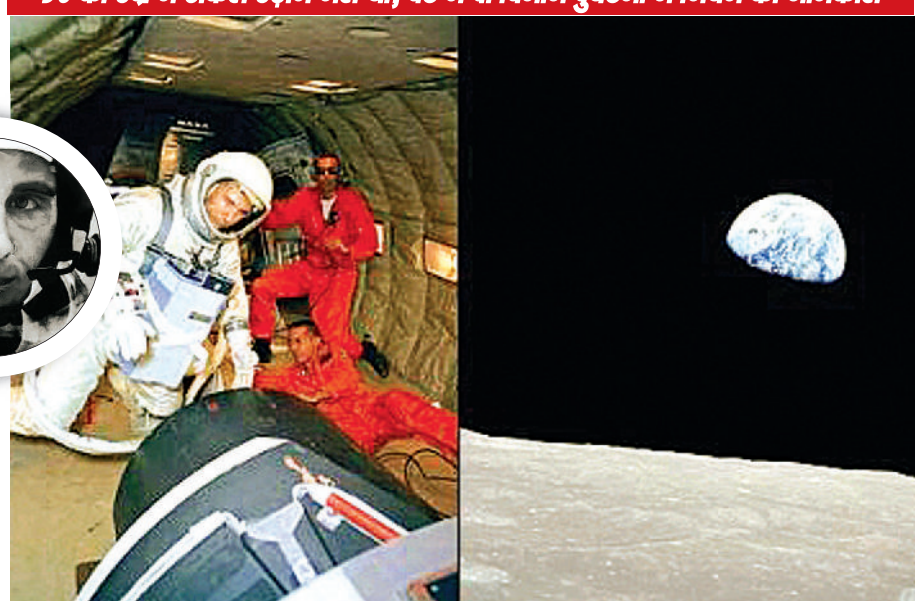

अपोलो 11 मिशन में बैकअप पायलट भी थे

अपोलो 8 मिशन के अलावा बिल अपोलो 11 मिशन में भी बैकअप पायलट थे। ये वही मिशन था, जिसके तहत नील आर्मस्ट्रॉन्ग ने 24 जुलाई 1969 को चांद पर पहला कदम रखा था। बिल एन्डर्स का जन्म 17 अक्टूबर 1933 को हॉन्गकॉन्ग में हुआ था। उनके पिता चीन की नेवी में काम करते थे। जुलाई 1937 में चीन पर जापान के हमले के बाद बिल अपनी मां के साथ फिलिपींस चले गए। इसके बाद वे अमेरिका चले गए। उन्होंने नेवल एकेडमी से पढ़ाई की।

सोशल मीडिया पर यूजर्स ने दी श्रद्धांजलि

एक यूजर ने एंडर्स द्वारा लिए गए एक तस्वीर को साक्षा करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि दी। यूजर ने अपने पोस्ट में लिखा, "अपोलो-8 के अंतरिक्ष यात्री विलियम एंडर्स को शांति मिले। यह तस्वीर उन्होंने 24 दिसंबर 1968 में खींचा था।" एक दूसरे यूजर ने लिखा, "इस कठिन समय में मेरी संवेदना विलियम एंडर्स के परिवार के साथ है।" एक तीसरे यूजर ने कहा, "विलियम एंडर्स को शांति मिले। आप और आपके कू ने हमें पहली बार पूरी दुनिया का दर्शन कराया था। हमने एक महान व्यक्ति को खो दिया।

बिल ऐंडर्स ने चांद के 10 चक्कर लगाए थे

अपने मिशन के दौरान उन्होंने चांद और पृथ्वी की कई तस्वीरें ली थीं। इस मिशन का लक्ष्य अपोलो 11 की तैयारी करना था, जिसमें पहली बार इंसान चांद पर कदम रखने वाला था। 24 दिसंबर 1968 को चांद के 10 चक्कर लगाने के दौरान तीनों एस्ट्रोनॉट्स ने चांद के क्षितिज से ऊपर उठती पृथ्वी की कई तस्वीरें लीं।वह काले अंतरिक्ष में एक नीले मार्बल की तरह नजर आ रही थी। मेजर एन्डर्स ने इस नजारे की पहली कलर्ड तस्वीर क्लिक की थी। बाद में यह तस्वीर पूरी दुनिया में वायरल हुई और इसे 'अर्थराइज' नाम दिया गया। 1969 में पोस्टेज स्टैम्प पर भी इस तस्वीर को छापा गया था।

नॉर्वे में अमेरिका के राजदूत भी रह चुके हैं

अपोलो 8 मिशन के बाद एन्डर्स 1969 में नासा और अमेरिकी एयरफोर्स से रिटायर हो गए। इसके बाद उन्होंने अमेरिका के नेशनल एरोनॉटिक्स एंड स्पेस काउंसिल में में एग्जीक्यूटिव सेक्रेटरी का पद संभाला। 1970 के दशक में वे एक साल के लिए नॉर्वे में अमेरिका के राजदूत भी रह चुके हैं।

खबर संक्षेप

कनाडाई अरबपति रेप के आरोप में गिरफ्तार

नई दिल्ली। कनाडा के मशहूर बिजनेसमैन फ्रैंक स्ट्रोनक को शुक्रवार को यौन उत्पीड़न के आरोप में गिरफ्तार किया गया। स्ट्रोनक दुनिया की सबसे बड़ी ऑटो पार्ट्स कंपनी के फाउंडर हैं। पुलिस ने स्ट्रोनक को फिलहाल कुछ शर्तों पर रिहा कर दिया है।

मंगल ग्रह पर रहस्यमयी गड्ढा, वैज्ञानिक हैरान

वॉशिंगटन। स्पेसएक्स के अरबपति संस्थापक एलन मस्क मंगल ग्रह पर जीवन बसाने को लेकर प्रयासरत हैं। उनके इन प्रयासों के बीच मंगल ग्रह पर एक चौंकाने वाला गड्ढा दिखा है। ग्रह पर एक प्राचीन ज्वालामुखी के किनारे दिखे इस रहस्यमयी गड्ढे ने अंतरिक्ष के प्रति जुनून रखने वाले लोगों के बीच उत्साह पैदा कर दिया है।

एनडीए को सरकार में आने पर पाक ने दी बधाई

नई दिल्ली। नरेंद्र मोदी लगातार तीसरी बार भारत के प्रधानमंत्री के तौर पर शपथ लेने वाले हैं। कार्यवाहक पीएम मोदी के शपथ समारोह से पहले पाक ने प्रतिक्रिया दी। पाक के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता मुमताज जहरा बलोच ने बताया कि उनका देश भारत समेत अन्य सभी पड़ोसी देशों के साथ सौहार्दपूर्ण और सहयोगात्मक संबंध बनाना चाहता है। वे अपने सभी विवादों को बातचीत के जरिए सुलझाना चाहते हैं। नई सरकार के गठन से पहले मोदी को बधाई देना बचकाना होगा।

सैन्य सहायता पैकेज में देरी के लिए बाइडेन ने मांगी यूक्रेन से माफी

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने सैन्य सहायता पैकेज में देरी के लिए यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की से माफी मांगी। बाइडन ने माफी तब मांगी, जेलेंस्की के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान अमेरिका ने यूक्रेन के लिए नए सैन्य पैकेज की घोषणा की। उन्होंने यूक्रेनी राष्ट्रपति से कहा कि आप जैसे लड़ रहे हैं वह अद्भुत है। बता दें कि रूस-यूक्रेन के बीच दो वर्षों से अधिक समय से संघर्ष जारी है।

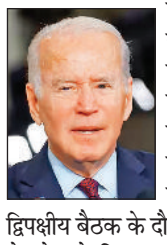

कार्यवाहक पीएम मोदी को एलन मस्क ने दी जीत की बधाई

भारत में काम को लेकर इच्छुक एलन से मोदी बोले- आपके भारत आगमन से होगी खुशी

मस्क ने कहा मैं भारत में अपनी कंपनियों द्वारा रोमांचक काम किए जाने के लिए उत्सुक

अमेरिकी टेक अरबपति एलन मस्क ने कार्यवाहक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी जीत पर बधाई दी। 52 वर्षीय मस्क ने एक्स पर पोस्ट में कहा, "दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनावों में आपकी जीत के लिए नरेंद्र मोदी आपको बधाई। मैं भारत में अपनी कंपनियों द्वारा रोमांचक काम किए जाने के लिए उत्सुक हूं।

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

लोकसभा चुनाव में एनडीए गठबंधन की जीत और कार्यवाहक प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे बार प्रधानमंत्री की खबर के बाद से अन्य देशों से बधाई का सिलसिला शुरू हो गया है। अब हाल ही में एलन मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को जीत की बधाई दी। साथ ही उन्होंने कहा कि वे भारत में अपनी कंपनी का काम करने के लिए काफी उत्सुक हैं। आज कार्यवाहक नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। वे लगातार तीसरी बार पीएम पद की शपथ लेने जा रहे हैं। वहीं उनके प्रधानमंत्री पद के दावेदार होने के बाद से ही अन्य देशों के नेता और प्रतिष्ठित व्यक्तियों की बधाई का सिलसिला शुरू हो गया है। अमेरिकी टेक अरबपति एलन मस्क ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को उनकी जीत पर बधाई दी। 52 वर्षीय मस्क ने शुक्रवार को एक्स पर पोस्ट में कहा, दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक चुनावों में आपकी जीत के लिए नरेंद्र मोदी आपको बधाई। मैं भारत में अपनी कंपनियों द्वारा रोमांचक काम किए जाने के लिए उत्सुक हूं। वहीं कार्यवाहक पीएम मोदी ने मस्क की पोस्ट पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, "आपकी बधाई के लिए आभारी हूं एलन मस्क" उन्होंने कहा कि प्रतिभाशाली भारतीय युवा, देश की जनसांख्यिकी, पूर्वानुमानित नीतियां और स्थिर लोकतांत्रिक राजनीति अपने सभी भागीदारों के लिए कारोबारी माहौल प्रदान करती रहेगी। इलेक्ट्रिक कार निर्माता टेस्ला और माइक्रोब्लॉगिंग प्लेटफॉर्म एक्स के सीईओ द्वारा अप्रैल में बहुत भारी टेस्ला दायित्वों के कारण भारत की अपनी प्रस्तावित यात्रा स्थगित कर दी थी।

टेस्ला की जल्द हो सकती है भारत में एंट्री

हालांकि अब चुनाव परिणाम स्पष्ट हो चुके हैं। भाजपा सबसे ज्यादा सीटें जीतने में कामयाब हुई है और सहयोगी दलों के साथ उसके पास सरकार बनाने के लिए स्पष्ट बहुमत है। नई सरकार के गठन के बाद जल्दी ही भारत में एलन मस्क की कंपनियों खासकर टेस्ला की बहुप्रतीक्षित एंट्री हो सकती है। भारत सरकार ने हाल ही में ईवी पॉलिसी में बदलाव किया है, जिसे उस समय भारत में टेस्ला की एंट्री से जोड़कर देखा गया था। उस समय ऐसी खबरें भी आई थीं कि टेस्ला की टीम संभावित प्लांट के लिए भारत के कुछ राज्यों में जगहें तलाश रही है।

2024 में भारत आने की योजना बना रहे मस्क

एलन मस्क के 21 और 22 अप्रैल को भारत में होने की उम्मीद थी। वे प्रधानमंत्री मोदी से मिलने वाले थे। एलन मस्क ने एक्स पर पोस्ट में लिखा कि वह इस साल के अंत में भारत आने के लिए उत्सुक हैं। हालांकि पिछले साल जून में पीएम मोदी की अमेरिकी यात्रा के दौरान एलन मस्क ने उनसे मुलाकात की थी। उन्होंने कहा था कि वे 2024 में भारत आने की योजना बना रहे हैं, साथ ही उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि टेस्ला जल्द ही भारतीय बाजार में प्रवेश करेगी।

6 जून को हुई बैठक

भारत और कतर के बीच जेटीएफआई की पहली बैठक दोनों देशों के बीच आर्थिक संबंधों की मजबूती पर जोर

नई दिल्ली। भारत गणराज्य और कतर के नेतृत्व के विजन के अनुरूप एवं निवेश सहयोग को और ज्यादा बढ़ाने के उद्देश्य से भारत व कतर के बीच 'निवेश पर संयुक्त कार्यदल जेटीएफआई की प्रथम बैठक गुरुवार को नई दिल्ली में आयोजित की गई। जेटीएफआई ने भारत और कतर के बीच मजबूत आर्थिक संबंधों के महत्व को रेखांकित किया। वित्त मंत्रालय के अनुसार भारत व कतर के बीच 'निवेश पर संयुक्त कार्यदल की पहली बैठक 6 जून को भारत के नई दिल्ली में आयोजित हुई। संयुक्त कार्यदल की सह-अध्यक्षता भारत सरकार के वित्त मंत्रालय के आर्थिक कार्य विभाग के सचिव अजय सेठ और कतर सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अवर सचिव माननीय मोहम्मद बिन हसन अल- मल्की ने की।

भारत और कतर के बीच मजबूत होंगे आर्थिक संबंध

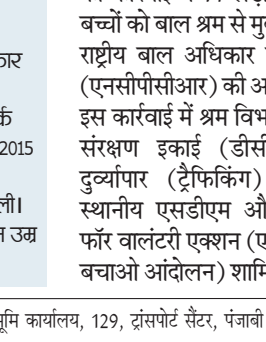

पारस्परिक विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने की भावना से 'निवेश पर संयुक्त कार्यदल' ने द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने और अवसंरचना एवं ऊर्जा से लेकर प्रौद्योगिकी और नवाचार तक विविध क्षेत्रों में त्वरित विकास, निवेश के अवसरों और रचनात्मक सहयोग हेतु सामूहिक क्षमता का लाभ उठाने के लिए इन दोनों ही देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि की है। जेटीएफआई ने भारत और कतर के बीच मजबूत आर्थिक संबंधों के महत्व को रेखांकित किया है जो कि साझा मूल्यों, साझा उद्देश्यों, एवं समावेशी विकास के लिए साझा विजन में निहित हैं।

इजराइल रक्षा बलों ने हमास के कब्जे से 4 बंधकों को जिंदा छुड़ाया

एजेंसी ▶▶ तेल अवीव

इजराइल ने गाजा के नुसरत में चलाए गए एक बड़े ऑपरेशन में हमास के कब्जे से चार बंधकों को छुड़ाने में सफलता हासिल की है। जानकारी के अनुसार आईडीएफ, शिन बेत और इजराइल पुलिस के एक जटिल ऑपरेशन में शनिवार सुबह चार इजराइली बंधकों को बचाया गया। इन चारों के नाम नोआ अर्गामानी (25), अल्मोग मीर (21), एंड्री कोजलोव (27) और श्लोम जिव (40) हैं।' इन सभी को 7 अक्तूबर को इजराइल पर हुए हमले के दौरान सुपरनोवा फेस्टिवल से अगवा करके गाजा पट्टी में ले जाया गया था।

यूरोपियन यूनियन चुनाव के लिए प्रचार करके लौट रही थीं

डेनमार्क की पीएम मेट फ्रेडरिक्सन पर हमला आरोपी ने पीछे से मारा धक्का, गिरफ्तार

एजेंसी ▶▶ कोपेनहेगन

डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेट फ्रेडरिक्सन पर कोपेनहेगन में एक व्यक्ति ने अचानक हमला कर दिया। जानकारी के मुताबिक आरोपी ने पीछे से आकर फ्रेडरिक्सन को जोर से धक्का मारा। इससे वे लड़खड़ा गईं। हालांकि इस हमले में उन्हें कोई चोट नहीं आई, और पुलिस ने तुरंत ही प्रधानमंत्री को वहां से सुरक्षित निकाल लिया गया। हालांकि, कोपेनहेगन पुलिस ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। यह हमला यूरोपियन यूनियन चुनाव से ठीक पहले हुआ है। ईयू के चुनाव 9 जून को होने हैं। प्रधानमंत्री मेटे पर हुए हमले की नरेंद्र मोदी ने निंदा की है। लिखा, डेनमार्क की प्रधानमंत्री मेटे फ्रेडरिकसन पर हमले की खबर से बेहद चिंतित हूं, मैं इस हमले की निंदा करता हूं।

पीएम मेट फ्रेडरिक्सन ने हमले से इंकार किया

बताया गया है कि देर रात डेनमार्क में प्रधानमंत्री मेट फ्रेडरिक्सन ने हमले से इंकार कर दिया है। 46 साल की फ्रेडरिक्सन 2019 में डेनमार्क की पीएम बनीं थीं। उन्होंने 2015 में अपनी पार्टी सोशल डेमोक्रेट्स की कमान संभाली। वह डेनमार्क की सबसे कम उम्र की पीएम बन गईं।

'बचपन बचाओ आंदोलन' की शिकायत पर हुई बड़ी कार्रवाई

मानव तस्करी की शिकार 14 लड़कियों सहित 21 बाल श्रमिकों को कराया मुक्त

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

दिल्ली में दो प्लेसमेंट एजेंसियों पर छापों की कार्रवाई में 14 लड़कियों सहित 21 बच्चों को बाल श्रम से मुक्त कराया गया। राष्ट्रीय बाल अधिकार संरक्षण आयोग (एनसीपीसीआर) की अगुआई में की गई इस कार्रवाई में श्रम विभाग, जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू), मानव दुर्व्यापार (ट्रैफिकिंग) रोधी इकाई, स्थानीय एसडीएम और एसोसिएशन फॉर वालंटरी एक्शन (एवीए) (बचपन बचाओ आंदोलन) शामिल थे।

कई राज्यों के बच्चे शामिल

इन 21 बच्चों में से 5 को राजौरी गार्डेन, 3 को निहाल विहार और 13 बच्चों को शकरपुर से मुक्त कराया गया। छापामार टीम को खास तौर से शकरपुर में छापे के दौरान काफी विरोध का सामना करना पड़ा। 4 घंटे बाद दिल्ली के उपराज्यपाल से विशेष अनुमति मिलने के बाद इसे खोला जा सका। छापामार टीम अंदर दाखिल हुई तो पाया कि बच्चे बेहद डरे हुए थे।

सेना के हेलीकॉप्टरों से पुष्प वर्षा की गई

आईएमए देहरादून से पास होकर निकले 394 युवा कैडेट

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून में शनिवार को आयोजित की गई पासिंग आउट परेड में कुल 394 युवा कैडेट पास होकर निकले हैं। अब ये जल्द ही लेफ्टिनेंट के रूप में सेना में शामिल होकर देश की सीमाओं की सीमाओं की रक्षा करते हुए नजर आएंगे। रक्षा मंत्रालय ने एक बयान जारी कर बताया कि पासिंग आउट परेड समारोह का निरीक्षण भारतीय सेना की उत्तरी कमांड के प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार ने किया। इसके साथ ही अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि अकादमी से उत्तीर्ण हुए कैडेटों को सफलतापूर्वक उनका प्रशिक्षण पूरा होने की बधाई दी। आईएमए से पास होकर निकलने वाले कैडेटों में दस मित्र देशों के 39 कैडेट भी शामिल हैं। कार्यक्रम के दौरान आईएमए के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन और उप कमांडेंट मेजर जनरल आलोक नरेश भी मौजूद रहे।

भारतीय सैन्य अकादमी (आईएमए) में अंतिम पग भरते ही शनिवार को 355 युवा भारतीय सेना का हिस्सा बन गए।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109